राष्ट्रपति और राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे
- 12

दरों में बदलाव के अनुरूप एमआरपी में संशोधन करें कंपनियां : जोशी
- 12

बेकाबू गुस्सा... ओली के इस्तीफे से भी नहीं संभले हालात
- 13

पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर आक्रामकता नहीं छोड़ेंगे सूर्यकुमार यादव- 14

आज का मौसम
33.0⁰ अधिकतम तापमान
27.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.55
सूर्यास्त 06.23

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष तृतीया 03:38 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 10 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 291, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

नेपाल में स्थिति तनावपूर्ण, संसद में आग लगाई मंत्रियों के आवास फूंके, पीएम ओली का इस्तीफा

पूर्व पीएम झलनाथ खनाल की पत्नी राजलक्ष्मी को जिंदा जलाया, युवाओं का हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी

काठमांडू, अमृत विचार नेटवर्क/ एजेंसी

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने देश में जारी सरकार विरोधी जबर्दस्त प्रदर्शन के मद्देनजर मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल सहित कई शीर्ष राजनीतिक नेताओं के निजी आवास पर हमला किया तथा संसद भवन में तोड़फोड़ की। पूर्व पीएम झलनाथ खनाल की पत्नी को रवि लक्ष्मी को प्रदर्शनकारियों ने जिंदा जला दिया जिससे उनकी मौत हो गई।

छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों में राजनीतिक वर्ग के खिलाफ कई कारणों को लेकर आम लोगों का बढ़ता आक्रोश झलक रहा है, जिसमें सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और कथित भ्रष्टाचार जैसे कई मुद्दे शामिल हैं। प्रदर्शनकारी कर्फ्यू और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती के बावजूद काठमांडू और अन्य स्थानों पर एकत्र हुए। सोमवार को विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई में कम से कम 20 लोगों की मौत के लिए ओली के इस्तीफे की मांग करते हुए सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के उनके कार्यालय में घुसने और नारेबाजी करने के तुरंत बाद ओली ने पद छोड़ दिया।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति पौडेल को लिखे अपने त्यागपत्र में ओली ने नेपाल के समक्ष मौजूद असाधारण परिस्थितियों का हवाला दिया और कहा कि वह मौजूदा स्थिति के संवैधानिक और राजनीतिक समाधान का मार्ग प्रशस्त करने के लिए पद छोड़ रहे हैं। सुरक्षा की खराब स्थिति को देखते हुए काठमांडू के त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं स्थगित कर दी गई हैं। हालांकि, नेपाल सरकार ने जेन जी युवाओं के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद सोमवार रात सोशल मीडिया वेबसाइटों पर से प्रतिबंध हटा लिया था। 'जेन जी' वे युवा हैं जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ। ओली के इस्तीफे से कुछ घंटे पहले, प्रदर्शनकारियों ने बालकोट स्थित उनके निजी आवास में आग लगा दी और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड', संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग, पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक आदि के आवासों पर हमला किया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति पौडेल के निजी आवास पर भी हमला किया।

जेन जी के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने राजधानी के कई हिस्सों में केपी चोर, देश छोड़ो और भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करो जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू के नायकाप स्थित पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक के आवास को भी आग लगा दी। काठमांडू उन्होंने काठमांडू के बूढ़ा नीलकंठ स्थित पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के आवास में भी तोड़फोड़ की।

नेपाल के काठमांडू में सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान आग के हवाले की गई सार्वजनिक संपत्ति।

भारत के 3500 से 4000 तक टूरिस्ट नेपाल में फंसे

भारत के 3500 से 4000 तक टूरिस्ट नेपाल में फंसे। ये लोग लुंबिनी, सूपड़ा देवराली,प्रभुनाथ, मुक्तिनाथ, पशुपतिनाथ दर्शन के अलावा पोखरा और काठमांडू घूमने गए थे। नेपाल के हालात खराब होने के बाद किसी भी टूरिस्ट को बाहर निकलने से मना कर दिया गया है। काठमांडू घाटी के बड़े होटलों पर पुलिस का पहरा है। भारत नेपाल सीमा के बार्डर भी बंद कर दिए गए हैं। भारत के अलावा अन्य देशों के करीब 15 हजार टूरिस्ट भी नेपाल के विभिन्न हिस्सों में फंसे हैं।

इण्डो-नेपाल सीमा सील, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

लखनऊ। नेपाल संकट के बीच इण्डो-नेपाल सीमा सील कर दी गई है। नेपाल में फंसे पर्यटकों को सख्त सुरक्षा और चेकिंग के साथ यहां लाया जा रहा है जबकि इधर से नेपाल जा रहे पर्यटकों पर रोक लगा दी गई है। बॉर्डर पर हर गतिविधि पर पैनी नजर रखने को एसएसबी और स्थानीय पुलिस के साथ इंटीलिजेंस भी सक्रिय है। पीलीभीत व लखीमपुर खीरी जिले में भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी के जवान लगातार गश्त कर रहे हैं। लखीमपुर खीरी के पलियाकला में भारत-नेपाल के गौरीफंटा बॉर्डर पर भी सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। सोनौली कस्बे में डॉग स्क्वायड टीमें बस स्टैंड, टैक्सी स्टैंड, होटल और लावारिस वाहनों की जांच में जुटी हैं। सोमवार शाम 4 बजे के बाद करीब 700 पर्यटकों को वापस लौटा दिया गया। वहीं, भंसार कार्यालय बंद होने से वाहनों की आवाजाही रुक गई है, जिसके चलते सीमा पर कई किमी लंबा जाम लगा देखा गया।

बहराइच के रुपईडीहा-नेपाल बॉर्डर पर उग्र प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश में बहराइच के रुपईडीहा-नेपाल बॉर्डर पर मंगलवार को कुछ लोगों ने उग्र प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन नेपाल में हो रहे विरोध के समर्थन में किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जगह-जगह तोड़फोड़ और आगजनी की। इस दौरान उपद्रवियों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हवाई फायरिंग और आंसू गैस छोड़नी पड़ी।

घटनाक्रम पर भारत की नजर, नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारत, नेपाल में विरोध-प्रदर्शनों के दौरान कई नौजवानों की मौत से बेहद दुखी है और उसे उम्मीद है कि शांतिपूर्ण तरीके से मुद्दों का समाधान हो जाएगा। मंत्रालय ने यह भी कहा कि नई दिल्ली पड़ोसी देश के घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रही है। अशांति को देखते हुए, भारत ने अपने नागरिकों से वहां की स्थिति सामान्य होने तक पड़ोसी देश की यात्रा स्थगित करने को कहा।

सीपी राधाकृष्णन होंगे देश के अगले उपराष्ट्रपति, रेड्डी को 152 वोट से हराया

- राधाकृष्णन को 452 वोट तो सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले
- कुल 98.2 प्रतिशत हुआ मतदान, 15 वोट अवैध करार दिए गए

नई दिल्ली, एजेंसी

उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को हुए चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के प्रत्याशी बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 तथा विपक्ष के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट हासिल हुए। राज्यसभा के महासचिव और निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी ने नतीजों की घोषणा की और कहा कि कुल 98.2 प्रतिशत मतदान हुआ।

उन्होंने बताया कि इस मतदान में निर्वाचक मंडल के कुल 781 सदस्यों में से 767 (एक डाक मतपत्र समेत) ने मतदान किया था, जिसमें 15 वोट अवैध करार दिए गए। पीसी मोदी ने कहा, मैं राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित घोषित करता हूं। परिणाम के बारे में निर्वाचन आयोग को सूचित किया जाएगा। उपराष्ट्रपति के चुनाव में मतदान सुबह 10 बजे शुरू होकर शाम 5 बजे समाप्त हुआ। प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल समेत प्रमुख नेताओं ने मतदान किया। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य इस चुनाव में हिस्सा लेते हैं तथा इसमें व्हिप जारी नहीं होता है।

उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए, निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में पांच सीटें रिक्त हैं) एवं 12 मनोनीत सदस्य तथा लोकसभा के 543 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में एक सीट रिक्त है) शामिल थे। निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य (वर्तमान में 781) हैं। बीजद, बीआरएस और शिअद ने चुनाव से दूर रहने का फैसला किया था। मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। पूर्व पीएम, 92 वर्षीय देवेगौड़ा व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचे।

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने सीपी को दी बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने उपराष्ट्रपति चुनाव में के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को जीत हासिल करने पर बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे। मोदी ने एक्स पर कहा कि मुझे विश्वास है कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे और हमारे संवैधानिक मूल्यों को मजबूत बनाने के साथ साथ संसदीय संवाद को आगे बढ़ाएंगे।

ब्रीफ न्यूज

लद्दाख के सियाचिन में हिमस्खलन, तीन सैनिकों की जान गई

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में हिमस्खलन होने के कारण तीन सैनिकों की जान चली गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रविवार को 12,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन आधार शिविर क्षेत्र में हिमस्खलन हुआ, जिसमें दो अग्निवीर सहित तीन सैनिक फंस गए। अधिकारियों ने बताया कि तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया और फंसे हुए सैनिकों के शव निकाल लिए गए।

183 करोड़ की धोखाधड़ी में एमडी गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने मध्य प्रदेश जल निगम लिमिटेड (एमपीजेएनएल) को फर्जी बैंक गारंटी जमा करके सिंचाई परियोजनाएं हासिल करने के लिए कथित तौर पर 183 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के सिलसिले में इंदौर स्थित तीर्थ गोपीकॉन के प्रबंध निदेशक को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी ने कहा कि सीबीआई ने कंपनी के प्रबंध निदेशक महेश कुंभानी और एक व्यक्ति गौरव धाकड़ को मध्य प्रदेश के छतरपुर, सागर और डिंडोरी जिलों में तीन सिंचाई परियोजनाओं को 2023 में 974 करोड़ रुपये में हासिल करने के लिए धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एनआईए ने कई राज्यों में ली तलाशी

नई दिल्ली। एनआईए ने इस्लामिक स्टेट और अन्य आतंकवादी संगठनों से जुड़े साजिश की जांच के तहत पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में 21 स्थानों पर तलाशी ली है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु के साथ-साथ जम्मू कश्मीर में भी तलाशी ली गई।

दिल्ली सचिवालय और आजाद मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) और विश्वविद्यालय चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय (यूसीएमएस) को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसे बाद में अफवाह करार दिया गया। पुलिस ने कहा कि धमकी भरे संदेश में कहा गया कि तीनों स्थलों पर एक किलोमीटर के दायरे में आरडीएक्स लगाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत तुरंत समन्वित कार्रवाई की गई और बम निरोधक एवं निस्तारण टीम (बीडीडीटी) को उक्त तीनों स्थानों तैनात किया गया। पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने कहा, पूर्वाह्न करीब 11 बजे जीटीबी अस्पताल के यूसीएमएस से सूचना मिली कि उन्हें कॉलेज परिसर में बम होने के संबंध में एक ईमेल मिला है। एसओपी के अनुसार, कोई अफरा-तफरी मचाये कॉलेज को तुरंत खाली करा दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ग्रस्त इलाकों का किया हवाई सर्वे

पंजाब को 1600 और हिमाचल को 1500 करोड़ रुपये वित्तीय सहायता देने की घोषणा

चंडीगढ़/शिमला, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पंजाब और हिमाचल प्रदेश के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे किया। मोदी ने बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए 1,600 करोड़ और हिमाचल को 1500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने बाढ़ प्रभावित पंजाब में प्रत्येक मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। पंजाब में 1988 के बाद से सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। पंजाब और उसके पड़ोसी हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के लिए एक दिवसीय दौरे पर आए मोदी हवाई सर्वेक्षण करने के बाद राज्य के सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों में से एक गुरदासपुर पहुंचे। यहां मोदी ने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ-साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने स्थिति की समीक्षा के लिए गुरदासपुर में एक आधिकारिक बैठक की अध्यक्षता की। बाढ़ और भूस्खलन के बाद स्थिति की समीक्षा के लिए दिल्ली से हिमाचल प्रदेश और पंजाब के लिए रवाना होते समय प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत सरकार आपदा की इस घड़ी में प्रभावित लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

हिमाचल में बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करते प्रधानमंत्री।

मृतकों के परिजनों को दो लाख व घायलों के लिए 50,000 रुपये

प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति का जायजा लेने के बाद मृतकों के परिजनों के लिए दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की सहायता राशि की भी घोषणा की। यहां उन्होंने राहत एवं पुनर्वास उपायों की समीक्षा तथा क्षति का आकलन करने के लिए कांगड़ा में एक बैठक की। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, भाजपा नेताओं, प्रभावित परिवारों और कांगड़ा में बचाव सेवाओं में लगे लोगों के साथ बैठक में मोदी ने प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बहाल करने और पुनर्निर्माण के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

शीर्ष कोर्ट के जज 25-25 हजार का देंगे स्वैच्छिक योगदान

नई दिल्ली। सीजेआई एवं शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों ने प्रधानमंत्री बाढ़ राहत कोष में 25-25 हजार रुपये का स्वैच्छिक योगदान देने का निर्णय लिया है। यह पहल देशभर में बाढ़ की गंभीर स्थिति को लेकर न्यायपालिका की गंभीर चिंता को दर्शाती है और मानवीय मूल्यों तथा राष्ट्रीय सेवा के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराती है। प्रधान न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और राहत, पुनर्वास और सामान्य स्थिति बहाली की कामना की है।

रैंकिंग राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) ने शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शहरों की सूची की जारी

इंदौर की हवा सबसे स्वच्छ, आगरा तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- 3 से 10 लाख तक की आबादी में अमरावती प्रथम, झांसी और मुरादाबाद संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, बरेली सातवें स्थान पर

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में इंदौर, अमरावती और देवास मंगलवार को शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शहर बनकर उभरे। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने यहां एक पुरस्कार समारोह में कहा कि कई शहरों ने औद्योगिक केंद्र होने या कोयला खदानें होने के बावजूद उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने घोषणा की कि अगले वर्ष से शहरों में स्थित वार्ड का भी वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रयासों के लिए मूल्यांकन किया जाएगा तथा इसके लिए दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में इंदौर पहले स्थान पर रहा, उसके बाद जबलपुर (मध्यप्रदेश) का स्थान रहा। आगरा (उप्र) और सूरत

(गुजरात) संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। तीन से 10 लाख जनसंख्या श्रेणी में अमरावती (महाराष्ट्र) प्रथम, झांसी (उप्र) और मुरादाबाद (उप्र) संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अलवर (राजस्थान) तीसरे स्थान पर रहा, वहीं बरेली (उप्र) ने ग्यारह पायदान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल किया। तीन लाख से कम आबादी वाले छोटे शहरों में देवास (मप्र) शीर्ष स्थान पर रहा, उसके बाद परवाणू (हिप्र) और अंगुल (ओडिशा) ने जगह बनाई। यादव ने कोयला खदानों की मौजूदगी के बावजूद वायु गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने के लिए अंगुल को विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने 'रामसर संधि' के तहत आर्द्रभूमि शहरों के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने के लिए इंदौर और उदयपुर को भी पुरस्कृत किया। यादव ने कहा कि भारत में रामसर स्थलों की संख्या 2014 में 25 से बढ़कर 2025 में 91 हो गई है। उन्होंने कहा, अगर जंगल फेफड़े हैं, तो झीलें गुर्दे का काम करती हैं। यादव ने कहा, वायु प्रदूषण से मुकाबले के लिए एक समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता है। हमें पुनर्चक्रण, पुनः उपयोग और चक्रीय अर्थव्यवस्था को अपनाना होगा।

2 अक्टूबर तक 75 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

मंत्री ने 17 सितंबर से दो अक्टूबर के बीच 75 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य घोषित किया। पर्यावरण सचिव तन्मय कुमार ने कहा कि एनसीएपी के तहत शामिल 130 शहरों में से 64 ने 2017-18 की तुलना में पीएम10 के स्तर में 20 प्रतिशत या उससे अधिक की कमी की है, जबकि 25 शहरों ने 40 प्रतिशत या उससे अधिक की कमी हासिल की है। वर्ष 2019 में शुरू एनसीएपी स्वच्छ वायु लक्ष्य निर्धारित करने वाली देश की पहली राष्ट्रीय पहल है, जिसका लक्ष्य 2017-18 को आधार वर्ष मानकर 2026 तक अति सूक्ष्म कण प्रदूषण में 40 प्रतिशत की कटौती करना है।

नए शिखर पर पहुंचा सोना 5,080 रुपये की छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी

- अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मजबूती के बीच 1.12 लाख प्रति 10 ग्रा पहुंचा

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मजबूती के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमत 5,080 रुपये की छलांग के साथ अबतक के उच्चतम स्तर 1,12,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना सोमवार को 1,07,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 2,800 उछलकर रिकॉर्ड 1,28,800 रुपये प्रति किग्रा (सभी करों सहित) हो गई। पिछली कारोबारी सत्र में यह 1,26,000 प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। मंगलवार को सोना उछलकर 3,659.27 डॉलर

प्रति औंस के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। इसके बाद यह 3,652.72 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो 16.81 डॉलर यानी 0.46 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। सर्राफा कारोबारियों ने कहा, अमेरिका में पिछले सप्ताह आए कमजोर रोजगार आंकड़ों से मौद्रिक नीति में नरमी की संभावना बढ़ी है, जिससे निवेशकों का रुझान सोने की तरफ बढ़ा है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 10 सितंबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

12 को होंगे कबड्डी के चयन ट्रायल

पीलीभीत, अमृत विचार : प्रदेश स्तरीय सीनियर पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता के लिए चयन ट्रायल 12 सितंबर की शाम चार बजे गांधी स्टेडियम में होंगे। जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी के अवसर पर यह चयन ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। कबड्डी के प्रतिभागी खिलाड़ी को अपने साथ आधार कार्ड की छाया प्रति लाना अनिवार्य होगा।

सर्पदंश से ग्रामीण की मौत, घर में कोहराम

बीसलपुर, अमृत विचार : ग्राम सितारगंज नवदिया में सोमवार रात अजीम खान (40) घर के कमरे में रखा सामान उठाने के लिए गया। इस दौरान उसे सांप ने डस लिया। उसकी हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए और मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और जानकारी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसडीएम नागेंद्र पांडे ने गांव पहुंचकर परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

घर में घुसकर मारपीट रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : जहानाबाद क्षेत्र के मोहल्ला कुरैरिशयान निवासी चांद मियां ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 9 सितंबर को सुबह साढ़े 9 बजे वह अपने घर पर बैठे थे। इस दौरान मोहल्ले के ही अकरम, सैफ, मुंतजिम, फैजान उर्फ लड्डन उसके घर में घुस आए। असलम और फैजान के पास असलहा था। आरोपियों ने गाली गलौज करते हुए हमला कर मारपीट की। इससे वह बेहोश होकर गिर गया। शोर पर आसपास के लोगों के जमा होने पर आरोपी भाग गए। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

विवाद में दी जान से मारने की धमकी

बरखेड़ा, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव अलकथान गौटिया निवासी भगवान दास ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव के ही ताराचंद से जमीन का विवाद चल रहा है। आरोपी आए दिन गाली गलौज करता है। 30 अगस्त की शाम 7:30 बजे भी अभद्रता की गई। परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

अब एक क्लिक से जान सकेंगे गांवों की समृद्धि और बदहाली की कुंडली

पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स पर सभी 720 ग्राम पंचायतों का डाटा अपलोडिंग का कार्य पूरा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- पंचायत राज विभाग की ओर से तीन स्तरों पर प्रशिक्षण देकर शुरू कराया गया था डाटा अपलोडिंग का कार्य

पीएआई पोर्टल के जरिए ग्राम पंचायतों की स्थिति का विस्तृत आंकलन किया जा सकेगा और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकेंगे। इस पोर्टल से ग्राम पंचायतों के विकास के लिए आवश्यक योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी और हम विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकेंगे। – **रोहित भारती**, जिला पंचायत राज अधिकारी

अमृत विचार: गांव कितने समृद्धशाली है या फिर कितने बदहाल है। अब प्रत्येक गांव की कुंडली पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (पीएआई) पर नजर आएगी। गांव में विकास कार्य से लेकर ग्रामीणों का ब्यौरा पीएआई पोर्टल पर नजर आएगा। शासन स्तर से हरी झंडी मिलने के बाद जिला पंचायत राज विभाग की ओर से पोर्टल पर ग्राम पंचायतों से 107 बिंदुओं का डाटा अपलोडिंग का कार्य शुरू किया था। मंगलवार शाम को सभी 720 ग्राम पंचायतों का डाटा अपलोडिंग कार्य पूरा कर लिया गया है।

जनपद में 720 ग्राम पंचायतें हैं। इन ग्राम पंचायतों में कितना विकास हुआ है, किन-किन बिंदुओं पर गांवों में कमियां हैं, किस योजना के तहत लोग लाभान्वित हुए हैं और कौन सी योजना के पात्र अभी भी वंचित हैं। इन तथ्यों के साथ-साथ सामाजिक ताना बाना कितना मजबूत है। इन सभी के समेत 107 बिंदुओं प्रत्येक ग्राम पंचायत का डाटा पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स पर अपलोड किए जाने के निर्देश दिए गए थे। शासन से हरी झंडी मिलने के बाद पंचायत राज विभाग की ओर सबसे पहले जिलास्तर पर प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद ब्लॉक और पंचायत स्तर पर जिम्मेदारों को प्रशिक्षण देकर 107 बिंदुओं में ग्राम पंचायत से संबंधित 49 और शेष बचे बिंदुओं को अन्य विभागों से सहयोग से डाटा फीडिंग का कार्य शुरू कराया गया था। पीएआई पोर्टल पर यह जानकारी जुटाने की जिम्मेदारी पंचायत सचिवों को दी गई थी। इधर विभाग के मुताबिक मंगलवार शाम तक सभी 720 ग्राम पंचायतों का 107 बिंदुओं से संबंधित डाटा पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स पर फीड कर दिया गया। अफसरों के मुताबिक पोर्टल पर डाटा अपलोड होने के बाद किसी भी ग्राम पंचायत की समृद्धि से लेकर तमाम बिंदु सामने आ जाएंगे। गांव की प्रत्येक बिंदु पर स्थिति का आकलन इस पोर्टल से लगाया जा सकेगा। इस पोर्टल से जुटे आंकड़ों से वो गांव भी साफ-साफ नजर आएंगे, जहां पर विकास कराने की अहम जरूरत है। इसके आधार पर अधिकारी अपनी प्राथमिकता भी तय कर सकेंगे।

नो थीम्स पर पंचायतों की ग्रेडिंग

पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स पर नौ थीम्स के माध्यम से ग्राम पंचायत की ग्रेडिंग नजर आएगी। इसमें गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका पंचायत, स्वस्थ पंचायत, बाल हितैषी पंचायत, जल पर्याप्त पंचायत, स्वच्छ एवं हरित पंचायत, पंचायत में आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा, सामाजिक रूप से न्यायसंगत और सुरक्षित पंचायत, सुशासन वाली पंचायत और महिला हितैषी पंचायत समेत कुल नौ विषय शामिल है। इन सभी विषयों पर ए प्लस (सफल), ए (अग्रणी), बी (प्रदर्शनकर्ता), सी (आकांक्षी) और डी (शुरुआती) ग्रेड दिए गए हैं।

पर्यावरण जागरुकता पर छात्र-छात्राओं ने बनाया पोस्टर

पीलीभीत, अमृत विचार: समाधान विकास समिति के तत्वाधान में आर्य कन्या इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें यशवी और शिवानी ने अच्छा प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम संयोजिका गुंजन ने बताया कि नीले आसमान के लिए स्वच्छ वायु का अंतरराष्ट्रीय दिवस 7 को मनाया जाता है। ये वायु प्रदूषण से लड़ने, वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने को समर्पित है । प्रधानाचार्य सुमन देवी ने बताया वायु प्रदूषण दुनिया में अकाल मृत्यु और बीमारियों का एक प्रमुख कारण है। स्वच्छ हवा सर्वाधिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। समिति के संसाधित व्यक्ति लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि वायु प्रदूषण मेथेन विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन में योगदान करती है। स्वच्छ वायु जलवायु सुधार का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पेड़ लगाना, वाहनों के प्रयोग में सावधानी से प्रकृति को बचा सकते है।

विकास का रोडमैप तैयार करने होगा संवाद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- राज्य अतिथि 11 को अपने दो दिवसीय दौरे पर पीलीभी पहुंचेंगे अलग-अलग वर्गों से करेंगे संवाद

अमृत विचार : समर्थ उत्तर प्रदेश, विकसित उत्तर प्रदेश अभियान के तहत शासन द्वारा नामित राज्य अतिथि 11 को अपने दो दिवसीय दौरे पर जनपद पहुंचेंगे। राज्य अतिथि यहां छात्रों, किसानों, उद्यमियों और श्रमिकों आदि से संवाद करेंगे। इसके साथ ही राज्य अतिथि इन सभी से विकास संबंधी सुझाव भी लेंगे।

प्रदेश में विकास का आमजन की बतौर सहयोगी बनाने के लिए समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश <bha>@</bha>2047 अभियान शुरू किया जा रहा है। जिसमें शासन की ओर नामित राज्य अतिथियों द्वारा छात्रों, शिक्षकों, व्यवसायियों, उद्यमियों, किसानों, स्वयं सेवी संगठनों, श्रमिक संगठनों, मीडिया, आम जनमानस, कृषि वैज्ञानिक, एफपीओ, राष्ट्रीय / राज्य पुरस्कार प्राप्त व्यक्तियों आदि के साथ आठ वर्षों में प्रदेश की विकास यात्रा के संबंध में अवगत कराते हुए राज्य के विकास के लिए रोड मैप पर चर्चा करेंगे और इन सभी से फीड बैक भी प्राप्त किया जाएगा। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश स्तर से नामित राज्य अतिथि प्रोफेसर एमके सिंह और डॉ. एसएस ढाका जनपद में 11 को पहुंचेंगे। उक्त कार्यक्रम के लिए जिला विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इसके तहत 11 को सुबह 10.30 बजे गांधी सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक होगी। इसके साथ ही जनपद स्तरीय एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला व राष्ट्रीय/राज्य पुरस्कार प्राप्त महानुभावों एवं अपनी विधा ख्याति प्राप्त अन्य बुद्धिजीवियों के साथ संवाद किया जायेगा। इसी क्रम में 12 को सुबह 10.30 बजे राम लुभाई सहानी राजकीय महिला महाविद्यालय में छात्रों से संवाद किया जाएगा। इसके अलावा अपराह्न 12.30 बजे से राजकीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज सभागार में छात्रों से संवाद किया जाएगा। राज्य अतिथियों द्वारा अपरान्ह 3 बजे क्षेत्रीय भ्रमण भी किया जाएगा। इसके अलावा अभियान से तहत आमजन क्यूआर कोड के माध्यम से भी अपने विचार साझा कर सकते हैं।

मोहल्ला भूरे खां में हुआ नातिया मुशायरा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

कार्यक्रम में पहुंचे शायरों का आभार जताते मौलाना हसन मियां कदीरी।

- कार्यक्रम की सदारत मौलाना मुफ्ती हसन मियां क़दीरी ने की

अमृत विचार: संगम फाउंडेशन व हिंदी उर्दू मंच के संयुक्त तत्वावधान में नातिया मुशायरा जश्ने ईद मिलादुन्नबी के सिलसिले में हाजी ज़हीर अनवर की सरपरस्ती में ग्रेस पब्लिक स्कूल मोहल्ला ख़ुदागंज में आयोजित किया गया। जिसकी सदारत मौलाना मुफ्ती हसन मियां क़दीरी ने की। निजामत ज़ियाउद्दीन ज़िया एडवोकेट ने की।

हसन मियां कदीरी ने कलाम पेश करते हुए फरमाया कि जलवाए हुस्ने इलाही प्यारे आका की है जात, रुख से रोशन दिन हैं उन के जुल्फ़ का सदका है रात। हाशिम नाज़ ने अपनी नात पढ़ते हुए कहा कि बिना जिक्रे नबी मेरी कोई पहचान थोड़ी है, कि नाते मुस्तफा लिखना कोई आसान थोड़ी है। नाजिम नजमी ने कहा कि सुकूने दिल नहीं मिलता उसे सारे जमाने में, बुला लो अब तो आका मुझको अपने आस्ताने में..। असलम वारसी ने फरमाया कि सानी नहीं जहान में कोई भी आपका, रौशन जमाल आप हैं हुस्ने तमाम आप। अतहर नूरी ने कहा कि अपने रब की करो तुम इबादत और नमाजे पढ़ो बा जमाअत, पंजगाना नमाजों का तोहफा मेरे सरकार ही ले के आए...। साकिब सलमानी ने पेश किया कि मैं साकिब हमेशा भटकता ही रहता, अगर कलमाए तय्यबा जो न मिलता। इसके अलावा सईद खां, बाबर कदीरी, जुल्फिकार नाजिश, अशरफ ज़मां काविश, उस्मान खां रज़ी आदि ने भी कलाम पेश किए। इस मौके पर टीएच खान, दानिश खान एडवोकेट, हफीज़ अहमद,ज़ाहिद अंसारी, शानू, मुमताज हुसैन, इकराम हुसैन, सरवत उल्ला खां आदि मौजूद रहे।

उलझनः बच्चों को पढ़ाएं या टेट की तैयारी करें

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बैठक में मौजूद प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी व सदस्य। ● अमृत विचार

- टीईटी की अनिवार्यता को प्राथमिक शिक्षक संघ ने की बैठक
- 16 को बीएसए कार्यालय में धरना देने का किया ऐलान

अमृत विचार : टीईटी की अनिवार्यता को लेकर एक सितंबर को सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद प्राथमिक शिक्षक संघ सक्रिय है। मंगलवार को मरौरी ब्लॉक संसाधन केंद्र पर प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक हुई। जिसमें तय किया गया कि प्रांतीय आवाहन पर 16 को बीएसए कार्यालय पर 2 बजे से 4 बजे तक धरना दिया जाएगा। उसके बाद प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपेंगे।

बैठक में समस्त ब्लॉकों के पदाधिकारी एकत्र हुए। अध्यक्षता प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष दयाशंकर ने की। बता दें दो दिन पूर्व उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश शर्मा ने लखनऊ में आपात बैठक बुलाई थी, जिसमें प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष और मंत्री शामिल हुए थे। लखनऊ में बैठक के बाद जिला स्तर पर टीईटी को लेकर जो सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है, उस पर गहनता से चर्चा की गई। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष दयाशंकर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद शिक्षक असमंजस में हैं। कई शिक्षक 55 वर्ष की आयु पार कर चुके हैं। शिक्षक विद्यालयों में अच्छी शैक्षिक गुणवत्ता दें या फिर उम्र के आखिरी पड़ाव में खुद टेट की तैयारी कर परीक्षा दें। जिला मंत्री उमेश गंगवार ने कहा कि संगठन योजनाबद्ध तरीके से अपनी बात केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार तक पहुंचाएगा। बैठक में प्रमुख मुद्दा टीईटी की अनिवार्यता को लेकर रहा। शिक्षक पदाधिकारी आक्रोशित दिखे। बैठक में मरौरी ब्लॉक अध्यक्ष बाबूराम गंगवार, अमरिया ब्लॉक अध्यक्ष मियां मोहम्मद मनाज़िर, मंत्री अंकित भारती, ललौरीखेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष संतोष गंगवार, बिलसंडा ब्लॉक अध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह, मंत्री उमेश मिश्रा संतोष पासवान, विमल कुमार, रामौतार, जितेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

बाढ़ के बाद बीसलपुर में बढ़ रहे बुखार के मरीज

संवाददाता, बीसलपुर

- अभी भी व्यवस्थाएं पूर्णतया दुरुस्त नहीं, अस्पताल में भीड़

अमृत विचारः क्षेत्र में बाढ़ का पानी घटने के बाद वायरल फीवर का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। इसके बावजूद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं हो पा रही है। जिम्मेदार बेसुध बने हुए हैं। अस्पताल में मरीजों की भीड़ उमड़ रही है।

बता दें कि पिछले दिनों आई बाढ़ के बाद क्षेत्र में वायरल फीवर तेजी से फैल रहा है। मौसम में उतार-चढ़ाव के चलते सरकारी चिकित्सालय में बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसके बावजूद व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं हो पा रही हैं। बुखार से पीड़ित 300 से 400 लोग प्रतिदिन चिकित्सालय पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के अभाव में दवा लेने में भी परेशानी उठानी पड़ रही है। चिकित्सक कक्ष के बाहर काफी देर तक इंतजार करना पड़ रहा है। जल भराव से कई जगह मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। क्षेत्र में संक्रामक रोगों का भी डर है। अस्पताल में बुखार , सर्दी खांसी रोग के मरीज अधिक आ रहे हैं। मौसम के उतार-चढ़ाव से बुखार के मरीजों की संख्या में इजाफा माना जा रहा है। अस्पताल में भर्ती मरीजों के वैड पर पर चादरें भी कई जगह नहीं दिख रही हैं। दवा वितरण कक्ष में भी अव्यवस्था रहती है। बढ़ती संख्या के बाद भी कोई विशेष प्रबंध नहीं किए गए हैं। सीएचसी अधीक्षक डॉ.लेखराज का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों के उपचार के लिए समस्त व्यवस्थाएं दुरुस्त है। कहीं कोई दिक्कत है तो उसे भी दूर किया जाएगा।

किसान को बताए फसल उत्पादन बढ़ाने के उपाय

बिलसंडा, अमृत विचारः इफको की ओर से नगर में मंगलवार को किसान गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें किसानों को रसायन उर्वरक के अधिक प्रयोग से फसलों को नुकसान के बारे में जानकारी दी।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्रबंधक सहायक ग्रुपबी नरेश पाल गंगवार ने सरसों की बिक्री, कृषि यंत्रों के ऑनलाइन आवेदन समेत कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। किसानों को यूरिया के उपयोग और फसलों का उत्पादन बढ़ाने के बारे में बताया गया। इस मौके पर प्रशांत कुमार,कृषि बीज भंडार प्रभारी जसवंत सिंह,गन्ना पर्यवेक्षक सौरभ कुमार,इफको उपमहाप्रबंधक पीलीभीत आईटी ब्रजवीर सिंह,पंकज आलोक जायसवाल,अंकित जायसवाल समेत अन्य रहे।

विकास कार्यों में पाई गई गड़बड़ी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- दोषी सचिव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज के आदेश
- स्पष्टीकरण मांगने पर साक्ष्य और जवाब नहीं दिया

अमृत विचारः ग्राम पंचायत में कराई गई जांच में दोषी मिले पंचायत सचिव ने नोटिस मिलने के बाद भी न तो अभिलेख दिए और न ही अपना जवाब दाखिल किया। कई बार नोटिस दिए जाने के बाद भी जवाब दाखिल न करने पर डीपीआरओ से शेरपुर कलां ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

पूरनपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत शेरपुरकलां से जुड़ा है। शेरपुर कलां के ग्राम पंचायत सदस्यों ने तत्कालीन डीएम संजय कुमार सिंह को शपथ पत्र सौंपकर शिकायत की थी। जिसमें प्रधान एवं पंचायत सचिव पर विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। शिकायतकर्ताओं ने मामले की जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की थी।

मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने प्रकरण की जांच के लिए दो सदस्यीय जांच टीम गठित करते हुए जांच करने के आदेश दिए थे। जिसके बाद टीम ने गांव पहुंचकर मामले की जांच की। जांच आख्या उच्चाधिकारियों को सौंपी गई। जांच में ग्राम पंचायत में बड़े पैमाने पर विकास कार्यों में गड़बड़ी पाई गई। जांच में दोषी पाए गए सचिव को साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बताते हैं कि अफसरों के आदेश को सचिव ने हवा में उड़ा दिया और इस संबंध में कोई अभिलेख दिए और न ही कोई जवाब दाखिल किया। इसके बाद कई बार संबंधित सचिव को नोटिस जारी किए गए, मगर सचिव ने कोई जवाब दाखिल नहीं किया।

इस पर प्रभारी डीपीआरओ डॉ. प्रदीप कुमार ने एडीओ पंचायत को शेरपुरकलां ग्राम पंचायत के सचिव विजय कुमार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। इधर तब डीपीआरओ रोहित भारती छुट्टी के बाद लौटे तो उनके संज्ञान में भी मामला आया। जिस पर उन्होंने एडीओ पंचायत को तत्काल सचिव विजय कुमार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। डीपीआरओ रोहित भारती ने बताया कि ग्राम पंचायत की जांच में गड़बड़ी पाई गई है। लापरवाह सचिव के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

आईजीआरएस निस्तारण में लापरवाही पर कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डीपीआरओ ने सभी एडीओ पंचायत से मांगा जवाब

अमृत विचारः आईजीआरएस के निस्तारण में लापरवाही मिलने पर सभी 7 ब्लॉक के एडीओ पंचायत को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। डीपीआरओ की ओर से जारी नोटिस में स्थिति में सुधार लाने की चेतावनी दी है। साथ ही सभी एडीओ पंचायत को आईजीआरएस से प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं।

आईजीआरएस से प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापरक निस्तारण को लेकर शासन प्रशासन की ओर से लगभग हर माह ही दिशा निर्देश दिए जाते हैं। इसके बाद भी जिम्मेदार आईजीआरएस निस्तारण में लापरवाही बरत रहे हैं। इसका असर जनपद की रैंकिंग भी पड़ रहा है। पिछले माह जनपद के सातों ब्लॉकों में आईजीआरएस के माध्यम से ग्रामीणों द्वारा शिकायतें दर्ज कराई गई थी। बताते हैं कि अधिकांश शिकायतों के निस्तारण में संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा खासी लापरवाही बरती गई। अधिकांश शिकायतों में शिकायतकर्ताओं द्वारा असंतुष्ट फीड बैक दिया गया। शासन स्तर पर समीक्षा की गई तो विभागीय अफसरों को पत्र भेजकर जानकारी दी गई। डीपीआरओ रोहित भारती ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने सभी एडीओ पंचायत को नोटिस भेजकर जवाब मांगा हैं। डीपीआरओ की ओर से जारी नोटिस में सभी एडीओ पंचायत को स्थिति में सुधार लाने की चेतावनी देने के साथ आईजीआरएस शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण करने के निर्देश दिए गए हैं।

युवाओं को मिला रोजगार, विधायक ने सौंपे नियुक्ति पत्र

माधोटांडा, अमृत विचारः जिला सेवायोजन कार्यालय मॉडल करियर सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

राजकीय पॉलिटेक्निक टांडा गुलाबराय में लगाए गए मेले में मुख्य अतिथि पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान रहे। जिला सेवायोजन अधिकारी विवेक कुमार शुक्ला, प्रधानाचार्य यज्ञ प्रकाश आर्य, ट्रेनिंग प्लेसमेंट ऑफिसर अजय गुप्ता, डॉ.नितिन कुमार पाल शामिल हुए। इस दौरान 15 कंपनियों के एचआर ने साक्षात्कार लिए। मेले में 438 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया और 303 का चयन विभिन्न पदों पर हुआ।

बीसलपुर के लोगों को मिलेगी कोयले की राख से होने वाले प्रदूषण से निजात

संवाददाता, बीसलपुर

- बीसलपुर में संचालित कोयला डिपो पर विधायक के प्रयासों से लगी रोक
- रेल विभाग ने दी स्वीकृत, 100 करोड़ की लागत से अब शेरगंज में बनेगा नया कोयला डिपो

अमृत विचारः रेलवे कॉलोनी के पास रहने वाले लोगों के लिए मुसीबत बना कोयला डिपो अब बीसलपुर से हटाकर शेरगंज हाल्ट पर स्थानांतरित किया जाएगा। इसके लिए रेल मंत्रालय ने स्वीकृति दे दी है। भाजपा विधायक विवेक वर्मा के प्रयासों के बाद स्थानीय लोगों को राहत मिल सकेगी। बताते हैं कि ये कार्रवाई विधायक द्वारा विधानसभा में कोयला डिपो को हटाने के लिए की गई याचिका पर हुई है।

मंगलवार को मोहल्ला दुबे स्थित आवास पर प्रेसवार्ता में बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा ने बताया कि बीसलपुर रेलवे स्टेशन पर संचालित कोयला डिपो को हटवाने के लिए उन्होंने विधानसभा में याचिका दायर कर विधानसभा अध्यक्ष को अवगत कराया था कि कोयला डिपो के प्रदूषण से बस्ती में रहने वाले पांच लोगों की मृत्यु हो चुकी है। दर्जनों लोग श्वांस रोग से पीड़ित है। विधानसभा अध्यक्ष ने बीसलपुर से कोयला डिपो हटाने का रेल मंत्रालय को पत्र भेजा। रेल मंत्रालय ने समस्या को गंभीरता से लेते हुए इसे बीसलपुर से शेरगंज हाल्ट पर स्थानांतरित किए जाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। शेरगंज रेलवे हाल्ट पर 100 करोड़ रुपये की लागत से कोयला डिपो बनाया जाएगा। डेढ़ वर्ष में इसका कार्य पूर्ण हो जाएगा। इसके बाद बीसलपुर से कोयला डिपो को शेरगंज रेलवे हाल्ट के लिए स्थानांतरित हो जाएगा। यहां का डिपो पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। बजाज एनर्जी ग्रुप के सीपीआरओ नयन कुमार शर्मा ने उन्हें पत्र भेज कर रेलवे द्वारा शेरगंज रेलवे हाल्ट को क्रॉसिंग स्टेशन का अनुमोदन करने की जानकारी दी है। रेल मंत्रालय ने भी उन्हें उक्त कार्रवाई से अवगत कराया है।

मासिक पंचायत के दौरान की पूर्व के ज्ञापन की समीक्षा

पीलीभीत, अमृत विचारः भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति की मासिक पंचायत मंगलवार को तहसील अमरिया में हुई। जिसकी अध्यक्षता मंडलीय सचिव मुरलीधर कश्यप ने की।

नायब तहसीलदर रमेश चंद्र से विभिन्न मुद्दों पर बात की और 27 अगस्त को दिए गए ज्ञापन की समीक्षा की गई। इसमें कई समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की बात सामने आई। ग्राम पंचायत सदस्यों के मानदेय ,सफाई कर्मचारियों के लिए दैनिक कार्यों की डायरी और रोस्टर, बाल विकास परियोजना कार्यालय का राशन वितरण में राशन चालान पर्ची स्वयं सहायता समूह को काम मिले।

बाढ़ से उखड़ा भैंसटा जलालपुर मार्ग

संवाददाता, बीसलपुर

बाढ़ से उखड़ा भैंसटा जलालपुर का मुख्य मार्ग। ● अमृत विचार

- प्रधान ने केंद्रीय राज्यमंत्री और विधायक से लगाई गुहार

अमृत विचारः बाढ़-बारिश का कहर थम चुका है। अब नुकसान से जुड़ी तस्वीरें सामने आ रही हैं। भैंसटा जलालपुर में बाढ़ ने कच्चे मकान, फसलों को तो नुकसान पहुंचा ही था। मुख्य मार्ग भी बाढ़ की चपेट में आ गया है। पूरी सड़क ही उखड़ गई है। जिससे आवागमन में परेशानी हो रही है।

बता दें कि तहसील क्षेत्र में गत दिनों बारिश के बाद उफनाई नदियों से कई गांव में बाढ़ के हालात बन गए थे। कई दिन तक जलभराव की स्थिति रही। अब हालात सामान्य हो रहे हैं, लेकिन बाढ़ ने काफी मुसीबतें भी बढ़ा दी है। क्षेत्र के गांव भैंसटा जलालपुर में पिछले दिनों आई बाढ़ से मुख्य सड़क का हिस्सा उखड़ गया है। ये सड़क बीते साल पीडब्ल्यूडी की ओर से बनवाई गई थी, जो कि पूरी तरह क्षतिग्रसत हो गई है। ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। दोपहिया व चौपहिया वाहन मार्ग से नहीं गुजर पा रहे हैं। ग्राम प्रधान इश्तियाक अल्वी ने बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा और केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद से बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई सड़क व बड़ी पुलिया का निर्माण करवाने की मांग की है। शीघ्र समस्या का समाधान न होने पर ग्रामीणों संग मिलकर डीएम से बात रखी जाएगी।

शहर में आज

- शहर के अग्रवाल सभा भवन से कलश यात्रा सुबह 9 बजे।
- पुलिस लाइन समेत चार स्थानों पर परिवार परामर्श केंद्र शिविर सुबह 10 बजे।
- जिले की समस्त कोटे की दुकानों पर राशन का वितरण सुबह 08 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

कई इलाकों में गुल रही बिजली

पीलीभीत, अमृत विचार : बाढ़ – बारिश के बाद शहर की बिजली व्यवस्था का सुधार नहीं हो सका है। मंगलवार को भी कई इलाकों में फॉल्ट के चलते व्यवस्था गड़बड़ाई रही। लाल रोड, आसफजान, डोरीलाल समेत कई इलाकों में सुबह के वक्त कटौती हुई। इसके अलावा अधिकारी कॉलोनी, निरंजनकुंज, एकता नगर कॉलोनी, नई बस्ती समेत कई स्थानों पर कई बार बिजली आती –जाती रही। सूचना पर टीम भेजी कई और सुधार कराया गया। इस दौरान उपभोक्ता गर्मी से परेशान होते रहे।

बाढ़ के बाद पटरी पर लौट रहे हालात

पीलीभीत, अमृत विचार : गत दिनों हुई बारिश के बाद बने बाढ़ के हालात अब धीरे –धीरे सामान्य हो रहे है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मंगलवार को भी राहत के लिए टीमें पहुंचती रही। नावकुढ़ गांव में तीन मकान कटान की जद में आ गए थे। कृष्णा कॉलोनी में जलभराव था। वहां पर राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार गए थे। मंगलवार को इसके बाद तहसील प्रशाशन सुधार कार्य में जुटा रहा। सफाई और दवा छिड़काव भी कराया जाता रहा।

बंदरों के आतंक से ग्रामीण परेशान

ललौरीखेड़ा, अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र में बंदरों का आतंक नहीं थम रहा है। बंदर हमला कर रहे है और लोग परेशान है। ग्राम शिवपुरिया, कल्याणपुर खास, हरचुटहिया, ललौरी खेड़ा, सियाबाड़ी पट्टी आदि में दिन भर बंदर उत्पात मचा रहे है। कई शिकायत के बाद भी समाधान नहीं हो सका है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से बंदरों को पकड़वाकर दूर जंगल में छुड़वाने की मांग की है। लोगों ने बताया बंदरों की वजह से छतों पर कपड़े नहीं बच पा रहे है। बंदरों कपड़ों को फाड़ देते है, भगाने जाओ तो काटने दौड़ते है।

18 वार्ड में 20.57 करोड़ से कराया काम, नौ में विकास कार्य ठप

सभासदों का एक गुट लगातार विकास कार्यों में भेदभाव का आरोप लगाकर जिला प्रशासन से कर रहा शिकायत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- लंबे समय से शिकायतों का दौर बरकरार, निष्पक्ष विकास का दावा कर रहे जिम्मेदार

अमृत विचार: नगर पालिका में सभासदों के बीच छिड़ी रार में अब तक कई शिकायतें हो चुकी है। शिकायती पत्रों में वार्डों में काम न होने या फिर बाधित होने की बातें कहीं गई है।

नगर पालिका के रिकॉर्ड के अनुसार, 20.57 करोड़ का बजट शहरी क्षेत्र के विकास पर निर्माण संबंधी कामों में खर्च हो चुका है। इस धनराशि से 18 वार्डों में काम कराए गए हैं। वजह कुछ भी रही हो, 9 वार्ड में विकास का पहिया नहीं घूम सका। उनमें विकास कार्य (निर्माण) पर खर्च शून्य ही है। इसकी वजह पर संशय अभी भी बना हुआ है। सभी के अपने-अपने तर्क हैं।

बता दें ढाई लाख की आबादी वाले शहर में कुल 27 वार्ड हैं। 59 मोहल्ले और 21 कॉलोनी हैं। शहर में सड़कों का हाल बेहद खराब हो चुका है। तमाम दावों के बाद भी बारिश में जलभराव की दिक्कत ने सियासत गरमाई। लंबे समय से सभासदों के बीच गुटबाजी चली आ रही है। एक दूसरे की शिकायतों का दौर नहीं थम सका है। आय -व्यय की बोर्ड बैठक न बुलाने पर शिकायतें हुई और फिर बोर्ड बैठक में बजट पास किया गया तो उसे भी नियम विरुद्ध तरीके से पास कराने की शिकायत डीएम तक पहुंच चुकी है। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता में खेल हो या फिर अन्य तमाम कामों को लेकर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए सभासदों के एक गुट ने शिकायतें की हैं। आलम ये है कि नगर पालिका की कार्यशैली के पक्ष में 13 और विपक्ष में 14 सभासद हैं। बीते दिनों हुई तमाम शिकायतों में ये भी आरोप लगाए गए हैं कि काम नहीं हुए। इसके पीछे दोनों गुट एक दूसरे को ही जिम्मेदार ठहराते रहे हैं। शासन स्तर पर भी शिकायतें हो चुकी हैं। जून 2023 में बोर्ड गठन के बाद से अब तक नगर पालिका पीलीभीत के आंकड़ों पर गौर करें तो 20.57 करोड़ से अधिक के विकास कार्य कराए जा चुके हैं। ये काम 27 में से 18 वार्ड में हुए हैं। किसी में कम तो कहीं अधिक। मगर, संख्या पर ध्यान दें तो दोनों ही खेमे के 09-09 वार्ड शामिल हैं। इन आंकड़ों के अनुसार, ये भी है कि दो साल में 9 वार्ड ऐसे भी हैं, जिनमें कोई निर्माण संबंधी विकास कार्य अब तक नहीं हो सका है। वहां के लोग जलकल और गृहकर देने के बाद भी विकास से वंचित रह गए हैं। संबंधित वार्ड के सभासद और नगर पालिका के जिम्मेदार इसे लेकर अपना-अपना तर्क दे रहे हैं। मगर इसका खामियाजा आम नागरिकों को ही भुगतना पड़ रहा है। दो साल से विकास से वंचित वार्डों में 03, 13, 17, 20, 21, 23 और वार्ड नंबर 24 शामिल हैं। इसमें 5 पालिका की कार्यशैली से खफा और 4 पक्ष वाले सभासदों के वार्ड शामिल हैं। इस कार्य से संबंधित सूची भी एक सभासद ने पालिका के पक्ष में सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए सवाल उठाए हैं। वहीं, दूसरे खेमे का तर्क है कि जिन वार्डों में अधिक काम दर्शाए जा रहे हैं, उनमें सभासदों की ओर से प्रस्तावित काम को वरीयता नहीं मिली है।

कई वार्ड में निर्माण कार्य हुए भी तो महज इक्का-दुक्का

आंकड़ों के अनुसार, विरोधी खेमे के सभासदों के वार्ड में काम की संख्या और खर्च कुछ अधिक है। हालांकि इसमें कुछ ऐसे भी वार्ड हैं, जहां विकास के आंकड़ों की सूची में शामिल तो हो गए लेकिन काम की संख्या एक ही रही है। वार्ड नंबर 11 में सीसी मार्ग, वार्ड नंबर 14 में बिजली उपघर चौराहा से रंगीलाल चौराहा तक प्रीमिक्स सड़क पुनर्निर्माण कार्य, वार्ड नंबर 18 में सीसी सड़क व नाली निर्माण, वार्ड नंबर 22 में सीसी मार्ग व नाली निर्माण और वार्ड नंबर 25 में भी एक काम हो सका, जोकि सचिन के मकान से पीसीयू के सभापति सुरेश गंगवार के मकान तक इंटरलॉकिंग सड़क मरम्मत कार्य रहा।

किस वार्ड में कितनी धनराशि से हुए निर्माण संबंधी कार्य

वार्ड	धनराशि (रुपये में)
वार्ड नंबर 01	1.88 करोड़
वार्ड नंबर 02	1.30 करोड़
वार्ड नंबर 04	2.47 करोड़
वार्ड नंबर 05	1.61 करोड़
वार्ड नंबर 06	85.79 लाख
वार्ड नंबर 07	1.05 करोड़
वार्ड नंबर 08	1.85 करोड़
वार्ड नंबर 09	2.43 करोड़
वार्ड नंबर 10	91.95 लाख
वार्ड नंबर 11	16.06 लाख
वार्ड नंबर 12	83.45 लाख
वार्ड नंबर 14	8.09 लाख
वार्ड नंबर 15	2.62 करोड़
वार्ड नंबर 16	1.47 करोड़
वार्ड नंबर 18	9.58 लाख
वार्ड नंबर 19	74.76 लाख
वार्ड नंबर 22	11.60 लाख
वार्ड नंबर 25	3.62 लाख

वार्ड में कई सड़कें, पुलियों समेत अन्य काम बाकी है। इनको कराने के लिए प्रस्ताव भी दिए गए हैं, लेकिन नहीं कराया जा सका है। नगर पालिका के स्तर से कोई विकास कार्य हमारे वार्ड में नहीं कराया गया है। लाइटों के लिए भी परेशान होना पड़ा। यहां तक कि मुख्यमंत्री से शिकायतें तक करनी पड़ी। इसके बाद राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के स्तर से लाइट मिली और वार्ड में लगवाई। कुछ काम हुए भी तो राज्यमंत्री और शासन स्तर से वार्ड में काम कराने में मदद मिली, नगर पालिका से नहीं।

– **पुष्पा उपाध्याय**, सभासद वार्ड नंबर 26

बोर्ड गठन के बाद तय किया था कि जहां अधिक आवश्यकता है, वहां निर्माण कार्य पहले करवा दिए जाएं। यही वजह रही कि कई सभासद दो साल तक सब्र करते रहे। अन्य वार्ड में सड़क निर्माण, रिपेयरिंग कार्य हुए। तब तक कोई आपत्ति नहीं की, अब जब जिन क्षेत्रों में काम नहीं हुए थे, उनमें काम कराने की मांग की गई तो वह सभासद जिनके वार्डों में अधिक निर्माण कार्य हुए हैं, वे पक्षपात का आरोप लगाने लगे। मेरे वार्ड में सिर्फ 3 .62 लाख का काम हुआ है, जबकि कई वार्डों में दो से ढाई करोड़ तक के निर्माण हो चुके हैं।

– **साकेत सक्सेना**, सभासद, वार्ड नंबर 25

जिन सभासदों की ओर विकास कार्य न कराने के आरोप लगाए जा रहे हैं। उनके वार्डों में सर्वाधिक कार्य कराए गए हैं। कई वार्ड ऐसे भी हैं, जिनमें काम नहीं हो सके हैं। सभासदों के प्रस्तावों पर भी काम निष्पक्ष तरीके से कराया गया है। कुछ जगह सभासद कार्य न कराने की बात कह रहे थे, लेकिन वहां जरुरत थी, इसलिए काम नगर पालिका के स्तर से कराया गया है।

– **डॉ .आस्था अग्रवाल**, चेयरपर्सन

एसओ पर अभद्रता का आरोप भाकियू नेताओं ने दिया धरना

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- गजरौला थाने का मामला फोन पर मंडल अध्यक्ष से अभद्रता का आरोप

अमृत विचार : गजरौला थाने में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) के कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी पर संगठन के मंडल अध्यक्ष से फोन पर अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। आक्रोशित कार्यकर्ता थाने के बाहर सांकेतिक धरने पर बैठ गए और थाना प्रभारी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। एसएसआई से वार्ता के बाद यूनियन पदाधिकारी बमुश्किल शांत हुए और वापस लौट गए। हालांकि कार्रवाई ना होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई।

भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) के कार्यकर्ताओं ने सोमवार रात थाना गजरौला के बाहर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका आरोप था कि गजरौला एसओ ने उनके मंडल अध्यक्ष से अभद्रता फोन पर अभद्रता की है। काफी देर तक हंगाम चलता रहा। इसके बाद मौजूदा पुलिसकर्मियों ने वार्ता की और बमुश्किल भाकियू नेताओं को शांत कराया जा सका। किसान यूनियन के पदाधिकारियों का आरोप है कि थाना प्रभारी ने संगठन के मंडल अध्यक्ष सतविंदर सिंह कहलों से कॉल कर अभद्रता की। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी के साथ दुर्व्यवहार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाकियू नेताओं ने थाना प्रभारी पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। कार्रवाई न होने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है। सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि भाकियू कार्यकर्ता थाने शिकायत लेकर पहुंचे थे।

बाइकों की टक्कर में एक की मौत, पांच लोग घायल, दो की हालत गंभीर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : टनकपुर हाईवे पर दो बाइकों की टक्कर हो गई। जिसमें बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। जबकि अन्य पांच गंभीर रुप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे में मरने वाले युवक के परिजनों को सूचना देने के बाद शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

हादसा सोमवार देर रात थाना न्यूरिया क्षेत्र के जनकपुरी और औरैया गांव के बीच हुआ। दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे बाद दोनों बाइक पर सवार छह लोग सड़क पर गिर पड़े। जिससे अफरा-तफरी मच गई। मौके पर काफी राहगीर एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर थाना न्यूरिया पुलिस मौके पर पहुंची। आनन-फानन घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। जिला अस्पताल में डॉक्टर ने चेकअप के बाद एक युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान बरेली जिले के थाना क्योलिड़िया क्षेत्र के ग्राम जारपा मोहनपुर निवासी अरुण के रूप में हुई। जबकि राहुल निवासी मलकापुर थाना बीसलपुर, करण कुमार निवासी ग्राम मैथी सैदुल्लागंज थाना न्यूरिया, अरुण निवासी ग्राम मेथीसैदुल्लागंज थाना न्यूरिया, राहुल निवासी ग्राम मेथी सैदुल्लागंज थाना न्यूरिया, बलराम निवासी ग्राम मैथी सैदुल्लागंज घायल हुए। घायल करण की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया। सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, कोतवाल राजीव कुमार सिंह जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों से हादसे की जानकारी की।

जिला अस्पताल में घायलों का इलाज करते डॉक्टर। ● अमृत विचार

- टनकपुर हाईवे पर न्यूरिया क्षेत्र में सोमवार रात हुआ हादसा
- दो बाइकों की हो गई थी टक्कर मची रही खलबली

घर के बाहर बंधे गोवंशीय पशु चोरी कर गोकशी की तैयारी

संवाददाता, माधोटांडा

अमृत विचार: गोवंशीय पशु को चोरी करने के बाद गोकशी करने की तैयारी कर रहे दो तस्करों को पुलिस ने धर दबोचा। पशुओं को बरामद कर लिया गया। एफआईआर दर्ज कर दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

घटना थाना क्षेत्र के ग्राम जमुनिया खास गांव की है। यहां के रहने वाले प्रमोद के घर 8 सितंबर की दोपहर 2 बजे मैनाकोट गांव के रहने वाले आबिद शाह उर्फ छोटू और शाजिद अली ग्राहक बनकर पहुंचे। घर के बाहर बंधे गोवंशीय पशु और बछड़े को खरीदने की बात करने लगे। जब परिवार के सदस्यों ने मना कर दिया तो वह चले गए। इसके बाद रात करीब 8:30 बजे आरोपियों ने घर के बाहर बंधे पशुओं को चोरी कर लिया। इसके बाद गोकशी करने के लिए ले जाने लगे। कुछ ग्रामीणों ने इसकी जानकारी दी तो पीड़ित परिवार के लोग भी पहुंच गए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। इंस्पेक्टर अशोक पाल ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पशुओं को बरामद किया गया है। आरोपी गोकशी करने के इरादे से पशुओं को चोरी करके ले गए थे।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

- ग्राहक बनकर ग्रामीण के घर पहुंचे थे दोनों आरोपी, पकड़े गए

नेपाल में हिंसक प्रदर्शन के चलते सीमा पर बढ़ाई सतर्कता, जवान कर रहे निगरानी

संवाददाता, पीलीभीत

- पुलिस और एसएसबी संयुक्त रुप से कर रही गश्त और चेकिंग
- एसडीएम ने बताया स्थिति सामान्य होने तक नजर रखी जाएगी

अमृत विचार : नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाए जाने के विरोध में राजधानी काठमांडू और अन्य इलाकों में हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। कई लोगों की मौत भी हो चुकी है। प्रदर्शनकारी मंत्रियों - पूर्व मंत्रियों और प्रधानमंत्रियों और उनके परिवारों के साथ मारपीट की जा रही है। यहां तक की पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी को जिंदा जला दिया गया ।

पीलीभीत जनपद की सीमा भी नेपाल से सटी हुई है। ऐसे में पहले से सीमा पर चले आ रहे अलर्ट के बीच सतर्कता और बढ़ा दी गई है। एसएसबी के साथ संयुक्त रुप से पुलिस बॉर्डर पर चेकिंग कर रही है। आवाजाही करने वालों की चेकिंग की जा रही है। हालांकि हिंसा के चलते नेपाल में आवाजाही कम हो गई है।बता दें कि पीलीभीत जनपद की सीमा नेपाल से सटी हुई है। इसे लेकर एसएसबी और पुलिस की टीमें अलर्ट रहती हैं। इन दिनों नेपाल में हिंसा के चलते विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

एसएसबी के अलावा सीमावर्ती थानों की पुलिस भी अलर्ट है। माधोटांडा और हजारा क्षेत्र में लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। खुफिया एंजेसी भी सक्रिय हैं। पगडंडी मार्गों से भी लोग आवाजाही करते हैं। ऐसे में बॉर्डर के हर रास्ते पर चेकिंग की जा रही है। सीमा में आने का कारण भी पता किया जा रहा है। थाना पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की टीमें बॉर्डर पर पूरी मुस्तैद हैं। हालांकि आवाजाही काफी कम हो चुकी है। आवश्यक कारणों से ही कुछ लोग आवागमन कर रहे हैं। सुरक्षा बल तलाशी लेने के साथ पहचान पत्रों की जांच भी कर रहे हैं। एसडीएम पूरनपुर अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि नेपाल में हालात सामान्य होने तक बॉर्डर पर सुरक्षा इंतजाम इसी तरह जारी रहेंगे। सीमा पर तैनात जवानों को विशेष रूप से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं।

एसडीओ को फोनकर धमकाया एफआईआर दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार: पावर कारपोरेशन के एसडीओ को धमकी देने वाले के खिलाफ कार्रवाई की गई है। कोतवाली पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। एसडीओ प्रवीण सिंह कनौजिया ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया 5 सितंबर को उसके सीयूजी नंबर पर एक नंबर से कॉल आई। कॉलर ने अपना नाम मोहित निवासी ग्राम नौगवां संतोष बताया। बात करने पर पता चला बकाया के कारण उसके भाई का विद्युत कनेक्शन काटा गया है। मोहित को बकाया जमा करने के लिए कहा गया। बिना बकाया जमा किए कनेक्शन चालू करने में असमर्थता जताई। इसके बाद उक्त व्यक्ति ने फोन पर धमकी देते हुए अपने को फौजी बताया और जान से मारने की धमकी दी।

संदिग्ध घूम रहे युवकों को पकड़ा

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: संदिग्ध हालात में बाबा भेषधारी दो लोगों को हिंदू महासभा कार्यकर्ताओं ने पकड़ लिया। उनसे पहले सवाल जवाब किए गए , लेकिन जब संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो संदेह बढ़ा। इसके बाद हाथों पर दूसरे समुदाय का नाम लिखा होने से कार्यकर्ता भड़क गए और उन्हें पुलिस को सौंप दिया गया। रिपोर्ट दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मंगलवार दोपहर नगर की बाजार में दो लोग दुकानों पर जाकर सामान और नकदी मांग रहे थे। उनकी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी व्यापारियों ने दी। इस पर हिंदू महासभा के नगर अध्यक्ष सुनील अवस्थी, महामंत्री अवनीश रत्न समेत कई कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। पूछने पर दोनों ने अपना नाम अंजुनाथ और चेरानाथ बताया। पूछताछ में जब एक युवक के हाथ पर दूसरे समुदाय का नाम लिखा हुआ देख कार्यकर्ताओं का शक गहरा गया। उनसे धर्म से जुड़े सवाल किए गए, जिनका वह जवाब नहीं दे सके। इसके बाद दोनों को कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। नगर अध्यक्ष सुनील अवस्थी व महामंत्री अवनीश रतन ने बताया कि तलाशी लेने पर दोनों संदिग्धों के पास से दूसरे समुदास से जुड़े कई कार्ड समेत अन्य वस्तुएं बरामद हुईं।कोतवाल संजीव शुक्ला ने बताया कि दोनों युवकों से पूछताछ की गई। मामले की जांच की जा रही है।

पकड़े गए संदिग्धों को घेरकर खड़े लोग। ● अमृत विचार

- पुलिस के हवाले कर की गई कार्रवाई की मांग

कोटे की दुकानों पर आज से बंटेगा राशन

पीलीभीत, अमृत विचार: जनपद के राशन कार्ड धारकों को सितंबर माह का राशन आज से बंटेगा, जोकि 25 सितंबर तक वितरित किया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी विकास कुमार ने बताया कि राशन कोटे की दुकानों पर राशन का वितरण सुबह 08 बजे से 12 बजे तक एवं दोपहर 02 बजे से सायं 06 बजे तक वितरण किया जायेगा।

अन्त्योदय राशन कार्ड धारकों को गेहूं 14 किग्रा प्रति राशन कार्ड, चावल 21 किग्रा प्रति राशन कार्ड निशुल्क और 03 किग्रा प्रति कार्ड चीनी 18 रुपये प्रति किग्रा दी जाएगी। वहीं पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारकों को गेहूं 02 किग्रा प्रति यूनिट और चावल 03 किग्रा प्रति यूनिट निशुल्क बांटा जाएगा। सभी कार्ड धारक अपने क्षेत्र की दुकान से राशन प्राप्त कर लें।

कलेक्ट्रेट पहुंचे पालिका कर्मियों ने सुनाया दुखड़ा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- सभासद और उनके प्रतिनिधियों पर लगाए धमकाने के आरोप
- डीएम ने एक और शिकायत पर दिया जांच कराने का आश्वासन

अमृत विचार : एक दिन पूर्व नगर पालिका के जलकल विभाग के लिपिक तारिक हसन खां की शिकायत 14 सभासदों ने की थी और भ्रष्टाचार समेत अन्य संगीन आरोप लगाए थे। इसके दूसरे ही दिन मंगलवार को नगरपालिका के कई कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम को संयुक्त शिकायत पत्र सौंपा है। जिसमें सभासदों, उनके प्रतिनिधियां पर अभद्रता और धमकाने का आरोप लगाया है। व्हाट्सएप ग्रुप पर धमकाने का आरोप राज्यमंत्री के प्रतिनिधि पर लगाया है। इस पर डीएम ने इस शिकायत पर भी जांच कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

मंगलवार को नगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग के सफाई निरीक्षक साबिर अली, अधिष्ठान लिपिक सत्येंद्र प्रकाश, जलकल लिपिक तारिक हसन खां, प्रकाश प्रभारी शैलेंद्र गौतम, जन्म मृत्यु लिपिक शंकर राही, निर्माण लिपिक ओमप्रकाश, पंप सुपरवाइजर गगन कुमार, पंप चालक शान बहादुर, कर विभाग के सहायक प्रमोद राठौर आदि कलेक्ट्रेट पहुंचे और डीएम ज्ञानेंद्र सिंह को संयुक्त शिकायत पत्र सौंपा। जिसमें कहा कि समस्त कर्मचारी दिन रात नगर की सेवा में लगे रहते हैं। बिना अवकाश लिए त्यौहार तक पर काम करते हैं, ताकि क्षेत्रवासियों को परेशानी न हो। इसके बावजूद भी पालिका के कुछ सभासद शोषण कर रहे हैं।

पाइपलाइन डालने का कार्य जल निगम के द्वारा किया जाता है। आरोप है कि वार्ड सभासद के कहने पर लोग कर्मचारियों से अभद्रता करते हैं। पूर्व में मारपीट की घटनाएं भी हो चुकी है। कई बार प्रकाश विभाग के कर्मचारियों को सुधार कार्य के बहाने बुलाकर जबरन लाइट छीन ली जाती हैं। सुविधा शुल्क की मांग करते हैं। सभासद पति बताते हुए गलत तरह से जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने का दबाव बनाया जाता है। इसके अलावा व्हाट्सएप ग्रुप पर राज्यमंत्री के प्रतिनिधि की ओर से धमकी दी जाती है। शिकायत निस्तारण के बाद अगर टैक्स रसीद मांगी जाती है, तो झगड़ा शुरू हो जाता है।

फर्जी शिकायत कर मानसिक रूप से शोषण किया जा रहा है, जोकि गलत है। राज्यमंत्री के प्रतिनिधि राकेश सिंह का कहना है कि किसी को धमकाया नहीं जाता है। अगर कोई शिकायत मुझे प्राप्त होती है, तो मेरे द्वारा उसे अधिकारियों को सूचित किया जाता है। अपनी करनी को छिपाने के लिए बचाव में फर्जी शिकायत की है।

आरोप लगे तो जलकल लिपिक ने दिया ईओ को जवाब

सभासदों की शिकायत के बाद मंगलवार को जल कल लिपिक तारिक हसन खां ने ईओ संजीव कुमार को अपना लिखित जवाब दिया है। जिसमें कहा कि जल कल विभाग में स्थापित जनरेटर लाइट न होने पर चलाया जाता है। जिसकी जांच अवर अभियंता जल व कर निर्धारण अधिकारी द्वारा की गई है। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के वेतन व भुगतान अवर अभियंता जल के संयुक्त हस्ताक्षर से होता है। इतना ही नहीं बिल सत्यापन का कार्य भी अवर अभियंता जलकल करती हैं। हैंडपंप रिबोर कार्य डीएम के द्वारा गठित कमेटी के द्वारा सत्यापन किया गया है। अवैध कब्जे के आरोप भी गलत ठहराते हुए कहा कि वर्ष 2021 में नौकरी में आने के बाद ही भवन को हैंडओवर कर दिया गया था। जिसकी छाया प्रति भी मौजूद है।

पति समेत तीन के खिलाफ एफआईआर

बीसलपुर, अमृत विचार: संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत के मामले में पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। दर्ज की गई रिपोर्ट में क्षेत्र के रहने वाले तारकेश शर्मा ने बताया कि उसकी बहन अंकिता की शादी दो दिसंबर 2024 को सीतापुर के थाना इमलिया सुल्तानपुर क्षेत्र के ग्राम नौवा नेवदा निवासी शिवम शर्मा पुत्र सुदामा प्रसाद से हुई थी। बहन और बहनोई वर्तमान में बीसलपुर चीनी मिल परिसर में स्थित आवास में रहते थे। आरोप है कि कुछ समय बाद ही पति शिवम शर्मा, ननद किरन देवी दहेज की मांग को लेकर शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना देने लगे। तीन सितंबर की दोपहर पौने बजे बहन के फंदे से लटक कर जान देने की सूचना ससुरालियों ने दी। दहेज की मांग पूरी न होने पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने पति शिवम, किरन व किरन के पति कल्लू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

केकेसी योजना की प्रगति बढ़ाई जाए

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : मत्स्य जीवी सहकारी संघ लखनऊ के सभापति वीरू साहनी से अफसरों संग बैठक कर विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जनपद में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी)योजना की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। इस दौरान मत्स्यजीवी सहकारी समितियों के अध्यक्ष और सचिवों ने सभापति को अपनी समस्याएं बताई।

मत्स्य जीवी सहकारी संघ लखनऊ के सभापति वीरू साहनी मंगलवार पूर्वान्ह पीडब्ल्यूडी गेस्टहाउस पहुंचे। यहां उन्होंने अफसरों संग बैठकर विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान सहायक निदेशक मत्स्य डॉ. विभा लोहनी ने विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषादगंज बोट योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मछुआ दुर्घटना बीमा आदि योजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी।

साथ ही योजनाओं के लाभार्थियों के बारे में भी बताया। जिस पर सभापति ने एलडीएम को जनपद में किसान क्रेडिट कार्ड योजना की प्रगति को बढाने के निर्देश दिए। वहीं एसडीएम को पट्टा शिविर के बाद पट्टा विलेख शीघ्र जारी करने को निर्देशित किया। बैठक में जनपद में संचालित 15 मत्स्य जीवी सहकारी समितियों के अध्यक्ष और सचिवों ने भी अपनी समस्याओं से सभापति को अवगत कराया गया। बैठक में एडीएम वित्त ऋचु पूनिया, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी, डीपीआरओ रोहित भारती, ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षक हीमेंद्र नाथ, मत्स्य निरीक्षक अनुराग तिवारी आदि मौजूद रहे।

गेस्ट हाउस में समीक्षा करते मत्स्यजीवी सहकारी संघ के सभापति वीरू सहानी।

- मतस्यजीवी सहकारी संघ के सभापति पीलीभीत पहुंचे, बैठक में की समीक्षा

न्यूज ब्रीफ

यशवंत बने विश्व हिंदू रक्षा परिषद के जिलाध्यक्ष

पीलीभीत, अमृत विचार : शहर के मोहल्ला सिविल लाइन शारदा कॉलोनी के रहने वाले यशवंत सिंह को विश्व हिंदू रक्षा परिषद का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने उन्हें मनोनयन पत्र सौंपा। संगठन को मजबूत बनाने की जिम्मेदारी दी गई। जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर समर्थकों ने पटका पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर गौरव राना, आशीष लोधी, गोपाल शर्मा आदि मौजूद रहे।

117 वाहनों के किए गए चालान

पीलीभीत, अमृत विचार : एसपी के निर्देशन में यातायात पुलिस की ओर से डग्गामार वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत मुख्य मार्गों पर चेकिंग की गई। इस दौरान 22 डग्गामार वाहनों सहित 117 वाहनों के चालान किए गए और 1.28 लाख शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया है।

अग्रवाल सभा में श्रीराम कथा आज से

पीलीभीत, अमृत विचार : श्री दैवी संपद संकीर्तन मंडल के तत्वाधान में आज बुधवार से श्रीरामकथा अब होगी। 16 तक श्री राम कथा का आयोजन शहर के अग्रवाल सभा भवन में होगा। आयोजन संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। कथा व्यास आचार्य शिवानंद महाराज कथा का श्रवण कराएंगे। सुबह 9 .30 बजे अग्रवाल सभा भवन से कलश यात्रा निकाली जाएगी। प्रतिदिन कथा का आयोजन सांय 6 .30 बजे से रात्रि 9 .30 बजे तक होगा।

बाइक ट्रक से टकराई एक की मौत, दो लोग

शाहजहांपुर,अमृत विचार : जलालाबाद रोड पर सोमवार की रात आवारा पशुओं को बचाने के चक्कर में बाइक ट्रक से टकरा गई, जिससे 40 वर्षीय सोनेलाल की मौत हो गई और उसका बहनोई रामकीरत व भांजा अनुराग घायल हो गए। दोनों घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घटना के अनुसार, हरदोई जिले के थाना हरपालपुर के गांव गधेड़ा निवासी सोनेलाल अपनी बहन की शादी में तिलहर गया था। वापसी में वह अपने बहनोई रामकीरत और भांजा अनुराग के साथ बाइक से तिलहर से हरदोई लौट रहे थे। सड़क पर अचानक आए आवारा पशुओं को बचाने के प्रयास में उनकी बाइक ट्रक से टकरा गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सीएचसी ले गई, जहां डॉक्टरों ने सोनेलाल को मृत घोषित कर दिया। दोनों घायलों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मृतक की पत्नी अनीता और नौ बच्चे हैं। मौत की खबर मिलने पर परिवार में हड़कंप मच गया।

विदेश भेजने के नाम पर एक और ठगी पंजाब के तीन एजेंट पर एफआईआर

फार्मर के भतीजे को अमेरिका भेजने और अच्छी नौकरी लगवाने का दिया था झांसा

- 40 लाख में तय किया गया सौंदा, आठ माह बाद भी वीजा मिला न लौटाई रकम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने का एक और मामला सामने आया है। एक फार्मर के भतीजे को अमेरिका भेजने और वहां पर अच्छी नौकरी लगवाने का पंजाब के तीन एजेंटों ने झांसा दिया। मोटी रकम ऐंठ ली गई। लेकिन आठ माह बाद भी न तो विदेश भेजा, न ही रुपये लौटाए गए। तगादा करने पर गाली गलौज कर मारने की धमकी दे डाली। एएसपी के आदेश पर गजरौला पुलिस ने नामजद एफआईआर दर्ज की है।

थाना गजरौला में दी गई तहरीर में ग्राम गजरौला खुर्द निवासी जसविंदर सिंह ने बताया उनके भतीजे वंश दीप सिंह को ग्रांड ओवरसीज अमृतसर पंजाब के एजेंट कुलविंदर सिंह, सर्वजीत सिंह और नितिश देवगन ने अमेरिका भेजने और वहां अच्छी नौकरी लगवाने की बात कही। इसमें 40 लाख रुपये का खर्च बताया गया। आरोपियों की बातों में परिवार वाले आ गए। पीड़ित ने कुलविंदर सिंह को 6.10 लाख रुपये, सर्वजीत कौर को 4.38 लाख रुपये और तिनिश के खाते में 80 हजार रुपये ट्रांसफर किए। तीनों को दस लाख रुपये नकद दिए गए। इसके बाद से आरोपी टालमटोल कर रहे हैं। आठ माह बाद भी वीजा नहीं दिया गया। जब उनसे तकादा किया गया तो आरोपियों ने गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दे डाली। काफी प्रयास किया गया लेकिन न तो दिए गए रुपये वापस मिले न ही काम हुआ। गजरौला पुलिस ने मामले में अब तीनों जालसाजों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

आतंकियों के एनकाउंटर के बाद शुरू हुई थी मुहिम

फर्जी आइलेट्स संचालकों पर पूर्व एसपी के द्वारा की गई कार्रवाई दो से तीन माह तक चलती रही। खास बात थी कि ये मुहिम आतंकियों के एनकाउंटर के बाद शुरू की गई थी। बता दें 23 दिसंबर 2024 को पूरनपुर कोतवाली में क्षेत्र में हुए एनकाउंटर में खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के तीन आतंकी गुरदासपुर (पंजाब) के थाना कलानोर क्षेत्र के ग्राम सहोरखुर्द निवासी प्रताप सिंह उर्फ जसनप्रीत सिंह पुत्र स्वरूप सिंह, गांव अगवान के निवासी वीरेंद्र उर्फ रवि और कलानौर थाना क्षेत्र के ही मोहल्ला बाड़िया के निवासी गुरविंदर सिंह ढेर हो गए थे। आरोप था कि ये 18 दिसंबर को गुरदासपुर पंजाब की बख्शीवाल पुलिस चौकी पर हैंडग्रेनेड से हमला करने के बाद पूरनपुर आकर छिप गए थे। एक होटल में फर्जी आइडी से ठहरे थे। इसके अलावा एनआईए के 10 लाख के ईनामी से भी तार जुड़े थे और एनआईए की टीम ने भी पूरनपुर में डेरा डाला था, पोस्टर लगाए गए थे। इसी के बाद फर्जी आईलेट्स सेंटर पुलिस के निशाने पर आ गए थे।

दो सौ से अधिक एजेंटों पर हो चुकी रिपोर्ट

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने का एक बड़ा गिरोह जनपद में काम कर रहा था। इसे लेकर बीते माह पूर्व एसपी अविनाश पांडेय ने विशेष अभियान चलाया था। जिसकी शुरुआत पूरनपुर कोतवाली में शिविर लगाकर की गई थी। एक ही दिन में शिविर में एक हजार के आसपास शिकायती प्रार्थना पत्र पहुंच गए थे। करीब 200 से अधिक एफआईआर दर्ज की गई। कई लोगों के जालसाजों ने पुलिस के दबाव के चलते पीड़ितों को सालों पहले ठगी गई रकम भी लौटा दी थी। कई जालसाज गिरफ्तार कर जेल भी भेजे गए थे। सर्वाधिक अधिक फर्जीवाड़ा पूरनपुर क्षेत्र में निकला था। जिसके बाद एक विशेष सेल का गठन भी किया गया था। कार्रवाई की रफ्तार बढ़ी तो आरोप- प्रत्यारोप भी लगे और तत्कालीन एसपी की शिकायतें शासन स्तर तक की गई। फिर तबादले को भी इसी से जोड़कर देखा गया था।

नकली नोटों की खेप के साथ युवक गिरफ्तार

शाहजहांपुर,अमृत विचार: कांट पुलिस ने नकली नोटों के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 500 रुपये के 129 और 200 रुपये के 25 नकली नोट बरामद हुए। कुल बरामदगी 69 हजार 500 रुपये की हुई है। पकड़ा गया आरोपी निगोही क्षेत्र का निवासी है। कांट थाना प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह को सोमवार शाम सूचना मिली कि ददरौल मोड़ पर एक संदिग्ध व्यक्ति खड़ा है, जो नकली नोट चलाने का धंधा करता है। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पकड़े गए अभियुक्त का नाम साहिल हसन उर्फ सन्ने निवासी ऊनकला थाना निगोही है। तलाशी के दौरान उसके पास से नकली नोट बरामद हुई।

आरोपी ने बताया वह दिल्ली में रहकर जीन्स की कटिंग का काम करता है। वहीं उसकी मुलाकात कासगंज के कुटरा निवासी फाजिल से हुई थी। फाजिल ही उसे नकली नोट देता था, जिन्हें वह जनता के बीच चलाता था। साहिल ने स्वीकार किया कि उसने फाजिल से 50 हजार रुपये के बदले एक लाख रुपये नकली नोट लिए थे। वह 3 सितंबर को दिल्ली से आया था।

पंखा घुमाते समय करंट लगने से पिता-पुत्री की मौत

निगोही/शाहजहांपुर

- पिता को तड़पता देख बचाने गई बेटी भी आई करंट की चपेट में

अमृत विचार: निगोही थाना क्षेत्र के रामनगर गांव में मंगलवार को दर्दनाक हादसा में रामऔतार (40) और उनकी बेटी किरन (15) की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब रामऔतार फर्राटा पंखे का पिलक बिजली के बोर्ड में लगाकर पंखा घुमा रहे थे। अचानक करंट लगने से वह पंखा समेत नीचे गिर गए।

चीख सुनकर उनकी बेटी किरन पिता की जान बचाने दौड़ी, लेकिन उसे भी करंट लग गया। शोर -शराबे पर परिवार के अन्य लोग मौके पर पहुंचे और पंखे का प्लक बोर्ड से निकाला। इसके बाद दोनों के जिंदा होने की आस में इलाज के लिए लेकर भागे जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित किया। पुलिस लाइन से विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम मौके पर पहुंची और जांच के बाद नमूना लिया। कार्यवाहक थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि पिता-पुत्री की करंट से मौत हुई है और पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रामऔतार और किरन फाइल फोटो।

परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा: रामऔतार की पत्नी गुड्डी की एक साल पहले ही मौत हो चुकी थी। रामऔतार पांच भाइयों में तीसरे नंबर के थे। उनके दो बेटे अवधेश और अमरजीत और दो बेटियां हैं, जिनमें से किरन की मौत हो गई, जबकि दूसरी बेटी सरोजना की शादी हो चुकी है।

रामऔतार मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करते थे। पूर्व जिला पंचायत सदस्य आशीष अवस्थी मौके पर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना देते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। वहीं एक साथ पिता- पुत्री की मौत होने से गांव में सन्नाटा पसर गया। अधिकांश गांवों में शाम को चूल्हा तक नहीं जला। पूरा गांव इस घटना से स्तब्ध है।

खुदागंज में बुखार का प्रकोप, दंपती की मौत से हड़कंप

खुदागंज,अमृत विचार: क्षेत्र में बुखार का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। तेज बुखार की जकड़ में आए पति-पत्नी की मौत होने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग के संक्रामक रोगों के खिलाफ चलाए जाने वाले अभियानों को लेकर चर्चा हो रही है।

क्षेत्र के ग्राम परमानंदपुर निवासी महेश पाल (45) और उनकी पत्नी देवकी देवी (43) को दो दिन से तेज बुखार से आ गया था। स्थानीय स्तर पर इलाज कराने के दौरान उनकी हालत में सुधार नहीं आया। डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें किसी उच्च स्तरीय अस्पताल में इलाज कराना चाहिए। इसके बाद परिजन उन्हें लेकर बरेली पहुंचे और एक अस्पताल में भर्ती कराया। बरेली में इलाज के बाद भी उनकी हालत में सुधार नहीं आया और मंगलवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। जानकारी यहां पहुंचने पर गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पति-पत्नी का अंतिम संस्कार गांव में ही किया गया। दोनों को एक ही चिता पर जलते देख आसपास के लोगों की आंखें नम हो गईं। दाह संस्कार की मुखाग्नि बड़े बेटे विपिन कुमार नम आंखो से दी। पूरा परिवार यह सब देखकर घबराए हुए है ।

पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आए लोग

गुरुद्वारे के जिम्मेदारों को सौंपते डमी चेक। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: पंजाब में आई भयंकर बाढ़ से आम जनमानस को काफी नुकसान हुआ है। सहायता देने के लिए पूरनपुर नगर के श्री सनातन धर्म ठाकुरद्वारा मंदिर समिति कार्यकारिणी और समस्त सदस्यों के सहयोग से 51 हजार रुपये की राशि का चेक श्रीसिंह सभा गुरुद्वारा जाकर वहां के संरक्षक बलजीत सिंह खैरा, हैड ग्रंथि बाबा जसपाल सिंह को सौंपा गया। वाहेगुरु से प्रार्थना की गई कि पंजाब को इस भारी विपदा से जल्द राहत मिले और वहां का जनजीवन पहले की तरह सामान्य हो। इस मौके पर अध्यक्ष नवनीत गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजीव कुमार , विवेक खंडेलवाल, श्याम, मनीष खंडेलवाल, गायत्री परिजन संदीप खंडेलवाल स्पर्श आदि मौजूद रहे।

हिंदी दिवस हमारी राष्ट्रीय पहचान और संस्कृति का प्रतीक

पीलीभीत, अमृत विचार: गोस्वामीज मॉम्स प्राइड स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम हुआ। इस दौरान प्रदर्शनी आयोजित की गई और हिंदी के महत्व को दर्शाया गया। प्रदर्शनी में महान लेखक, कवियों के जीवन कार्यों पर आधारित मॉडल व चार्ट प्रस्तुत किए गए। स्टॉल पर हिंदी भाषा की उत्पत्ति व विभिन्न भाषाओं पर उसके प्रभाव को समय रेखा के माध्यम से समझाया गया। प्रबंधक निशांत गोस्वामी, चेयरपर्सन सोनिया गोस्वामी, प्रधानाचार्य जया घोष, विष्णु प्रिया, आदि ने कहा कि हिंदी दिवस सिर्फ एक दिन का उत्सव नहीं है। ये हमारी राष्ट्रीय पहचान और संस्कृति का प्रतीक है। इस मौके पर विनीत कुमार, नूर फातिमा, दीक्षा, फाजिल, दक्ष, जयस, अक्ष, चंद्रिका, अभय, अनमोल समेत अन्य रहे।

शिक्षिकाओं को किया सम्मानित

सम्मानित की गई शिक्षिकाओं के साथ क्लब की सदस्य। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: अलायंस क्लब मधुबन एवं मैत्री की सदस्यों ने गोद लिए गए बाल कल्याण निकेतन स्कूल में पहुंचकर मंगलवार को शिक्षक दिवस मनाया।

किरण हांडा ने अध्यक्षता की। सर्वप्रथम सर्वपल्ली डॉ. राधा कृष्णन के फोटो पर तिलक लगाकर पुष्प अर्पित किए गए। कई स्कूलों की 15 शिक्षिकाओं को दुशाला ओढ़ाकर उपहार देकर सम्मानित किया गया। अलायंस क्लब के फाउंडर सतीश लखोटिया और पीलीभीत अलाइंस क्लब की फाउंडर चार्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मधु कुमार का जन्मदिन भी इस दौरान केक काटकर मनाया गया। गुरु के महत्व को बताया गया। बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों को भी क्लब की आरे से उपहार भेंट किए गए। इसी के साथ स्कूल में बच्चों को गर्मी से राहत के लिए चार पंखे क्लब की ओर से दिए गए। इस मौके पर मिथिलेश शर्मा, कंचन सक्सेना, संगीता, कमलेश, पंकज, रश्मि, निशा, सीमा, छाबड़ा, मोनिका, दीपा, बबीता, शिवानी, निर्मला, नीति, निधि, पूनम, निशा, कविता आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर दिया धरना

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: बिलसंडा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम गौहनिया में मछली पालन के लिए तालाब की नीलामी नियमानुसार न कराने का आरोप लगाते हुए बड़ी संख्या में ग्रामीण मंगलवार को तहसील पहुंचे और एसडीएम कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया गया। नीलामी निरस्त कराने की मांग की गई। एसडीएम नागेंद्र पांडे को राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन भी सौंपा।

ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया क्षेत्र की कई गाटा संख्या तालाब में दर्ज हैं,जो कि ग्राम गौहनिया में हैं। जिसका नियम विरुद्ध आवंटन कर दिया गया है, इससे ग्राम पंचायत में रोष है। जिसे ठेका दिया गया है, उस समिति में सचिव व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बीसलपुर के निवासी हैं। नियम अनुसार समिति में सदस्य व पदाधिकारी ग्रामीण क्षेत्र के होना अनिवार्य है। पूर्व शासनादेश में दो या तीन न्याय पंचायत में समिति का कार्य क्षेत्र था। जिसको निरस्त कर दिया गया। वर्तमान शासनादेश के मुताबिक एक समिति एक पंचायत में कार्य कर सकती है। उक्त समिति मैनी ग्राम पंचायत नौगवां संतोष, पगार, ईटगांव आदि ग्राम पंचायतों में पहले से कार्यरत हैं, जोकि शासनादेश के विरुद्ध हैं। 28 जुलाई को तहसील परिसर बीसलपुर में तालाबों की नीलामी की गई थी। नीलामी से पूर्व एक शिकायती प्रार्थना पत्र एसडीएम को दिया गया था, लेकिन उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई और समिति के लिए तालाबों का आवंटन कर दिया गया। देर शाम धरने पर बैठे ग्रामीणों से एसडीएम नागेंद्र पांडेय ने वार्ता की।

एसडीएम नागेंद्र पांडेय को ज्ञापन देते ग्रामीण। ● अमृत विचार

- ज्ञापन सौंपने के बाद एसडीएम से मिले आश्वासन पर हुए शांत

बीएसए कार्यालय में नौकरी के नाम पर नौ लाख की ठगी

शाहजहांपुर,अमृत विचार: जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव नवीननगर निवासी अभिषेक राठौर ने पुलिस को शिकायत देकर बताया बीएसए कार्यालय में नौकरी लगवाने के नाम पर उसे नौ लाख रुपये ठग लिए गए। आरोपी ने फर्जी ज्वाइनिंग लेटर थमाकर धोखाधड़ी की। अभिषेक ने बताया कि वर्ष 2023 में वह शाहजहांपुर डिपो में संविदा में कंडक्टर के पद पर कार्यरत था। उसके सहकर्मी प्रदीप द्विवेदी निवासी अंटा चौराहा, थाना सदर बाजार से उसका संपर्क बना। नौकरी छोड़कर जलालाबाद में व्यवसाय करने के बाद वह अपने भाई वीरेंद्र प्रताप और पत्नी अनुराधा की नौकरी लगवाने का प्रयास कर रहा था।

प्रदीप ने अभिषेक को आश्वासन दिया कि वह उसके भाई और पत्नी की नौकरी लगवा देगा।

कार्यक्रम विवरणिका स्मारिका का विमोचन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

रामलीला महोत्सव

- 15 को श्रीरामजन्म लीला के साथ होगी शुरुआत

अमृत विचार: शहर के मोहल्ला तखान स्थित परमठ मंदिर में श्रीरामलीला महोत्सव की बैठक सर्वराकार पंडित महंत ओमकार नाथ शर्मा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें रामलीला महोत्सव की कार्यक्रम विवरणिका स्मारिका का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि आईएमए की पूर्व अध्यक्ष डॉ. रश्मि प्रकाश ने विमोचन कराया।

श्रीरामलीला महोत्सव संचालन समिति के अध्यक्ष सुनील मिश्रा ने बताया 15 को श्री रामजन्म लीला के साथ महोत्सव की शुरुआत होगी। पंडित अंशुमान मिश्र ने कहा 20 को धनुष यज्ञ लीला, 21 को श्रीराम बारात जुलूस शोभायात्रा निकलेगी। सह संचालक अमरीश शर्मा अम्बू ने बताया कि 22 को श्रीराम वनगमन लीला, 23 से 2 अक्टूबर तक की लीलाएं रामलीला मैदान पर होंगी। जिसमें 30 सितंबर को कुंभकरण वध, 01 अक्टूबर को मेघनाद वध और 2 अक्टूबर को रावण वध दशहरा मनाया जाएगा इस मौके पर राकेश लोधी, संजीव मिश्रा, सुधीर पाल सिंह, भीम सिंह चौहान, अंकुर गुप्ता, नरेश शुक्ला, डा. विश्वनाथ दीक्षित, विकास पाल सिंह, अम्बरीष मिश्रा, संजीव शर्मा, संजीव सिंह, रमाकांत पांडेय, डा. शैलेन्द्र नाथ मिश्रा, संजीव मोहन अग्रवाल, राजीव सक्सेना, आयुष सक्सेना, अमित जौहरी आदि मौजूद रहे।

एसडीएम ने चेक किए दो बूथ

बीसलपुर, अमृत विचार: पंचायत चुनाव के नजदीक आते ही शासन की मंशा के अनुसार प्रशासनिक अधिकारियों ने मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण कार्य शुरू कर दिया है। इसी क्रम में मंगलवार को क्षेत्र के ग्राम नवदिया सितारगंज और ग्राम अर्जुनपुर में स्थित प्राइमरी विद्यालय परिसर में तैनात किए गए बीएलओ को निर्देशित कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य शुरू कराया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सख्त निर्देश दिया किसी भी पात्र का नाम छूटने न पाए और अपात्रों और मृतकों के नमा हटाए जाए।

इस दौरान दोनों गांवों में एसडीएम नागेंद्र पांडे ने पहुंचकर मतदाता पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए।

आपदा पीड़ितों के लिए राहत सामग्री लेकर आठ ट्रक रवाना

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : उत्तराखंड के आपदा पीड़ितों के लिए जनपद से राहत सामग्री लेकर आठ ट्रक रवाना हो गए। डीएम ने हरी झंडी दिखाकर ट्रकों को रवाना किया। राहत सामग्री पहुंचाने की जिम्मेदारी एसडीएम और एआरटीओ को सौंपी गई है।

पिछले माह उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में बाढ़ और बादल फटने की घटनाएं सामने आई थीं। जिसमें बड़े पैमाने पर जानमाल का नुकसान हुआ था।

इधर प्रदेश सरकार उत्तराखंड आपदा पीडितों के लिए राहत सामग्री पीलीभीत से हल्द्वानी (नैनीताल) भेजी गई। मंगलवार को मंडी समिति परिसर में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने राहत सामग्री से भरे 08 ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर उत्तराखंड के लिए रवाना किया। इन ट्रकों में 3800 पैकेट राहत सामग्री भेजी गई है। राहत सामग्री पहुंचाने की जिम्मेदारी एसडीएम और एआरटीओ को दी गई। इस मौके पर एडीएम वित्त ऋतु पूनिया, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह, एसडीएम मयंक गोस्वामी, एआरटीओ वीरेंद्र कुमार, सहायक निबंधक सहकारिता डॉ. प्रदीप कुमार आदि अधिकारी मौजूद रहे।

राहत सामग्री लेकर जा रहे ट्रकों को झंडी दिखाकर रवाना करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह।

- जिला अधिकारी ने ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

बाढ़ पीड़ितों के लिए दवा व अन्य सामग्री सौंपते लोग। ● अमृत विचार

पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद को बड़े हाथ

बिलसंडा, अमृत विचार : पंजाब में बाढ़ से पीड़ित लोगों की मदद के लिए किसान और समाजसेवी आगे आएं हैं। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए क्षेत्र से दवाइयां और राशन भेजने की मुहिम चलाई गई है। जिसमें नगर के मेडिकल व्यवसायी, चिकित्सक भी सहयोग कर रहे हैं। पंजाब में लोगों की मदद के लिए मंगलवार को नगर के डॉ . हिमांशु सक्सेना ने दवाइयां मकसूदापुर गुरुद्वारा में मुहैया कराई। इसके अलावा ब्लॉक क्षेत्र के गांव ईसापुर,कुर्रैया,शीतलपुर,मरौरी जगतपुर समेत गांवों के ग्रामीणों ने राशन और राहत सामग्री इकट्ठा की। राहत सामग्री को परिवहन के माध्यम से पंजाब भेजा जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

धान के खेत में तेंदुए ने किया बकरी का शिकार

भीरा, अमृत विचार : बफर जोन क्षेत्र में गांव बंधुआ फार्म के पास मंगलवार शाम तेंदुए ने धान के खेत में अचानक हमला बोलकर एक बकरी का शिकार कर लिया। शोर मचाने पर तेंदुआ बकरी को लेकर गन्ने के खेतों में समा गया। इसी दौरान गांव इमलिया निवासी जगबीर सिंह का पालतू कुत्ता भी तेंदुए के हमले का शिकार होते-होते बचा। हालांकि कुत्ता गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि आए दिन खेतों में बाघ और तेंदुआ दिखाई दे रहे हैं, लेकिन वन विभाग इस पर ध्यान नहीं दे रहा है।

गोमती नदी में डूबने से युवक की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली मोहम्मदी क्षेत्र के गांव कंधरापुर निवासी वंशीधर उर्फ वंशी (40) की सोमवार को गोमती नदी में डूबने से मौत हो गई। सुबह खेत देखने के लिए नदी किनारे गए वंशीधर का पैर अचानक फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरा। काफी मशक्कत और घंटों की तलाश के बाद गोताखोरों ने शव नदी से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दो बाइकों की टक्कर में चार लोग घायल

भानपुर, अमृत विचार : भीरा कोतवाली क्षेत्र के भानपुर चौराहे पर मंगलवार सुबह दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कन्नापुर निवासी ठाकुर प्रसाद (35) व नकहा ब्लॉक निवासी श्यामू, शिवपूजन व एक अन्य युवक शामिल हैं। सभी घायलों को मौके पर पहुंचे ग्रामीणों की मदद से 108 एंबुलेंस द्वारा सीएचसी बिजुआ भेजा गया।

रात्रि गश्त बंद, चोरों के हौसले हो रहे बुलंद

ढकवा, अमृत विचार : क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। लेकिन चौकी पुलिस का रात्रि गश्त पूरी तरह ठप हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले पुलिस हूटर बजाते हुए रात में गांव-गांव गश्त करती थी, लेकिन अब महीनों से पुलिस रात में दिखाई ही नहीं देती। हाल ही में सेमरई गांव के पास चोरों की गतिविधि देखी गई। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें अब अपनी सुरक्षा खुद करनी पड़ रही है।

बी-पैक्स सचिव को दी भावभीनी विदाई

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : भल्लिया बुजुर्ग बी-पैक्स सहकारी समिति के सचिव प्रबलदीप अवस्थी को मंगलवार को किसानों और कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। अब समिति का चार्ज मैलानी से स्थानांतरित सचिव पवनेश कुमार को सौंपा है। विदाई समारोह में किसानों ने उन्हें मूर्ति भेंटकर सम्मानित किया।

नेपाल के धनगढ़ी में गुस्से की आग, खीरी बार्डर तक पहुंच रही आंच

खीरी जिले से सटा है नेपाल का धनगढ़ी बाजार, नेपाल जाने वाले ट्रकों की भारतीय सीमा में लगी लंबी लाइन

संवाददाता, पलिया कलां/लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: नेपाल में सरकारी भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर पाबंदी के खिलाफ सड़कों पर उतरे युवाओं ने मंगलवार को आगजनी की। जमकर बवाल किया, जिसकी आंच जिले की नेपाल सीमा पर स्थित गौरीफंटा मार्केट तक महसूस की गई। जिले से धनगढ़ी तक आवागमन लगभग बंद हो गया है। इससे नेपाल जाने वाले ट्रक भारतीय सीमा पर खड़े हैं, जिससे लंबी लाइन लग गई है। इससे दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार भी प्रभावित हो रहा है।

नेपाल में इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगने पर सुदूर पश्चिम प्रांत धनगढ़ी शहर में भी नेपाली युवा दो दिन से प्रदर्शन कर रहे हैं। मंगलवार को राजधानी धनगढ़ी में पहुंची हिंसा की आग में आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री कार्यालय सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के दफ्तरों में आगजनी कर वहां खड़ी गाड़ियों को जला दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउपा की पिटाई कर उनके घर को आग के हवाले करने की खबर मिली है। नेपाली कम्यूनिष्ट पार्टी के दफ्तर के सामने बाजार के पास तोड़फोड़ और आगजनी की गई। बिगड़ते हालात देखकर धनगढ़ी में कर्फ्यू लगा दिया है। भारत- नेपाल सीमा पर गौरीफंटा बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है।

भारत में बॉर्डर की मुख्य मार्केट वनगवां में सन्नाटा रहा। इधर, भारत से नेपाल जाने वाली खाद्य सामग्री, कपड़ा और अन्य सामान से लदे ट्रक भारतीय सीमा में सड़क के एक ओर खड़े हो गए हैं, जिससे गौरीफंट कस्बे से पलिया की तरफ 6 किमी लाइन लग गई।

लखीमपुर सीमा पर नेपाल की धनगढ़ी बाजार में की गई आगजनी।

धू-धूकर जलती कार।

नेपाल सीमा पर मंगलवार देर रात्रि पहुंचे डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी संकल्प शर्मा। सीमा पर तैनात एसएसबी से हालातों की जानकारी लेते।

लखीमपुर खीरी में गौरीफंटा बार्डर पर नेपाल शांत होने के इंतजार में खड़े ट्रक।

जिले में नेपाल सीमा पर गौरीफंटा बार्डर सबसे ज्यादा संवेदनशील है, इसलिए यहां सीओ पलिया खुद सीमा की ओर जाने और आने वाले हर व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है। साथ ही उनका डीएल, आधारकार्ड सहित सभी कागजात चेक करने के साथ ही रिकॉर्ड रखा जा रहा है। सीमावर्ती थानों की पुलिस को भी अलर्ट मोड में रखा गया है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। पुलिस के साथ ही अन्य सभी सुरक्षा एजेंसियां संयुक्त रूप से सतर्कता बरत रही हैं।

-संकल्प शर्मा, एसपी- खीरी।

धनगढ़ी में प्रदर्शन करते युवक। ● अमृत विचार

भारत-नेपाल सीमा सील, बॉर्डर पर पहुंचे डीएम और एसपी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : बॉर्डर पर तैनात एसएसबी अधिकारियों ने डीएम-एसपी को जानकारी दी कि वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनज़र सीमा को ऐहतियातन सील कर दिया गया है। सीमावर्ती इलाकों में कड़ी निगरानी रखी जा रही है और चप्पे-चप्पे पर गहन पेट्रोलिंग हो रही है। सुरक्षा बल लगातार चौकसी में जुटे हैं ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिए कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करें। उन्होंने बॉर्डर पर तैनात सभी बटालियनों के कमांडेंट से बातचीत कर हालात की विस्तार से जानकारी ली और सभी से निरंतर अलर्ट मोड पर रहने को कहा। नेपाल सीमा से लगे इलाकों के ग्रामीणों को भी प्रशासन ने सतर्क रहने की अपील की है।

प्रदर्शनकारी बोले- संचार सेवा से प्रतिबंध हटने तक विरोध रहेगा जारी

नेपाल के सुदूर पश्चिम प्रांत के धनगढ़ी में सरिता जोशी के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। युवाओं ने सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाते हुए नेताओं व सरकार को जमकर खरी खोटी सुनाई। आंदोलनकारी युवा दशरथ चंद ने कहा कि देश के 90 प्रतिशत युवा पढ़ने के लिए विदेश जाते हैं, इसलिए उन्हें इंटरनेट की बहुत जरूरत होती है। देश में भ्रष्टाचार में डूबे व असक्षम नेतृत्व और वृद्ध नेताओं के कारण वे लोग परेशान हैं। संचार सेवा बंद कर देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। देश से भ्रष्टाचार समाप्त करना होगा, इसलिए संचार सेवा पर प्रतिबंध हटने तक विरोध जारी रहेगा।

कार की टक्कर से खांडसारी निरीक्षक घायल

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: महिला थाना गेट के सामने मंगलवार सुबह तेज रफ्तार कार ने बुलेट सवार खांडसारी निरीक्षक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह बुलेट से करीब तीन फिट ऊपर उछलकर सड़क पर गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची थाना महिला प्रभारी ने सरकारी गाड़ी से उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर भाग निकला।

मंगलवार सुबह करीब 11 बजे खांडसारी निरीक्षक रविंद्र कुमार नौरंगाबाद चौराहा की तरफ से सौजन्या चौराहा की तरफ जा रहे थे। महिला थाना के सामने सिकटिहा रोड से अचानक आई कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि खांडसारी निरीक्षक बुलेट से करीब तीन फिट ऊपर उछलकर सड़क पर गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ जुट गई। कार चालक कुछ दूरी पर कार छोड़कर भाग निकला। मौके पर पहुंची थाना महिला पुलिस ने सरकारी गाड़ी से खांडसारी निरीक्षक को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

महिला थाना प्रभारी शिल्पी शुक्ला ने बताया कि एंबुलेंस आने में देर हो रही थी, इसलिए घायल निरीक्षक को थाने की सरकारी जीप से अस्पताल भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार काफी तेज गति में थी और अचानक सामने से आकर बाइक से टकरा गई। घटना की खबर फैलते ही थाना परिसर और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को नियंत्रित किया और यातायात सुचारू कराया। निरीक्षक रविंद्र कुमार का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

हादसे के बाद मौके पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

- हालत गंभीर, पुलिस ने जिला अस्पताल में कराया भर्ती
- बुलेट से सौजन्या चौराहा की तरफ आ रहे थे रविंद्र कुमार

1.94 लाख रुपये के साथ युवक को दबोचा

पलियाकलां, अमृत विचार: बसही एसएसबी प्रभारी निरीक्षक राम सिंह सैनी ने बताया कि मुखबिर ने सूचना दी थी कि सीमा स्तंभ संख्या 199 के पास आजाद नगर चेक पोस्ट के रास्ते भारतीय रुपये की तस्करी होने वाली है। इस पर चेक पोस्ट पर तैनात सहायक उपनिरीक्षक हरदयाल सिंह ने जवानों के साथ सघन चेकिंग अभियान शुरू किया। कुछ देर बाद जवानों ने एक युवक को नेपाल से भारत की ओर आते देखा। तलाशी लेने पर उसके पास से 1.94 लाख रुपये नकद बरामद हुए। पूछताछ में उसने अपना नाम अजय कुमार, निवासी रानी नगर थाना संपूर्णानगर बताया। युवक न तो इन रुपयों से संबंधित कोई संतोषजनक जवाब दे सका और न ही वैध कागजात दिखा पाया। इसके बाद एसएसबी जवानों ने उसे बरामद रकम सहित गिरफ्तार कर लिया और आगे की कार्रवाई के लिए उसे कस्टम कार्यालय को सुपुर्द कर दिया।

बैराज से कूदा युवक, मिला सुसाइड नोट

संवाददाता, खीरी टाउन/धौरहरा

अमृत विचार: थाना शारदा नगर क्षेत्र के शारदा बैराज पर मंगलवार को खीरी टाउन निवासी एक युवक ने पुल पर बाइक खड़ी कर दी और छलांग लगा दी। मौके पर पहुंची पुलिस को बाइक की डिग्गी से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने अपनी पत्नी और ससुराल वालों को मौत का जिम्मेदार ठहराया है। मौके पर पहुंची एनडीआरएफ की टीम और गोताखोर नदी में उसकी तलाश कर रहे हैं, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका है।

दोपहर करीब 12 बजे एक युवक बाइक से शारदा बैराज पर पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उसने बाइक खड़ी की। लोग कुछ समझ पाते इससे पहले ही उसने पुल की रेलिंग से नदी में छलांग लगा दी। यह देख मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। एसडीएम धौरहरा शशिकांत मीणा, प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह फोर्स के साथ पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों को बुलाकर नदी में उतारा और उसकी तलाश कराई। इस बीच एनडीआरएफ की पहुंची टीम ने भी नदी में उसकी तलाश की, लेकिन शाम तक कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने मौके पर छोड़ी उसकी बाइक की डिग्गी खोलकर जांच की तो उसमें एक सुसाइड नोट मिला, जिससे उसकी पहचान थाना व कस्बा खीरी टाउन के मोहल्ला जोशी टोला निवासी प्रिंस जोशी (25) पुत्र कमलेश जोशी के रूप में हुई। पुलिस ने परिवार वालों को खबर की। जानकारी मिलते ही परिजन रोते-बिलखते मौके पर पहुंच गए। परिवार वालों ने बताया कि प्रिंस का विवाह लगभग एक वर्ष पूर्व सीतापुर जिले के लहरपुर निवासी नीतू जोशी से हुआ था। विवाह के कुछ महीने बाद पति-पत्नी के बीच आए दिन विवाद होने लगा। परिजनों के मुताबिक, मंगलवार सुबह प्रिंस का अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष से फोन पर तीखी नोकझोंक हुई थी। इसके बाद वह बिना कुछ बताए सुबह करीब 11 बजे बाइक से घर से निकल गया। दोपहर करीब एक बजे परिजनों को सूचना मिली कि प्रिंस की बाइक शारदा बैराज किनारे खड़ी है। देर शाम तक प्रिंस का कोई पता नहीं चल सका है। पुलिस ने सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मौके पर बरामद युवक की बाइक व लगी भीड़। ● अमृत विचार

- खीरी टाउन निवासी युवक ने पत्नी और ससुरालियों को ठहराया जिम्मेदार

प्रिंस जोशी।

बाइक से सुसाइड नोट मिला है। गोताखोरों और एनडीआरएफ की टीम युवक की नदी में तलाश कर रही है, लेकिन अभी उसका कोई पता नहीं चला है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

-शशिकांत मीणा, एसडीएम धौरहरा।

अपने परिवार की भलाई के लिए दे रहा हूं जान

प्रिंस जोशी ने छोड़े गए सुसाइड नोट में लिखा है कि मैं अपनी ससुराल वालों से परेशान होकर अपनी जान दे रहा हूं। जब तक मैं जिंदा रहूंगा, ये मेरे परिवार को परेशान करते रहेंगे। मेरा मानसिक संतुलन बिगड़ चुका है। मेरी लाश मिले तो नीतू जोशी और उसके परिवार वालों को शव के पास न आने दिया जाए। मैं अपने परिवार की भलाई के लिए अपनी जान दे रहा हूं।

कटान पीड़ितों के लिए रेडक्रॉस ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: ब्लॉक निघासन के ग्राम ग्रांट-12 में कटान पीड़ित परिवारों के लिए रेडक्रॉस सोसायटी ने स्वास्थ्य एवं प्राथमिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। पीड़ितों को आवश्यक दवाइयां और राहत सामग्री वितरित की गई। ग्राम ग्रांट 12 में अब तक लगभग 70 परिवार कटान की भेंट चढ़ चुके हैं।

- पीड़ितों को आवश्यक दवाइयां और राहत सामग्री वितरित की

दो प्राचीन मंदिर भी नदी में समा गए हैं। पीड़ित खुले आसमान के नीचे रहकर धूप, बारिश और बीमारियों से जूझ रहे हैं।

इसी को देखते हुए रेडक्रॉस टीम ने पूर्व एसीएमओ एवं रेडक्रॉस चेयरमैन डॉ. रवींद्र शर्मा के नेतृत्व में स्वास्थ्य शिविर लगाया। रेडक्रॉस सचिव आरती श्रीवास्तव ने ग्रामीणों की मदद से कटान प्रभावित परिवारों का सर्वे कराया। शिविर में रेडक्रॉस के आजीवन सदस्य आदित्य मिश्रा लेखपाल, बबीता सक्सेना, अनुराग सक्सेना, हरयंक सिंह, सुनीता सिंह और अमरनाथ शुक्ला ने 10 गरीब परिवारों को तिरपाल और हाइजीन किट दी। कुल 26 परिवारों को हाइजीन किट वितरित की गई। गांव के कई लोग सदमे में हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से बंधे से बाहर जमीन दिलवाने तथा तत्काल राहत स्वरूप त्रिपाल, मच्छरदानी, कपड़े, बर्तन, खाद्य सामग्री और दवाइयां उपलब्ध कराने की मांग की है।

ग्रांट 12 में बाढ़ व कटान पीड़ितों को दवा वितरित करती रेडक्रॉस टीम। ● अमृत विचार

कोशिश विकसित उप्र की राह में प्रबुद्धजनों, छात्रों और किसानों ने रखे विचार, साझा प्रयास से बनाएंगे सपनों का प्रदेश

शिक्षा व कृषि जगत से उठे सुझाव, गोला में पर्यटन की संभावनाएं देखीं

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: विकसित उत्तर प्रदेश के शताब्दी संकल्प <bha>@</bha>2047 को लेकर सोमवार को जिले में प्रबुद्धजन विशेषज्ञ टीम का संवाद जारी रहा। टीम ने युवराज दत्त महाविद्यालय में छात्रों, शिक्षकों व शिक्षाविदों से सीधी बातचीत की। इसके बाद विखं कुंभी (गोला) स्थित कृषि विज्ञान केंद्र जमुनाबाद में कृषि शिक्षाविदों, शोधार्थियों, कृषि वैज्ञानिकों और किसानों से सुझाव सुने। साथ ही गोला में शिव मंदिर कॉरिडोर निर्माण को देखकर पर्यटन की संभावनाएं तलाशीं।

कार्यशाला में वाईडी कॉलेज के छात्रों, शिक्षकों, शिक्षाविदों, कृषि शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने खुले मंच पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर शासन से नामित प्रबुद्ध जन विशेषज्ञ टीम के सभी सदस्यों ने क्रमवार सभा को संबोधित किया। इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र जमुनाबाद में आयोजित कार्यशाला में चंद्रशेखर आजाद कृषि महाविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, कृषि वैज्ञानिकों और किसानों ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

कार्यक्रम की शुरुआत सीडीओ अभिषेक कुमार, सेवानिवृत्त आईएएस कुमदलता श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त आईएफएस अजय कुमार श्रीवास्तव, सेवानिवृत संयुक्त निदेशक यूपीसी कॉरपोरेशन डॉ. रामशब्द जैसवारा और सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी सलिल यादव और प्राचार्य, वाईडी कॉलेज डॉ हेमंत पाल ने दीप प्रज्वलित कर की। इस दौरान पीडी एसएन चौरसिया, डीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह, डीडी कृषि गिरीश चंद्र सहित बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद रहे।

कॉरिडोर निर्माण का निरीक्षण कर पर्यटन की संभावनाएं तलाशती टीम। ● अमृत विचार

खीरी जिले से सटी है नेपाल का धनगढ़ी बाजार। ● अमृत विचार

शिक्षा से लेकर खेती तक, विकास की राह पर नई सोच

इकोनॉमिक्स विभाग के छात्र राज मिश्रा और छात्रा साक्षी श्रीवास्तव ने कहा कि पारंपरिक कोर्स के साथ-साथ टेक्निकल स्किल भी सिखाई जाए। उनका मानना है कि यह कदम युवाओं को रोजगार पाने में बड़ी मदद देगा। किसान त्रिलोचन सिंह ने कहा कि किसानों को छोटी मशीनों और प्लांट से उन्नत किस्म के बीज तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जाए। इससे न केवल लागत घटेगी बल्कि उत्पादकता भी कई गुना बढ़ेगी। सेवानिवृत्त आईएएस कुमदलता श्रीवास्तव ने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश का सपना तभी पूरा होगा, जब शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और बुनियादी ढांचे पर सबके विचार सामने आएँ। शासन नागरिकों से सीधे सुझाव मांग रहा है और हर सुझाव विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

सीडीओ अभिषेक कुमार के साथ गोला पहुंची प्रबुद्धजन विशेषज्ञ टीम

शताब्दी संकल्प संवाद यात्रा के तहत सोमवार को सीडीओ अभिषेक कुमार प्रबुद्धजन विशेषज्ञ टीम को लेकर गोला गोकर्णनाथ पहुंचे। टीम ने बाबा गोकर्णनाथ धाम से जुड़े कॉरिडोर की निर्माणाधीन परियोजना देखी। टीम ने परियोजना के नक्शे का अवलोकन कर कॉरिडोर की संरचना और भविष्य की रूपरेखा समझी। प्रबुद्धजनों ने माना कि यह कॉरिडोर धार्मिक आस्था को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ते हुए पर्यटन और स्थानीय विकास के नए रास्ते खोलेगा। इससे पहले सीडीओ अभिषेक कुमार व विशेषज्ञ टीम ने बाबा गोकर्णनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन कर प्रदेश की उन्नति और समृद्धि की प्रार्थना की।

ADMISSION OPEN
For Advertisement Contact :-
7906732664
9897885429
8445507002

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 10 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना पसगवां क्षेत्र के जहानीखेड़ा के पास डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। रायबरेली जिले के थाना बछरावां क्षेत्र के मोहल्ला ओमनगर निवासी सुरेंद्र बहादुर का बेटा सूरज (24) सोमवार को बाइक से सीतापुर दवा लेने के निकला था। बताते हैं कि शाम करीब सात बजे जहानीखेड़ा के पास एक डीसीएम की चपेट में वह आ गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई ने हिमांशु राज त्यागी ने बताया कि उसका भाई बाइक से सीतापुर दवा लेने के लिए दोपहर के समय घर से निकला था।

लापता किशोर का फंदे से लटका मिला शव

धौरहरा, अमृत विचार : सोमवार से लापता किशोर का शव मंगलवार को गांव के खेत में पेड़ से लटका मिला। धौरहरा कोतवाली क्षेत्र के नयागांव निवासी रामसागर चौहान का 14 वर्षीय पुत्र राजकुमार उर्फ छोटू घर से नाराज होकर खेत गया था और फिर वापस नहीं लौटा। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने उसका शव खेत में पेड़ से लटका देखा। परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

नौ मीटर चौड़ी होगी मिल डायवर्जन रोड

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : आईएएस नोडल अधिकारी ने मिनिस्टी एस ने आंबेडकर तिराहे से डामर रोड से शिव मंदिर के दक्षिण द्वार जाने वाले मार्ग का निरीक्षण किया। इस मार्ग का चौड़ीकरण कराने, सड़क के दोनों तरफ नाला निर्माण के निर्देश दिए। आंबेडकर तिराहे से विश्वकर्मा मकान तक डामर रोड को नौ मीटर चौड़ा करने, मेला मैदान की ओर तीन मीटर चौड़ा और गोकर्ण तीर्थ की ओर एक मीटर चौड़ा नाला बनवाने के भी निर्देश दिए। नाला निर्माण से जलभराव से निजात मिलेगी।

कुएं में गिरे सियार को वन विभाग ने निकाला

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : रजानगर बीट के खम्हौल गांव में खेत के पास बने एक प्राचीन भूमिगत कुएं में मंगलवार सुबह एक सियार गिर गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने रस्सी के फंदे से सियार को सकुशल बाहर निकाला और जंगल में छोड़ दिया।

जरीब से जमीन की नपाई होते देखकर लोगों में मचा हड़कंप

एसडीएम के आदेश पर नपाई करने पहुंची राजस्व टीम, समाधान का दिया आश्वासन

संवाददाता, बांकेगंज

अमृत विचार: ग्राम पंचायत ग्रंट नंबर 10 के कोठीपुर गांव की जल निकासी की समस्या के समाधान के लिए एसडीएम के निर्देश पर राजस्व विभाग की टीम कानूनगों के नेतृत्व में मंगलवार सुबह कोठीपुर गांव पहुंची। नाले के लिए सरकारी जमीन की तलाश में करीब ढाई घंटे सड़क जरीब (लचीली चेन) डालकर नापी गई। नपाई के बाद अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जल्द ही समाधान हो जाएगा।

ग्रामीणों ने जलभराव की समस्या की शिकायत की थी। सोमवार को नायब तहसीलदार ताहिद परवेज तथा लेखपाल पूजा कनौजिया कोठीपुर गांव पहुंचे थे। निरीक्षण करने के बाद जब वे नक्शे पर नाला देखने लगे तब उन्हें नाला नहीं मिला। मौके पर जरीब न होने से नपाई भी नहीं हो सकी थी। मंगलवार को राजस्व टीम मंगलवार को सुबह करीब 11 बजे पैमाइश करने के लिए कोठीपुर गांव पहुंची। टीम में कानूनगो प्रेम सिंह, लेखपाल पूजा कनौजिया आदि थे. बांकेगंज गोला सड़क पर मौजूद कोठीपुर पुलिया से नपाई शुरू हुई नपाई रमतलिया तालाब के पास स्थित खेल के मैदान तक की गई। जरीब डालकर नपाई होते देख सड़क के किनारे रह रहे लोगों में हड़कंप मच गया।

कोठीपुर में जरीब से नपाई कराते कानूनगो, लेखपाल। ● अमृत विचार

> ग्रामीण जहां से पहले पानी निकास की बात कह रहे हैं, वहां सड़क के किनारे किसानों की जमीन हैं। उन्होंने अब अपने मकान बनवा लिए हैं। उनसे तो खाली कराया नहीं जा सकता है। उन खेतों के बाद जरूर कुछ सरकारी भूमि है, परन्तु उससे समस्या का समाधान नहीं होगा। यद्यपि रिपोर्ट बनाकर अधिकारियों को सौंप दी जाएगी उनके निर्देशानुसार कार्य किया जाएगा।
> -प्रेम सिंह, कानूनगो गोला।

इस दौरान नक्शे पर जमीन किसी और के नाम दिखाई देती तथा मौके पर मकान किसी और का बना दिखाई देता। नपाई पूरी होने के बाद ग्रामीणों को जल निकासी की समस्या का समाधान जल्द कराने का आश्वासन दिया।

छेड़छाड़ के विरोध पर भाई को पीटा

निघासन, अमृत विचार: कस्बे के एक वार्ड में दो बहनों के साथ चार युवकों ने शौच के दौरान छेड़छाड़ की। विरोध करने पर उनके भाई की पिटाई भी कर दी।वार्ड निवासी दो बहन दोपहर में धान के खेत के किनारे शौच को गई थीं। पहले से ही पड़ोस वार्ड के राम चक्कर, सियाराम के बेटे खड़े थे। उन लोगों ने दोनों बहनों को रोक लिया। आरोप है कि दोनों बहनों के साथ अश्लील हरकत करने लगे। शोर सुनकर पड़ोस में काम कर रहा बहनों का भाई आ गया और उसने बदतमीजी करने पर टोक दिया। नाराज आरोपी युवकों ने उसके भाई की जमकर पिटाई कर दी। पुलिस ने इस मामले में दोनों आरोपियों के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट की रिपोर्ट दर्ज की है। उधर, संतोष ने बताया कि दोनों बहने धान के खेत में शौच करने गई थीं। जब शौच करने के लिए मना किया तो वह झगड़ा करने लगीं। दोनों बहनों के परिवार वाले आ गए और मारपीट की। प्रभारी निरीक्षक महेश चंद्र ने बताया कि दोनों पक्षों की रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

पंजाब के बाढ़ पीड़ितों को भेजी गई राहत सामग्री

बाबा काला सिंह को राहत रकम सौंपते डन्डूरी और ढखेरवा नानकार के ग्रामीण।

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: क्षेत्र के गांव डन्डूरी और ढखेरवा नानकार के ग्रामीणों ने पंजाब में बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री और नकदी इकट्ठा कर कौडियाला घाट स्थित गुरुद्वारा के बाबा काला सिंह को सौंप दी। बाबा काला सिंह ने राहत सामग्री को पंजाब के लिए रवाना कर दिया। इस पहल में मस्जिदों के इमामों ने ऐलान किया था और ग्रामीणों ने अपनी हैसियत के अनुसार चंदा देकर राशन, कपड़े, बर्तन और नकदी इकट्ठा की। डन्डूरी से 40 हजार रुपये और ढखेरवा नानकार से 78 हजार रुपये भेजे गए।

राहत कार्य में हाफिज कमाल, मौलवी अब्दुल क़य्यूम, मौलाना मुमताज, हाफिज मुक्तादीर, जाबिर कुरेशी, आरिफ खान, अख्तर अंसारी, सरफराज खान, मौलाना जाबिर, सत्तार सिद्दीकी, रहीस, सिराज सहित दोनों गांवों के दर्जनों लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अवैध निर्माण को प्रशासन ने रोका

भानपुर, अमृत विचार: गांव भानपुर में विवादित भूमि पर अवैध निर्माण का मामला सामने आया है। यह जमीन न्यायालय में विचाराधीन है, जिसकी सुनवाई 19 सितंबर को है। मंगलवार को विपक्ष ने जमीन पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया। दावेदार अंगूरी देवी ने इसकी शिकायत एसडीएम पलिया से की। एसडीएम के आदेश पर क्षेत्रीय लेखपाल बलराम राना और भीरा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और निर्माण कार्य रुकवाया। हालांकि, टीम के जाने के कुछ मिनटों बाद विपक्षी ने पुनः निर्माण शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही लेखपाल बलराम राना दोबारा मौके पर पहुंचे और निर्माण को रोका। लेखपाल ने बताया कि मामला कोर्ट में विचाराधीन होने के बावजूद एक पक्ष ने निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। एसडीएम के आदेश पर कोर्ट के निर्णय तक निर्माण कार्य रोक दिया है। तहसील प्रशासन और भीरा पुलिस की मदद से स्थिति नियंत्रित की गई।

खाद-बीज और सिंचाई को लेकर भाकिसं का प्रदर्शन

बीडीओ धौरहरा को ज्ञापन सौंपते भाकिसं के कार्यकर्ता ● अमृत विचार

संवाददाता, धौरहरा

● मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन बीडीओ संदीप तिवारी को सौंपा

अमृत विचार: भारतीय किसान संघ की तहसील इकाई ने मंगलवार को ब्लॉक मुख्यालय पर कृषि समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन बीडीओ को सौंपा।

ब्लॉक मुख्यालय पर मंगलवार को भारतीय किसान संघ के सदस्यों ने बीडीओ संदीप तिवारी को दिए ज्ञापन में कहा कि खाद और बीज की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही कीटनाशकों और रासायनिक खादों में मिलावटखोरी पर रोक लगाई जाए। संगठन ने बंद पड़े सरकारी नलकूपों को चालू कराने और टूटी हुई नहरों की मरम्मत कराकर सिंचाई व्यवस्था सुधारने की मांग रखी। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि रबी फसलों की सिंचाई के समय किसानों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जाए। इस मौके पर पियूष श्रीवास्तव, दयाशंकर पाठक, पुनीत पान्डेय आदि मौजूद रहे।

गेहूं गायब करने वाला ट्रांसपोर्टर गिरफ्तार फर्जी रिसीविंग से लिया भाड़ा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: 2006 में फत्तेपुर सैधरी निवासी ज्ञानेंद्र सिंह को तीन ट्रक सरकारी गेहूं को बंगाल और बिहार तक पहुंचाना था, लेकिन उसने गेहूं को वहीं पर रोक लिया और फर्जी रिसीविंग बनाकर भाड़ा भी वसूल कर लिया।

उसकी हरकतों का खुलासा होने पर बहराइच जिले के थाना सुजौली बहराइच में रिपोर्ट दर्ज हुई थी। बाद में यह विवेचना ईओडब्ल्यू ट्रांसफर हो गई। तभी से ज्ञानेंद्र फरार चल रहा था। मंगलवार को उसकी लोकेशन ईओडब्ल्यू की टीम को घर पर मिली। विवेचक इंस्पेक्टर लक्ष्मी नारायण लखीमपुर पहुंचे और कोतवाली पुलिस की मदद से उसके घर पर छापा मारकर आरोपी ज्ञानेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया। टीम ने उसे कोर्ट में पेश किया। जहां से वह जेल भेज दिया गया है।

हर सत्ता का हाल वही है पैकिंग बदली माल वही है

संवाददाता, मैगलगंज

सतीश शुक्ल का सम्मान करते प्रधानाचार्य उत्तम मिश्र व अन्य।

अमृत विचार: श्रीपाल सिंह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हिंदी प्रोत्साहन समिति के तत्वावधान में कवि सम्मेलन हुआ। इस वर्ष का रामदीन सोनी स्मृति साहित्य सम्मान हरियावां (हरदोई) के वरिष्ठ हास्य कवि सतीश शुक्ल को दिया गया।

कार्यक्रम का आरंभ गीतकार राघव शुक्ल की सरस्वती वंदना से हुआ। कवि सम्मेलन में विभिन्न कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरीं। सम्मान समारोह में कवि सतीश शुक्ल को अंगवस्त्र, सम्मान पत्र, नारियल फल और 2100 रुपये देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम मिश्र, शिशु मंदिर के प्रधानाध्यापक शैलेंद्र कुमार वाजपेयी, विपिन बिहारी गुप्ता, संयोजक अरविंद कुमार, श्याम सोनी सहित विद्यालय प्रबंधक राधेश्याम गुप्ता और कोषाध्यक्ष राममोहन गुप्ता मौजूद रहे। कवि सम्मेलन में सतीश शुक्ल ने हास्य-व्यंग्य से भरपूर पंक्तियां प्रस्तुत करते हुए कहा कि हर सत्ता का हाल वही है, पैकिंग बदली माल वही है।

इसके अलावा मोहम्मदी के राघव शुक्ल, मिश्रिख के लवकुश शुक्ल, अतुल मिश्र मधुकर, हरेंद्र वर्मा, अमित कैथवार, धीरज श्रीवास्तव धैर्य और सुमित भारद्वाज ने भी अपनी-अपनी रचनाओं से कार्यक्रम में रंग जमाया। अध्यक्षता कवि सतीश शुक्ल ने की, जबकि संयोजक अरविंद कुमार और अन्य कवियों ने भी काव्यपाठ कर माहौल को साहित्यिक रंग में रंग दिया।

पत्नी को पीईटी का पेपर दिलाकर आ रहे बाइक सवार से लूट, रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के गांव मलूकापुर कला निवासी रजनीश कुमार ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि वह 7 सितंबर को पत्नी नंदिनी को शाहजहांपुर पीईटी का पेपर दिलाकर बाइक से आ रहा था। गोपालपुर और रसूल पनाह के बीच दोपहर 1.20 बजे दो बाइक सवारों ने पीछे से आकर उसकी पत्नी के गले से मंगलसूत्र और हाथ में पड़े उसके बैग को छीन लिया, जिसमें 2800 रुपये थे। दंपती के शोर मचाने और पीछा करने पर बाइक सवारों ने खाली बैग फेंक दिया और भाग गए। उसने दोनों बाइक सवारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

लोगों का कहना है कि घटना रसूलपनाह में दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद होने पर पुलिस ने उसी दिन छानबीन की, किंतु तीन दिन बाद भी खुलासा नहीं कर सकी है।

रोडवेज बस अड्डे पर हंगामा कर रहे युवक को गार्ड ने टोका तो हाथ में काटकर भागा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सोमवार रात रोडवेज बस अड्डे पर बाइक से आए युवक ने हंगामा किया। टोकने पर गार्ड से भिड़ गया और गाली-गलौज करते हुए हाथ में काटकर भाग गया। निगम की एक बस में चोरी का भी प्रयास किया गया।

यह स्थित तब है जब परिसर गेट पर रोडवेज पुलिस चौकी है। गार्ड की सूचना पर एआरएम ने कार्रवाई के लिए सदर कोतवाली में तहरीर दी है। उधर, रोडवेज चौकी इंचार्ज इसे रोडवेज के लोगों का बनाया खेल बता रहे हैं। रोडवेज बस अड्डे पर ड्यूटी पर तैनात गार्ड उमानाथ वाजपेयी ने बताया कि सोमवार रात करीब 11 बजे बुलट से एक युवक आया और सामने की तरफ जहां निगम की नई बसें खड़ी थीं उधर जाने लगा। पूछने पर युवक ने बाथरूम जाना बताया। बसों की सुरक्षा को लेकर जब बाहर जाने को कहा तो युवक गाली गलौज कर हाथापाई पर आमादा हो गया। इस पर चौकी पर मौजूद गार्ड को बुलाया। इसके बाद जब उसे पकड़ने का प्रयास किया तो वह हाथ में काटकर भाग गया।

बस अड्डा प्रशासन के मुताबिक डिपो को नई बसें मिली है, जिसमें से एक में चोरी करने की नीयत से चालक सीट का गेट सरिया आदि से खोलने का भी प्रयास हुआ है।गार्ड ने युवक की बाइक कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दी है। गार्ड की सूचना पर एआरएम ने सदर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है।

युवक का बचाव करते दिखे चौकी इंचार्ज

रोडवेज बस अड्डे पर सोमवार रात हुए बवाल को लेकर रोडवेज चौकी इंचार्ज तेज सिंह का कहना है कि गाली गलौज गार्ड ने की थी। बाकी कुछ नहीं हुआ है। यह सारा खेल रोडवेज के लोगों का है। जबकि डिपो के लोगों का कहना है कि आए दिन रोडवेज पर अराजकतत्व इकट्ठा होते हैं। चौकी पर पूरी रात सिर्फ एक पीआरडी जवान रहता है।

> सोमवार रात करीब 11 बजे ड्यूटी पर मौजूद एक युवक ने गाली गलौज कर हाथापाई की। इस दौरान जब गार्ड ने उसे पकड़ लिया तो युवक उसके हाथ में काटकर भाग गया। मामले में सदर कोतवाली में तहरीर देने के साथ प्रकरण के बारे में उच्चाधिकारियों को भी अवगत करा दिया है।
> -गीता सिंह, एआरएम लखीमपुर डिपो।

अस्पताल संचालक के खिलाफ कई धाराओं में रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, मितौली

● सील तोड़कर अस्पताल चालू करने पर की गई कार्रवाई

अमृत विचार: थाना मितौली पुलिस ने सीएचसी अधीक्षक की तहरीर पर अस्पताल की सील तोड़कर दोबारा ओपीडी चलाने वाले शिफा हॉस्पिटल के संचालक सीतापुर जिले के बड़ागांव निवासी जिबराइल के खिलाफ धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

22 अक्टूबर 2024 को दोपहर लगभग 12:35 बजे सीएमओ के आदेश पर गठित टीम ने निजी अस्पताल शिफा हॉस्पिटल कस्ता का निरीक्षण किया था। जांच में पाया कि अस्पताल का संचालन जिबराइल निवासी मुड़ा पोस्ट बड़ागांव (सीतापुर) के नाम चल रहा है। रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र, चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की शैक्षिक योग्यता, अग्निशमन यंत्र, विद्युत सुरक्षा और बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण संबंधी दस्तावेज मांगे तो वह नहीं दिखा सका। इस पर अस्पताल को नोटिस जारी कर सील किया था। इसके बावजूद सील तोड़कर अस्पताल संचालक ने पुनः चिकित्सा कार्य शुरू कर दिया।

29 जुलाई 2025 को दोपहर 11 बजे दोबारा छापेमारी की गई, जिसमें अस्पताल के संचालन की पुष्टि हुई। टीम ने अस्पताल बंद कराया और पुनः सील कर दिया। सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता के निर्देश पर पुलिस ने सीएचसी अधीक्षक मितौली डॉ. देवेंद्र कुमार की तहरीर पर अस्पताल संचालक जिबराइल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

सड़क दुर्घटनाओं में मवेशियों की मौत

संवाददाता, ममरी

गोला में नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● राष्ट्रीय बजरंग दल ने जताई चिंता नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार: राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सड़क दुर्घटनाओं में मवेशियों की मौत को लेकर एसडीएम को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा और गोवंशों की मौत पर रोक लगाने की मांग की।

बजरंग दल के जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया के नेतृत्व में नायब तहसीलदार भानुप्रताप सिंह को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि कस्बा संसारपुर एवं गोला में नेशनल हाईवे पर स्पीड ब्रेकर न होने से बड़े वाहन तेजी से चलते हैं, जिससे छुट्टा मवेशियों की दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है। दर्जनों मवेशियों की मृत्यु हो चुकी है और कई घायल हो चुके हैं। जिला उपाध्यक्ष अनुज वर्मा ने बताया कि गोला नगर में भी यही स्थिति है। पिछले कुछ दिनों में कई मवेशी घायल हुए हैं, जिनका उपचार कराकर गोशाला भेजा गया है।

जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया ने सुझाव दिया कि छुट्टा मवेशियों के गले में रेडियम बेल्ट बांधी जाए, जिससे वाहन चालक उन्हें देख सकें और दुर्घटनाएं टल सकें। ज्ञापन देते समय प्रदीप जायसवाल, पंकज शुक्ला, अनुज वर्मा, विक्रम सिंह, अंकित सिंह, विनोद यादव, मालता प्रसाद, मिथुन, सोनू बजरंगी, सौरभ राज, गणेशराम, मयंक यादव, अंशुल, जसपाल, राहुल चौहान, संजय कुमार सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समर्थ प्रदेश, विकसित प्रदेश थीम पर गोष्ठी में हुई चर्चा

चंद्रशेखर कृषि महाविद्यालय की गोष्ठी में बोलते अतिथि।. ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर का संघटक कृषि महाविद्यालय जमुनाबाद में उत्तर प्रदेश शासन का निर्धारित कार्यक्रम समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश/2047 अभियान पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम की प्रमुख तीन थीम अथ शक्ति, सृजन शक्ति, जीवन शक्ति के आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का मिशन समग्र विकास, आर्थिक नेतृत्व, सांस्कृतिक, पुनर्जागरण है। जिसमें प्रबुद्ध जन समिति द्वारा शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, एवं कृषकों से संवाद किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी एवं जिले के अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में लोगों ने प्रतिभाग कर कृषि एवं सम्बन्धित विभिन्न समस्याओं के समाधान एवं आवश्यक जरूरतों की जानकारी एवं आवश्यकता बताई।

युवाओं और प्रबुद्धजनों ने दिए विकास संबंधी सुझाव

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

गोष्ठी में मौजूद प्रबुद्धजन व छात्र। ● अमृत विचार

● विकसित भारत, विकसित शताब्दी संकल्प को लेकर हुई गोष्ठी

अमृत विचार: युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश शताब्दी संकल्प विषय पर गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें प्रबुद्धजन समिति के साथ विद्यार्थियों और शिक्षाविदों ने भाग लिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हेमंत कुमार पाल ने कहा कि विद्यार्थी विकसित भारत के सपने को साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस कुमुदलता श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा और सुशासन का संतुलित विकास राज्य को समृद्धि की ओर ले जा सकता है। वहीं, सेवानिवृत्त आईएफएस अजय श्रीवास्तव ने पर्यावरण संरक्षण और वैश्विक दृष्टिकोण को उत्तर प्रदेश की प्रगति के लिए अनिवार्य बताया।

मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार होगा। जब युवा शिक्षा, कौशल और नवाचार में आगे आएं। कार्यक्रम में कई प्रशासनिक अधिकारी, पूर्व अधिकारी, शिक्षाविद और शहर के प्रबुद्धजन शामिल हुए। गोष्ठी में कई महत्वपूर्ण सुझाव आए, जिनमें व्यावसायिक शिक्षा का विस्तार, खेल अवसंरचना का विकास, उच्च स्तरीय शोध सुविधाएं, लखीमपुर की रेल कनेक्टिविटी को दिल्ली जैसे बड़े शहरों से जोड़ना,

गोष्ठी को संबोधित करतीं सेवानिवृत्त आईएएस कुमुदलता श्रीवास्तव। ● अमृत विचार

डिजिटल क्लासरूम, राजकीय विश्वविद्यालय की स्थापना, जल निकासी व्यवस्था सुधार और नए शिक्षकों की भर्ती शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सौरभ वर्मा ने किया। बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी और शोधार्थी उपस्थित रहे।

पिकअप में नेपाल जा रही 85 बोरी यूरिया बरामद

संवाददाता, निघासन

● ढखेरवा पुलिस के छोड़ने पर इंस्पेक्टर ने पीछा कर पकड़ी पिकअप

अमृत विचार: फूलबेहड़ थाना क्षेत्र से यूरिया भरकर नेपाल जाने की सूचना पर ढखेरवा चौकी पुलिस ने पिकअप को पकड़ लिया, लेकिन उसे छोड़ दिया। इसकी जानकारी जब प्रभारी निरीक्षक थाना पढुआ को हुई तो उन्होंने पीछा कर पिकअप को पकड़ लिया। पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है।

सोमवार की रात ढखेरवा चौकी पुलिस को सूचना मिली कि एक पिकअप यूरिया भरकर नेपाल जा रही है। पुलिस बेरीकेडिंग लगाकर वाहनों को रोककर तलाशी लेने लगी। इस बीच यूरिया से लदी पिकअप आ गई। पुलिस ने उसे रोक लिया। यूरिया पकड़े जाने की सूचना पर तमाम लोग मौके पर पहुंच गए। बताते हैं कि आधे घंटे बाद ग्रामीण हटे तभी पुलिस ने चालक समेत पिकअप को छोड़ दिया। इसकी लोगों ने सूचना थाना पढुआ के प्रभारी निरीक्षक विवेक उपाध्याय को दी। मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक ने पीछा कर पिकअप को रोक लिया और थाने लाए। पूछताछ में पिकअप में मौजूद कुछ किसान अपना आधार या खरीद की रसीद नहीं दिखा पाए। संदेह के आधार पर पुलिस ने पिकअप और 85 बोरी यूरिया को कब्जे ले लिया। स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यूरिया किस दुकान से खरीदी और कहां ले जाया जा रहा था। विभागीय अधिकारी इस मामले में कोई जानकारी नहीं दे रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक विवेक कुमार उपाध्याय ने बताया कि मुखबिर की सूचना के बाद छापामार कार्रवाई की गई। पिकअप और लदी यूरिया खाद को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल के लिए कृषि और राजस्व विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

मदरसा नुरुल हुदा में नेत्र परीक्षण आज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग की ओर से मदरसा नुरुल हुदा, बिजलीपुरा में अध्यनरत छात्र-छात्राओं का नेत्र परीक्षण 10 को सुबह 9 बजे से किया जाएगा। यह जानकारी मदरसा प्रधानाचार्य इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां ने दी।

साधो दयाल कश्यप कोटेदार नियुक्त

जैतीपुर, अमृत विचार : कस्बा गढ़िया रंगीन में सरकारी राशन की दूसरी दुकान के चयन के लिए एडीओ पंचायत रामऔतार शर्मा और एडीओ आईएसबी विश्वास शुक्ला की अध्यक्षता में खुली बैठक हुई। बैठक में एक ही नामांकन पत्र प्राप्त होने पर साधो दयाल कश्यप को निर्विरोध कोटेदार चुना गया। गढ़िया रंगीन में केवल एक सरकारी राशन दुकान होने के कारण कार्ड धारकों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। इसी को देखते हुए शासन द्वारा दूसरी दुकान खोलने का प्रस्ताव दिया गया था।

सड़क हादसे में बाइक सवार दंपती घायल

तिलहर, अमृत विचार : हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दंपती घायल हो गए। शाहजहांपुर के अजीजगंज निवासी रामशरण पत्नी शिव प्यारी के साथ मंगलवार की सुबह कटरा रिश्तेदारी गए थे। शाम को घर लौटते समय हाईवे पर कौशल पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे दोनों गिरकर घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दंपति को तुरंत सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

किशोरी से छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना के उप निरीक्षक शिवम अग्रवाल ने बताया समपत सोनकर, निवासी बाडूजई द्वितीय थाना सदर बाजार के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। उसने एक किशोरी के साथ घर में घुसकर छेड़छाड़ की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया।

पत्नी, प्रेमी और पौत्री ने फंदा लगाकर की थी संजय की हत्या

तीनों फरार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, दूसरे दिन भी छावनी बना रहा कस्बा, अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया अंतिम संस्कार

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचार: जंगबहादुरगंज निवासी संजय कुमार की मौत मामले में नया मोड़ आया है। परिवार वालों ने मृतक की पत्नी, उसके प्रेमी और बेटी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। परिवार वालों का कहना है कि तीनों को उन्होंने संजय की हत्या करते देखा है। दूसरे दिन भी कस्बे में प्रशासनिक अफसरों के साथ भारी पुलिस बल तैनात रहा। अफसरों और पुलिस की मौजूदगी में शव का अंतिम संस्कार किया गया।

कस्बा जंगबहादुरगंज के मोहल्ला रामा कॉलोनी में रविवार देर शाम संजय कुमार (85) पुत्र बुद्धालाल का शव संदिग्ध हालात में उसके घर के कमरे में कुंडे में फंदे से लटका मिला था। मृतक की मां सावित्री देवी ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि रविवार शाम लगभग छह बजे वह घर के बाहर बैठी थी। तभी घर से चीख-पुकार की आवाज आई, वह अंदर पहुंची तो नजारा देखकर पैरों तले से जमीन खिसक गई। उसके बेटे संजय को बहू सीता उर्फ गीता देवी अपने प्रेमी गोलू हलवाई व पौत्री अंशिका देवी के साथ मारपीट करने के बाद गले में रस्सी का फंदा डालकर कसे हुए हैं। जब आरोपियों ने सावित्री को देखा तो उसे जान से मारने की धमकी देने के साथ ही संजय को कुंडे में लटकाने के बाद पीछे के दरवाजे से भाग गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। सोमवार शाम पोस्टमार्टम के बाद संजय का शव आने पर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग को लेकर मृतक के परिजन भीड़ के साथ मुख्य सड़क पर प्रदर्शन करने लगे थे। जिसके बाद पुलिस ने उनको समझाने के प्रयास किए और न मानने पर लाठी चार्ज कर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा था। इसके बाद तनाव और अधिक फैल गया। इसको लेकर दूसरे दिन कस्बे में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया। सुबह एसडीएम मोहम्मदी चालुअराजू आर, सीओ अरुण कुमार सिंह, तहसीलदार अरुण कुमार सहित कई थानों की पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी के साथ ही बसपा नेता जयवीर सिंह गौतम, शिक्षक नेता सियाराम दिनकर, उचौलिया प्रधान इंद्रपाल आदि की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया।

मौके पर मौजूद एसडीएम मोहम्मदी चालुअराजु आर, सीओ अरुण कुमार सिंह और अन्य अधिकारी व पुलिस। ● अमृत विचार

> पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर घटना की रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। जल्द ही सभी आरोपी गिरफ्तार होंगे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए फोर्स तैनात है। -अरुण कुमार सिंह, सीओ

मृतक के घर के पास तैनात फोर्स। ● अमृत विचार

घर पर शोकाकुल बैठी महिलाएं। ● अमृत विचार

प्रदर्शनकारियों की पिटाई से लोगों में नाराजगी

पसगवां। संजय के शव का अंतिम संस्कार होने के बाद सोमवार रात हुई पुलिस कार्रवाई के दौरान के कुछ वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें महिलाएं और परिजन पुलिस पर उत्पीड़न के आरोप लगा रही हैं। वायरल वीडियो के बाद बसपा नेता जयवीर गौतम, पॉलिटिकल जस्टिस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश सिद्धार्थ, भारतीय दलित पैंथर संगठन के मंडल प्रभारी मनोज कुमार आदि नेताओं ने आकर यहां जानकारी की। वे परिजनों के साथ साथ पुलिस अधिकारियों से भी मिले।

प्रेमी का आना-जाना बना झगड़े की वजह

पसगवां। पति-पत्नी में तीसरे के आने को लेकर झगड़ा काफी समय से चल रहा था। बीती 28 जनवरी को संजय की पत्नी सीता उर्फ गीता ने उसकी मां सावित्री देवी को मारा-पीटा था और उन्हें बचाने गये संजय को भी पीटा। संजय ने इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसमें आरोप था कि उसकी पत्नी आएदिन झगड़ा करती है। आरोप है कि संजय की पुत्री अंशिका भी अपनी मां का साथ देती थी। चर्चा है कि संजय की पत्नी ने पति को प्रेम में अड़चन बनने पर रास्ते से हटाने की प्लानिंग कर प्रेमी को लेकर आएदिन होने वाले झगड़ों से तंग आकर प्रेमी गोलू व पुत्री अंशिका के साथ मिलकर संजय की हत्या कर दी।

भारतेंदु हरिश्चंद्र को जयंती पर किया भावपूर्ण स्मरण

गोला के सीजीएन पीजी कॉलेज की गोष्ठी में मौजूद विद्यार्थी। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: सीजीएन पीजी कॉलेज में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की 175वीं जन्म जयंती पर उनका भावपूर्ण स्मरण किया गया। महाविद्यालय के कक्ष एल-11 में हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ हिन्दी विभाग प्रभारी डॉ. प्रशान्त सिंह एवं अन्य शिक्षकों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ किया। छात्रा प्रतिज्ञा अवस्थी ने सरस्वती वन्दना की।

हिन्दी विभाग के डॉ. जितेन्द्र कुमार ने भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को भारतेन्दु उपाधि कैसे मिली इस पर प्रकाश डाला तथा उर्दू पर व्यंग उर्दू का स्यापा कविता के माध्यम से किया। डॉ. सुनील गुप्ता ने हिंदी नव जागरण और भारतेंदु हरिश्चन्द्र पर अपनी बात रखी। साथ ही भारतेंदु आधुनिकता का प्रवेश द्वार स्वीकार किया। डॉ. मंजू शुक्ला ने अंधेर नगरी नाटक के बहाने शासक वर्ग पर व्यंग्य किया। राकेश कुमार अग्रहरि ने भारतेन्दु तथा उनके युग पर प्रकाश डाला।

गन्ना किसानों ने भुगतान न होने पर जताया रोष

संवाददाता, भीरा

अमृत विचार: सहकारी गन्ना विकास समिति भीरा की वार्षिक साधारण बैठक मंगलवार को समिति परिसर में हुई। बैठक में किसानों ने चेतावनी दी कि यदि पलिया चीनी मिल ने बकाया भुगतान नहीं किया तो वे गन्ना सप्लाई बंद कर गुलरिया चीनी मिल को आपूर्ति करेंगे।

बैठक में अध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह ने किसानों की मांग पर सहमति जताते हुए सचिव राजेश कुमार वर्मा को निर्देश दिया कि गन्ना आयुक्त को इस प्रस्ताव की सूचना भेजी जाए। किसानों ने आरोप लगाया कि पलिया चीनी मिल पर लगभग 17 करोड़ रुपये का भुगतान बकाया है। भुगतान न मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति खराब हो चुकी है और बैंकों ने आरसी जारी करना शुरू कर दिया है।

प्रगतिशील किसान मोहकम सिंह, डॉ. बच्चू सिंह, अभिषेक बाजपेई और वीरेंद्र दीक्षित समेत अन्य किसानों ने कहा कि जब तक बकाया नहीं मिलेगा, गन्ना पलिया चीनी मिल को नहीं देंगे।

डायरेक्टर डॉ. बच्चू सिंह ने समिति कार्यालय पर शुद्ध पेयजल और किसान हाल निर्माण की मांग उठाई। डायरेक्टर अनिल दीक्षित ने गुलरिया चीनी मिल पर बाहरी किसानों की पर्चियां पहले निकालने का आरोप लगाया और क्षेत्रीय किसानों को प्राथमिकता देने की मांग रखी। अध्यक्ष ने सचिव को इस पर भी आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में वरिष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक आशुतोष मधुकर, चरणपाल सिंह, अनिल कुमार, बच्चू सिंह, प्रेम अवस्थी समेत कई किसान और समिति निदेशक मौजूद रहे।

एजीएम की बैठक में मौजूद गन्ना किसान। ● अमृत विचार

● सहकारी गन्ना विकास समिति की हुई साधारण बैठक

युवक को खींच ले गया मगरमच्छ, शव बरामद

रोती-बिलखती मृतक की मां सुमन देवी। ● अमृत विचार

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: थाना क्षेत्र में खेत देखकर साथियों के साथ घर वापस आ रहे युवक को सुतिया नाला पार करते समय मगरमच्छ ने दबोच लिया और उसे गहरे पानी में खींचकर ले जाने लगा। साथी जब तक उसे बचा पाते। इससे पहले ही मगरमच्छ ने उसे नोच डाला, जिससे उसकी मौत हो गई।

श्रीवास्तव चौहान।

थाना क्षेत्र के गांव मुर्गहा निवासी बद्री प्रसाद चौहान का पुत्र श्रीवास्तव उर्फ कुक्कू (22) सोमवार शाम खेत देखने गया था। वह गांव के ही कुछ साथियों के साथ शाम करीब 6:30 बजे वह घर वापस आ रहा था। रास्ते में सुतिया नाला पार करते समय अचानक मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया और उसे दबोच कर गहरे पानी में ले जाने लगा। यह देख साथियों ने परिवार वालों और ग्रामीणों को सूचना दी। इस पर बड़ी संख्या में ग्रामीण व रोते-बिलखते परिवार वाले मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत की और जब तक उसे मगरमच्छ के मुंह से छुड़ाते तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। शव मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

शिक्षक-शिक्षिकाओं को किया गया सम्मानित

गोला के सरस्वती विद्या मंदिर कॉलेज में सम्मानित शिक्षक। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन कर कॉलेज के शिक्षक व शिक्षिकाओं के साथ ही नगर के सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह में प्रबंध समिति के कोषाध्यक्ष ईश्वरदीन वर्मा, प्रधानाचार्य राजकुमार कनौजिया ने कॉलेज के शिक्षकों को सम्मानित किया। साथ ही नगर के सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षक शिवसागर लाल वर्मा, बेनीराम श्रीवास्तव, देवीदीन वर्मा, शुभकरण वर्मा, गिरधारी लाल, अशोक अवस्थी, आदित्य कुमार अग्निहोत्री, रामचंद्र गुप्ता को विद्यालय की प्रबंध समिति द्वारा उनके शिक्षा के क्षेत्र में योगदान को देखते हुए सम्मानित किया गया। कोषाध्यक्ष ईश्वरउरीन वर्मा ने कहा कि शिक्षक जीवन जीते हुए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने सामाजिक जीवन से समन्वय स्थापित करते हुए भारत की उन्नति में अपना योगदान दिया। हमें अपने कर्तव्यों का पालन शिक्षक जीवन में करना चाहिए। प्रधानाचार्य राजकुमार कनौजिया समस्त श्रेष्ठ शिक्षकों के प्रति आभार ज्ञापित किया। संचालन आचार्य चंद्रेश अग्निहोत्री ने किया।

प्याज और लहसुन खेती के लिए किसानों को मिलेगा मुफ्त बीज

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जिले में प्याज और लहसुन की खेती को प्रोत्साहन देने के लिए किसानों को मुफ्त बीज उपलब्ध कराया जाएगा। शासन ने दोनों फसलों की खेती के लिए 50-50 हेक्टेअर क्षेत्रफल लक्ष्य तय किया है। इसके लिए पहले आओ पहले पाओ के आधार पर बीज का वितरण किया जाएगा। इच्छुक किसानों को ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन करना होगा। जिला उद्यान अधिकारी पुनीत कुमार पाठक ने बताया कि किसानों को वेबसाइट डीबीटी डाट यूपीहर्टिकल्चर पर ऑनलाइन आवेदन करना है। इसके अलावा जो किसान स्वयं ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें कार्यालय में आधार, बैंक पासबुक, खतौनी की छायाप्रति और दो पासपोर्ट साइज फोटो जमा करना होगा। उन्होंने बताया कि प्याज और लहसुन का बीज प्राप्त होते ही वितरण प्रारंभ किया जाएगा, जिसकी सूचना किसानों को पहले से दी जाएगी।

● पहले आओ पहले पाओ के आधार पर होगा बीज का वितरण

विद्यार्थियों ने लिया नियमित योग करने का संकल्प

योगाभ्यास करते छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश राज्य आयुष समिति के तत्वावधान में योग वेलनेस सेंटर महेवागंज ने ग्रीन फील्ड एकेडमी में योग शिविर आयोजित किया। शिविर का संचालन क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. सुमन कुमार के नेतृत्व में कार्यक्रम प्रबंधक सुरेंद्र सिंह व प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनय भारती के निर्देश में हुआ।

शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्रों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का संवर्धन करना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक बनाना रहा। इस अवसर पर संविदा योग प्रशिक्षक प्रिंस रंजन बरनवाल ने योग के महत्व एवं लाभों पर प्रकाश डाला, वहीं योग सहायक राजदीपिका तिवारी ने विभिन्न योगासन प्रदर्शित कर विद्यार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया। कक्षा 4 से 8 तक के छात्र-छात्राओं ने योगाभ्यास में भाग लिया और नियमित रूप से योग करने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि योग बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगा।

पंजाब में बाढ़ पीड़ितों के लिए भेजी राहत सामग्री

मितौली, अमृत विचार: पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए मुस्लिम समाज के लोगों ने मस्जिदों से चंदा इकट्ठा किया और राहत सामग्री भेजी। राशन, कपड़ा और अन्य जरूरी सामग्री मंगलवार को नूरी जामा और कादरी जामा मस्जिद से पंजाब भेजी गई। नूरी जामा मस्जिद के इमाम मौलाना इरफान कादरी और कादरी जामा मस्जिद के इमाम मौलाना शान मोहम्मद ने मस्जिदों से ऐलान कर कहा कि हर संभव मदद के लिए आगे आएं। लोग अपने घरों से राशन, कपड़ा और आर्थिक सहायता लेकर राहत टीम को सौंपते गए। इसके अलावा, क्षेत्र की बीरमपुर, खंजननगर, कस्ता आदि की मस्जिदों से भी राहत सामग्री भेजी गई। इस मौके पर समाजसेवी महबूब हसन, अखिलेश मिश्र, बब्बू रस्तोगी, फारूक किराना, कल्लू टेलर, जीशान, आमिर, इमरान खान सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

सिलाई-कढ़ाई और कम्प्यूटर सीखने को कराएं पंजीकरण

शाहजहांपुर, अमृत विचार: मदरसा नुरुलहूदा मिनी आईटीआई, बिजलीपुरा में निर्धन छात्र-छात्राओं को निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई और कम्प्यूटर का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मदरसा प्रधानाचार्य इकबाल हुसैन उर्फ फूलमियां ने बताया मदरसे में मिनी आईटीआई संचालित है, जिसमें छात्र-छात्राएं पहले से ही प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। बताया कि प्रशिक्षण के इच्छुक छात्र-छात्राएं पंजीकरण करा दें।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

7906732664, 8445507002

सूचना

मेरे तीन पुत्र रामप्रकाश, गेंदनलाल व राजेश है जिनमें से मेरे दो पुत्रों की मृत्यु हो चुकी है। मैं चन्द्रवती पुत्रवधू रामप्रकाश को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **गंगादेवी पत्नी वेवा गुलाब सिंह निवासी मीरा जी चौकी तह. व जिला बदायूं**

सूचना

UGC मानकनुसार निम्नवत् विषयों हेतु 01 प्रवक्ताओं की अतिशीघ्र

आवश्यकता है

जिसका विवरण निम्नवत् है:-

01. बी.ए.:- गृहविज्ञान, अर्थशास्त्र, चित्रकला, शिक्षाशास्त्र, हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र।

02. बी.एस.सी:- जन्तु विज्ञान 01, वनस्पति विज्ञान- 01, रसायन विज्ञान- 01, भौतिक विज्ञान- 01, गणित- 01 आदि

कृष्णा स्नातकोत्तर महाविद्यालय

लालपुर आजादपुर बण्डा, शाहजहांपुर

मो. 9759848050, 9621277033

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी बी.टेक फाइनल इयर वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1809140117 व सर्टिफिकेट नं. बी.टेक/2022/12706 की अंक तालिका व डिग्री सर्टिफिकेट जोकि जे.एस.एस. कॉलेज, नोएडा से जारी किए गए थे, वास्तव में कहीं खो गये हैं जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिले है। **शाश्वत वत्स पुत्र श्री रविन्द्र कुमार सिंह निवासी सेक्टर 3/61 ग्रेटर ग्रीन पार्क, बरेली (उ.प्र.)**

सूचना

मैंने अपने पुत्र आयुष सक्सेना व पुत्रवधु दिव्यांशी जौहरी को उनके दुर्व्यवहार के कारण सम्बंध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में वह अपने लेन-देन, कृत्यों आदि के स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता ना होगा। **मनोज सक्सेना पुत्र नरेंद्र मोहन सक्सेना, नि-321, कर्मचारी नगर गली नंबर-4, थाना इज्जत नगर, बरेली।**

आवश्यकता है

दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की

संपर्क करें

कंपटीशन बुक हाउस

कॉलेज बुक हाउस

5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट बरेली

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट वर्ष 2021 जिसका अनुक्रमांक 210930687 है। जो कि वास्तव में कहीं खो गयी है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **अमन कुमार गौतम पुत्र श्री मनोज कुमार निवासी ग्राम कृष्णा नगर कॉलोनी, थाना सम्पूर्णा नगर जिला खीरी (उ.प्र.)**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

पीएम आवास के लिए 1.40 लाख परिवारों ने किए आवेदन

शाहजहांपुर, अमृत विचार: प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत छत प्राप्त करने के लिए जिले के 1.40 लाख परिवारों ने ऑनलाइन आवेदन किया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अभी जिले को लक्ष्य नहीं मिला है, जिससे अधिकारी और आवेदकों में उहापोह की स्थिति है। परियोजना निदेशक अवधेश राम ने बताया कि पिछले वर्ष 2024-25 में 1400 परिवारों को पीएम आवास दिया गया था। चालू वर्ष में जिले को लक्ष्य आवंटित नहीं हुआ है। एप के माध्यम से जिले के 1.40 लाख परिवारों ने पीएम आवास के लिए आवेदन किया है, जिनका सर्वे कराकर पात्र अभ्यर्थियों की सूची बनाई जाएगी।

छात्रों ने खाद्य संरक्षण समेत कई मॉडल किए प्रस्तुत

विज्ञान प्रदर्शनी में मॉडलों का निरीक्षण करते मुख्य अतिथि संजय वर्मा ● अमृत विचार

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: विद्या भारती विद्यालय सरजू सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित हुई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने खाद्य संरक्षण, जल, कृषि समेत कई मॉडल प्रस्तुत किए, जिनका मुख्य अतिथि ने अवलोकन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ हुई। विद्यालय के प्रधानाचार्य अजीत सिंह तथा मुख्य अतिथि संजय वर्मा, लक्ष्मी नारायण वर्मा, राजेश प्रताप सिंह और श्री सुरेश मौजूद रहे।

किसान ने कीटनाशक पीकर की आत्महत्या

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: कस्बे के पटेल नगर में दो बीघा जमीन का बैनामा करा लिया। बाद में उसको पूरा रुपया भी नहीं दिया। इससे क्षुब्ध होकर किसान ने घर में रखी कीटनाशक दवा पी ली। दो दिन बाद उसकी मौत हो गई।

संतराम।

पटेल नगर निवासी चुन्नी देवी ने बताया कि उसका पति संतराम (40) का दिमागी संतुलन सही नहीं था। उसका इलाज दिनेश दुआ के यहां चल रहा था। अटल नगर के एक युवक ने डेढ़ लाख रुपये में दो बीघा जमीन का बैनामा करा लिया। आरोप है कि उसके बदले में उसे रुपये भी नहीं दिए, जबकि उसकी जमीन की कीमत 10 लाख रुपये थी। आरोप है कि जब पति संतराम रुपये लेने गया तो उसको गाली देकर भगा दिया। इससे क्षुब्ध होकर संतराम ने घर में रखी कीटनाशक दवा पी ली। हालत खराब होने पर परिजन पहले सीएचसी फिर जिला अस्पताल ले गए थे, लेकिन कोई सुधार न होने पर डॉक्टर ने लखनऊ रेफर कर दिया।

आर्थिक स्थिति सही न होने के कारण परिजन उसे घर ले आए। घर में उसकी मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक महेश चंद्र ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मामले में कुछ कहा जा सकता है।

बैंक वालों ने जबरन कराए थे हस्ताक्षर

चुन्नी देवी ने बताया कि कस्बे के इंडियन बैंक से उसने कर्ज लिया था। छह दिन पहले बैंक वाले आए थे और कर्जा जमा करने का दबाव बना रहे थे। मोहलत मांगने पर उन्होंने जबरन हस्ताक्षर करवा लिए थे। आरोप है कि बैंककर्मी कैश ले जाने वाली गाड़ी आदि लाकर उसे जेल में बंद कराने की धमकी दी थी। इससे भी वह परेशान था।

● जमीन का रुपया नहीं मिलने पर उठाया कदम

● कर्ज जमा करने को बैंक दबाव से था परेशान

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 10 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

जनशिकायतों के निस्तारण में देवीपाटन मंडल अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : आईजीआरएस की अगस्त माह की रिपोर्ट में देवीपाटन मंडल ने जन शिकायतों के निस्तारण में बाजी मारी। मीरजापुर मंडल ने दूसरा और अलीगढ़ मंडल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। बस्ती चौथे और प्रयागराज पांचवां स्थान पर रहा। देवीपाटन मंडल को120 में से 105 अंक प्राप्त हुए हैं और सफलता दर 87 .50 प्रतिशत है। इसी तरह मीरजापुर मंडल को पूर्णांक 120 में से 96 अंक प्राप्त हुए हैं और सफलता दर 80 प्रतिशत है। अलीगढ़ मंडलायुक्त संगीता सिंह ने बताया कि मंडल को पूर्णांक 120 में से 93 अंक प्राप्त हुए हैं और सफलता दर 77 .50 प्रतिशत है।

खट्टर ने की स्वच्छता अभियान की सराहना

अमृत विचार, लखनऊ : स्वच्छता पखवाड़ा पर सभी राज्यों की बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने पिछले वर्ष के 155 घंटे निरंतर सफाई अभियान में उत्तर प्रदेश के उल्लेखनीय प्रयासों की सराहना की। इस वर्ष, राज्य ने एक और भी बड़ी पहल के तहत 156 घंटे निरंतर सफाई अभियान चलाने की की घोषणा की है। यह अभियान 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक, राष्ट्रव्यापी स्वच्छता आंदोलन के साथ चलेगा।

शिक्षा के साथ ऐसा खिलवाड़ कभी नहीं हुआ : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार ने शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। भाजपा की गलत नीतियों ने छात्रों, नौजवानों का भविष्य खराब कर दिया है। शिक्षा के साथ ऐसा खिलवाड़ कभी नहीं हुआ जैसा भाजपा सरकार में हो रहा है। अखिलेश ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि सभी विश्वविद्यालयों के वाइस चांसलर और वहां के वित्तीय अनियमितताओं व परीक्षा घोटालों की भी जांच हो। शिक्षकों की नियुक्तियों में आरक्षण घपले की जांच हो।

सिंचाई उपकरणों पर 90 फीसदी तक अनुदान

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ड्रिप सिंचाई प्रणाली को बढ़ावा दे रही है। इस योजना में ड्रिप, मिनी, माइक्रो स्प्रिंकलर पर लघु एवं सीमांत कृषकों को लागत का 90 प्रतिशत एवं अन्य कृषकों को 80 प्रतिशत अनुदान और पोर्टेबल, सेमी परमानेंट, रेनगन स्प्रिंकलर पर लघु एवं सीमांत कृषकों को लागत का 75 प्रतिशत एवं अन्य कृषकों को 65 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। कृषक इस योजना का लाभ लेने के लिए www.uphorticulture.gov.in व www.upmip.in वेबसाइट पर जा सकते हैं या जनपदीय उद्यान अधिकारी या मंडलीय उप निदेशक उद्यान से संपर्क कर सकते हैं।

एक उत्सव की तरह मनेगा स्वच्छता पखवाड़ा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से महात्मा गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक प्रदेशभर में स्वच्छता ही सेवा 2025 पखवाड़ा मनाया जाएगा। इसके लिए नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मंगलवार को राजधानी स्थित संगम सभागार में विभागीय अधिकारियों के को तैयारियों की समीक्षा कर पखवाड़े को उत्सव की तरह मनाने के निर्देश दिए। मंत्री ने सभी नगर निगमों और निकायों को वार्ड स्तर पर विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस दौरान बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, स्कूल-कॉलेज, रामलीला स्थल और सार्वजनिक जगहों पर विशेष सफाई अभियान चलेगा। मंत्री ने खास तौर पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर सफल बनाने के साथ वार्डवार पूरी क्षमता से स्वच्छता अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए।

नगर विकास परियोजनाओं पर होंगे 10.40 करोड़ खर्च

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य स्तरीय तकनीकी समिति (एसएलटीसी) की बैठक में नगर विकास की परियोजनाओं पर 10 .40 करोड़ रुपये खर्च करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने की। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं की तकनीकी समीक्षा और उनकी समयबद्ध क्रियान्वयन योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। समिति ने पारदर्शिता, गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए। निर्णय के अनुसार यह राशि नगर विकास योजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ाने और योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से लागू करने में खर्च की जाएगी।प्रमुख सचिव ने कहा कि समिति की यह पहल नगर क्षेत्र में समग्र विकास और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

अपनों को आत्महत्या से बचाने के लिए मिजाज पर रखें ध्यान

पंकज द्विवेदी, लखनऊ

अमृत विचार : अपने आसपास रहने वालों के मिजाज का ध्यान रखें तो कोई आत्महत्या नहीं कर पाएगा। मनोरोग विशेषज्ञों का शोध बताता है कि आत्महत्या करने वाले लोगों के व्यवहार में कुछ दिनों से बदलाव आना शुरू हो जाता है। यह लोग गुमसुम रहने लगते हैं। खुद को अलग-थलग कर लेते हैं।

कोई बड़ा नुकसान भी आत्महत्या के लिए मजबूर बना देता है। 15 से 29 साल के युवाओं में इसकी प्रवृत्ति बढ़ी है, जो चिंताजनक है। यह जानकारी किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख प्रो. विवेक अग्रवाल ने साझा की। वह मंगलवार को विभाग में 'आत्महत्या की जिम्मेदार मीडिया रिपोर्टिंग' विषय पर पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। प्रो. विवेक अग्रवाल ने कहा की कई बार देखा गया है कि आत्महत्या की घटना होने पर मीडिया में आत्महत्या करने के तरीके को बता दिया जाता है। जिसका सीधा असर उन लोगों पर पड़ता है, जिनके मन में आत्महत्या के विचार उत्पन्न हो रहे होते हैं। अध्ययन के मुताबिक दुनिया में प्रत्येक वर्ष करीब 7. 20 लाख लोग आत्महत्या कर रहे हैं। जबकि आत्महत्या का प्रयास करने का आकड़ा इससे 20 गुना अधिक है।

विश्व आत्महत्या दिवस आज

- **दुनिया में प्रत्येक वर्ष करीब 7.20 लाख लोग कर रहे खुदकुशी**

कुछ न्यूज चैनल्स में खुदकुशी दिखाना भी बड़ा कारण

- मनोचिकित्सक डॉ. सुजीत कुमार कर ने बताया कि वर्ष 2020 में एक्टर सुशांत सिंह राजपूत केस के बाद देखा गया कि अचानक से आत्महत्या करने का ग्राफ बढ़ गया था। इसकी बड़ी वजह कुछ न्यूज चैनल्स में बार-बार केस को दिखाना। आत्महत्या के तरीके के बारे में बताना पाया गया। ऐसे ही कुछ फिल्में भी रिलीज हुईं उनमें भी आत्महत्या के तरीकों को बताया गया था। जिससे आत्महत्या की दर बढ़ गई थी। ऐसी खबरें आने से यदि किसी ने कभी प्रयास किया है तो दोबारा संभावना बढ़ जाती है।

देश में हर साल 1.70 लाख से अधिक लोग करते खुदकुशी

- डॉ. मोहिता जोशी ने बताया देश में आत्महत्या की समस्या भयावह रूप ले चुकी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2022 रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रत्येक वर्ष 1,70,924 लोग आत्महत्या कर जान गंवा देते हैं। इस तरह देश में हर साल करीब 34,18,480 लोग आत्महत्या का प्रयास करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का आकलन है कि वास्तविक संख्या रिपोर्टेड मामलों से तीन गुना ज्यादा हो सकती है। इसका अर्थ है कि असल स्थिति कहीं अधिक गंभीर है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि तनाव, अवसाद, आर्थिक तंगी, पारिवारिक कलह और सामाजिक दबाव आत्महत्या की बड़ी वजहें हैं। विशेषज्ञों का सुझाव है कि समय रहते मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाना, हेल्पलाइन सुविधाओं का विस्तार और समाज में खुलकर बातचीत करने का माहौल बनाना बेहद जरूरी है।

आत्महत्या का कारण सिर्फ तनाव नहीं

- डॉ. सुजीत कुमार के मुताबिक अक्सर आत्महत्या की पीछे तनाव बड़ा कारण माना जाता है, जबकि ऐसा नहीं हैं। इसके पीछे की वजह कई होती हैं। जिन पर खुलकर बात करने की जरूरत है। हमें समझना होगा की मरने से ज्यादा वजह जिंदा रहने की होती है। डॉ. आदर्श त्रिपाठी ने कहा कि आत्महत्या करना किसी समस्या का हल नहीं है बल्कि यह परिवार के लिए दुखदायी होता है। आत्महत्या करने वाले अपनी परेशानी परिवार पर डाल देता है, जबकि उम्मीद नहीं खोनी चाहिए। ऐसी कोई परेशानी नहीं जिसका हल न हो। लिहाजा परेशानी से ज्यादा उसके निदान के बारे में विचार करने की जरूरत है। डॉक्टर की सलाह पर पूरा इलाज करें। काउंसलिंग कराएं। परिवार के लोग पीड़ित का सपोर्ट करें। समाज का साथ भी ऐसे लोगों के लिए जरूरी होता है। कार्यक्रम में डॉ. वंदना गुप्ता और डॉ. रश्मि शुक्ला ने भी जानकारी साझा की।

ऐसे लोग ज्यादा उठाते हैं आत्मघाती कदम

- कुछ भी समझ न पाना
- आर्थिक, सामाजिक, मानसिक या अन्य का नुकसान
- ज्यादा नशा करने वाले
- परिवार में किसी ने किया हो
- आवेग वाले व्यक्ति जो लोग किए गए कार्य के परिणाम के बारे में नहीं सोचते

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने को लगेंगे रोजगार मेले

अमृत विचार, लखनऊ : दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योगी सरकार ने व्यापक रणनीति बनाई है।

रोजगार मेलों के माध्यम से उन्हें स्वरोजगार और नौकरी के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए विभागीय स्तर पर शिविर और कार्यक्रम आयोजित होंगे। दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि इससे न सिर्फ दिव्यांगजनों को सामाजिक और आर्थिक मजबूती मिलेगी, बल्कि उनकी प्रतिभा को भी पहचान मिलेगी।

विदेशी कंपनियों का मुनाफा आतंक का ईंधन

योगी ने बस्ती में किया सरस्वती विद्या मंदिर का भूमि पूजन, दिलाया मेड इन इंडिया का संकल्प

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/बस्ती

बस्ती जिले के बसहवा गांव में सरस्वती शिशु मंदिर का भूमि पूजन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। साथ में अन्य लोग।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब पैसा विदेशी कंपनियों के पास जाता है तो उसका मुनाफा भारत में नहीं, बल्कि आतंकवाद में खपता है। पहलगाम जैसी आतंकी वारदातों के पीछे वही पूंजी काम करती है। ऐसे में ''वोकल फॉर लोकल'' और ''मेड इन इंडिया'' अब केवल अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और समृद्धि का संकल्प हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि आजादी के बाद जो कार्य सरकार को करना चाहिए था, उस दायित्व को आरएसएस ने स्वीकारा।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को बस्ती के बसहवा में सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के भूमि पूजन और शिलान्यास करने के बाद बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने पौधरोपण किया और पुस्तक का विमोचन भी किया। सीएम ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद जब सरकारें भारतीय शिक्षा मॉडल विकसित करने में विफल रहीं, तब नानाजी देशमुख ने गोरखपुर से सरस्वती शिशु मंदिर की नींव रखी। आज बिना सरकारी सहयोग के 12 हजार से अधिक विद्यालय विद्या भारती के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में जुटे हैं। ये संस्थान सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि भारतीयता, संस्कृति और राष्ट्रीयता के भाव से ओतप्रोत नागरिक तैयार कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि गुलामी की सोच ने भारत को अपनी जड़ों से काटा। हमने सुहेलदेव जैसे वीरों को भुला दिया और आक्रमणकारियों को पूजना शुरू कर दिया।

भारत ने पुरुषार्थ से समृद्धि बनाई

- मुख्यमंत्री ने गुलामी के अंशों को सर्वथा समाप्त करने पर भी चर्चा की। बोले कि गुलामी की मानसिकता देश के अंदर छा गई थी। भारतीय को हेय और विदेशी को संपन्न की दृष्टि से देखे जाने लगा। इस दुष्प्रवृत्ति पर 11 वर्ष में आपने रोक लगाते हुए देखा होगा। जो भारतीय है, वह सर्वश्रेष्ठ है और वह ऐसा इसलिए है, क्योंकि जो विदेशियों ने भारत को लूटकर अर्जित किया है, जबकि भारत ने अपने पुरुषार्थ से समृद्धि को बनाया था। 400 वर्ष पहले भारत दुनिया की नंबर एक अर्थव्यवस्था थी। सीएम ने कहा कि हम आपस में बंटे थे, इसलिए देश गुलाम हुआ था।

शिक्षा से शुरू होता है आत्मनिर्भर भारत का रास्ता

- मुख्यमंत्री ने कहा कि समृद्ध राष्ट्र की नींव शिक्षा से ही पड़ती है। जब योजनाबद्ध तरीके से काम होता है, तभी देश सशक्त बनता है। सोशल मीडिया से बच्चों को सावधान करते हुए सीएम ने कहा कि यह दोधारी तलवार है। जहां शिक्षकों ने वर्चुअल क्लास से बच्चों को पढ़ाया, वहीं फेक अकाउंट समाज को तोड़ने में लगे हैं। उन्होंने युवाओं को सतर्क रहकर डिजिटल दुनिया का सही उपयोग करने की सलाह दी।

निजी स्कूलों में गरीब बच्चों के प्रवेश पर कड़ी निगरानी

- **अमृत विचार, लखनऊ :** योगी सरकार ने गरीब बच्चों को निजी स्कूलों में प्रवेश दिलाने की प्रक्रिया को और कड़ा बनाते हुए सख्त नियम और निगरानी के साथ लागू कर दिया है। शिक्षा विभाग ने शासनादेश जारी करते हुए कहा कि आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन होंगे और इसके लिए माता-पिता व बच्चे का आधार कार्ड अनिवार्य होगा।पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं में प्रवेश की आयु सीमा 3 से 6 वर्ष और कक्षा-1 के लिए 6 से 7 वर्ष निर्धारित की गई है। पहली बार जिलास्तर पर क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी करेंगे। समिति में दर्जन भर से अधिक जिला स्तरीय अधिकारी सदस्य होंगे, जो पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। प्रवेश आवेदन और प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न विवादों का त्वरित निस्तारण चार सदस्यीय विवाद समाधान समिति करेगी, जिसका नेतृत्व सीडीओ करेंगे।बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि योजना का लाभ अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग, अनाथ, निराश्रित, एचआईवी/एड्स व कैंसर पीड़ित अभिभावकों के बच्चे, दिव्यांग परिवारों के बच्चे और वार्षिक आय 1 लाख तक वाले परिवारों के बच्चों को मिलेगा।

पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया

- सभी आवेदन www.rte25.upsdc.gov.in पोर्टल पर होंगे। विद्यालयों को अपनी सीटों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करनी होगी और आवंटित छात्रों की सूची सार्वजनिक की जाएगी। निजी स्कूलों में प्रवेश पाने वाले बच्चों की फीस का भार सरकार उठाएगी और ड्रेस-किताबों के लिए अभिभावकों के बैंक खाते में वार्षिक 5,000 सीधे उपलब्ध कराए जाएंगे।

स्किल्ड युवा और सशक्त गांव बनेंगे 'विकसित यूपी' की पहचान

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'विकसित यूपी @2047' विजन को अमलीजामा पहनाने के लिए गांव और युवाओं को केंद्र में रखते हुए रणनीति तय की है। सरकार मानती है कि अगर हर युवा को कौशल और हर गांव को आधारभूत सुविधाएं मिलें, तो यूपी 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। 2017 से पहले प्रदेश में तकनीकी शिक्षा का ढांचा कमजोर था और गांवों में सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। योगी सरकार ने बीते साढ़े आठ वर्षों में इन दोनों मोर्चों पर ऐतिहासिक कार्य किए हैं। प्रदेश में अब 3310 आईटीआई और 2138 पॉलीटेक्निक संस्थान हैं। 49.86 लाख युवाओं को टैबलेट-स्मार्टफोन देकर डिजिटल सशक्तिकरण किया गया। ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अब तक 56.90 लाख पक्के मकान, 1385 किमी नई सड़कें और 25 हजार किमी चौड़ीकरण का कार्य हुआ।

रूस यूपी को देगा बैंकिंग ऊर्जा, स्किलिंग में सहयोग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो - 2025 में इस बार रूस के पार्टनर कंट्री बनने से उत्साह**
- **'डूइंग बिजनेस इन रूस' पर होगा नॉलेज सेशन, सांस्कृतिक दल भी करेगा प्रस्तुति**

अमृत विचार : ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में इस बार रूस को पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल किया गया है। रूस सरकार ने प्रदेश सरकार के आमंत्रण को स्वीकार करते हुए इस भव्य आयोजन में भागीदारी की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। रूस की भागीदारी से बैंकिंग, ऊर्जा, स्किलिंग, शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में यूपी को नए अवसर मिलने की उम्मीद है।

रूस से आने वाला उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल इन क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों, उद्यमियों और अधिकारियों का होगा, जो यूपी सरकार के मंत्री स्तरीय अधिकारियों से भी संवाद करेंगे। इस ट्रेड शो में 'डूइंग बिजनेस इन रूस' पर एक विशेष नॉलेज सेशन भी आयोजित किया जाएगा। इसमें उत्तर प्रदेश और भारत के उद्योगपतियों को रूस में व्यापार व निवेश के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।इसके अलावा रूस का 9 सदस्यीय सांस्कृतिक दल ट्रेड शो में रूसी लोक कला, नृत्य और संगीत की प्रस्तुति देगा। इससे भारत-रूस के सांस्कृतिक संबंध और मजबूत होंगे।

पिछले वर्ष यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में वियतनाम को पार्टनर कंट्री बनाया गया था, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार और पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी।

अब रूस की भागीदारी से इस साल के आयोजन को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठा मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेश का हब बन रहा है, और इस तरह के आयोजनों से प्रदेश की उद्योग नीति को और बल मिलेगा।

यूपीआईटीएस- 2025 से जुड़ी खास बातें

- **आयोजन स्थल :** इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा
- **तिथियां :** 25 से 29 सितंबर 2025
- **उद्घाटन :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी
- **पार्टनर कंट्री :** रूस
- **मुख्य फोकस :** बैंकिंग, ऊर्जा, तकनीक, शिक्षा, स्किलिंग
- **सांस्कृतिक प्रस्तुति :** रूस का 9 सदस्यीय दल
- **विशेष सत्र :** 'डूइंग बिजनेस इन रूस'

लोकायुक्त ने राज्यपाल को वर्ष 2024 का प्रतिवेदन सौंपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **लोक सेवकों के खिलाफ पद के दुरुपयोग के मामलों में कार्रवाई की संस्तुति की**

अमृत विचार: लोकायुक्त संगठन ने चार आईएएस अधिकारियों, 10 नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्षों समेत 93 अन्य लोक सेवकों के खिलाफ भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग के मामलों में जांच के बाद कार्रवाई करने की संस्तुति सरकार से की है।

राजभवन में लोकायुक्त न्यायमूर्ति संजय मिश्रा ने मंगलवार को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल को संगठन का वर्ष 2024 का प्रतिवेदन सौंपा, जिसमें जांचों में दोषी पाए गए लोकसेवकों का उल्लेख है। हालांकि विधानसभा के पटल पर रखे जाने के कारण लोकायुक्त संगठन ने दोषी लोकसेवकों के नाम उजागर नहीं किए। वर्ष 2024 में अलग-अलग मामलों में राज्य सरकार को 31 प्रतिवेदन, 20 संस्तुति और 4 विशेष प्रतिवेदन भेजे गए।

प्रतिवेदन सौंपे जाने के इस मौके पर उप लोकायुक्त दिनेश कुमार सिंह, सुरेंद्र कुमार यादव, सचिव डॉ. रीमा बंसल, मुख्य अन्वेषण अधिकारी त्रिपुरारी मिश्रा, संयुक्त सचिव राजेश कुमार और जनसंपर्क अधिकारी अवनीश शर्मा मौजूद रहे।

लखनऊ स्थित शक्ति भवन में भाकियू भानू गुट की अगुवाई में धरने पर बैठे किसान। अमृत विचार

बिजली और पानी के लिए किसानों ने घेरा शक्तिभवन

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय किसान यूनियन (भानु गुट) के नेतृत्व में मंगलवार को हजारों किसानों ने राजधानी में शक्ति भवन के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदेशभर के 19 जिलों से 4000 से अधिक किसान किसान ट्रैक्टर और खुले वाहनों से लखनऊ पहुंचे और धरने में शामिल हुए।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अन्नू ने कहा कि किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने नलकूपों के लिए कम से कम 15 घंटे बिजली की मांग की। आरोप लगाया कि विभाग हर दो घंटे में बिजली काट देता है, जिससे सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा खराब ट्रांसफॉर्मर 24 घंटे में बदलने, नलकूप की बिजली पूरी तरह मुफ्त करने की मांग भी की। आवारा पशुओं और उवर्रक न मिलने की समस्याएं भी उठाईं।संगठन के महासचिव रणविजय सिंह ने आरोप लगाया कि किसानों से किए गए सरकार के वादे पूरे नहीं हुए हैं।

ढिलाई आयोग की चुप्पी और शासन की सुस्ती बनी बाधा, अभिलेख तक नहीं सौंपे

यूपी में भर्ती घोटालों की सीबीआई जांच पर जमी धूल

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- **सख्त हुए मुख्यमंत्री, यूपीपीएससी और शासन को दस्तावेज़ों सौंपने के निर्देश**
- **सीबीआई ने कई बार समन भेजे, लेकिन कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं दिखा**

अमृत विचार : प्रदेश में बहुचर्चित भर्ती घोटालों की सीबीआई जांच सालों से अधर में लटकी हुई है। भर्ती आयोग की चुप्पी और शासन की सुस्ती से अभिलेख तक नहीं सौंपे गए। करीब 60 हजार समन के बावजूद संबंधित एजेंसी, आयोग के अफसर-कर्मी, शासन और सत्ता से जुड़े लोग सहयोग करने नहीं आए। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोषियों को कठोर सजा दिलाने के शख्त निर्देश देते हुए यूपीपीएससी और शासन को दस्तावेजों सौंपने को कहा है।

योगी सरकार बनने के बाद प्रदेश की पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल (2012-2017) के दौरान हुई हजारों भर्तियों में बड़े पैमाने पर धांधली, भाई-भतीजावाद और अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ की शिकायतें सामने आने के बाद सीबीआई के जांच के आदेश दिए गए थे। वहीं, विधानसभा सचिवालय और विधान परिषद में की गई नियुक्तियों की जांच भी कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई को सौंपी गई थी, लेकिन इसमें भी अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी है। जांच की रफ्तार पर सवाल कई बार खुद सीबीआई के शीर्ष अधिकारियों ने खड़े किए थे। जांच एजेंसी ने राज्य सरकार और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) पर सहयोग न करने का आरोप लगाते हुए मुख्य सचिव तक को पत्र भी लिखा।

सीबीआई सूत्रों के अनुसार, भर्ती घोटाले में अभियोजन स्वीकृति और आवश्यक दस्तावेज़ आयोग द्वारा अब तक उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। सीबीआई ने 60 हजार से अधिक समन भेजे, 10 हजार से अधिक अभ्यर्थियों के बयान दर्ज किए। लेकिन कार्रवाई के नाम पर ज़मीन पर कुछ नहीं दिखा। इससे न केवल जांच प्रभावित हो रही है, बल्कि न्याय की प्रक्रिया भी मंद पड़ गई है।

सीएम योगी सख्त, 15 दिन में सौंपे अभिलेख

- 2016 में अर्पित सिंह नाम से छह लोग एक्स-रे टेक्नीशियन के पद पर छह जिलों में भर्ती होने का मामला सामने आने पर मुख्यमंत्री योगी को हकीकत पता चली कि शासन ही सहयोग नहीं कर रहा है तो सख्त हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने कार्मिक विभाग, गृह विभाग और विशेष सचिव (न्याय) को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सीबीआई को सभी आवश्यक दस्तावेज 15 दिनों में सौंपे जाएं। अभियोजन स्वीकृति और तकनीकी सहयोग तत्काल मुहैया कराएं, जिससे जांच में तेजी आए।

इन भर्तियों में गड़बड़ी हुई थी

- **यूपीपीएससी पीसीएस भर्तियाँ (2012–2015) :** लगभग 45,000 पदों पर हुई नियुक्तियों में भाई-भतीजावाद, उत्तरमाला से छेड़छाड़, इंटरव्यू में पक्षपात जैसे गंभीर आरोप। कई अभियर्थियों के अंक बदले गए।
- **अपर निजी सचिव भर्ती (2010) :** मायावती सरकार के दौरान शुरू हुई यह भर्ती, सपा शासन में पूरी हुई। मेरिट में बार-बार बदलाव और मनचाहे अभ्यर्थियों की नियुक्ति का आरोप।
- **शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीईटी पद- 68500) :** मूल्यांकन में गड़बड़ी, ओएमआरशीट में हेरफेर और सलेक्शन लिस्ट में फर्जीवाड़ा।
- **विधानसभा/विधान परिषद सचिवालय भर्ती :** विधानसभा में चहेतों की भर्ती को लेकर उच्च न्यायालय ने सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं।

गेहूं बीज घोटाले में ट्रांसपोर्टर गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **भारतीय राज्य फार्म निगम लि. ने सीतामढ़ी, मालदा भेजा था बीज**

अमृत विचार: ईओडब्ल्यू की टीम ने बिहार के सीतामढ़ी और पश्चिम बंगाल के मालदा को आपूर्ति करने वाले तीन ट्रक गेहूं बीज हड़पने वाले ट्रांसपोर्टर को मंगलवार को रानीगंज से गिरफ्तार किया है। करीब 8.50 लाख रुपये के बीज का गबन 2006 में हुआ था। इस मामले में बहराइच के सुजौली थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी।

ईओडब्ल्यू अधिकारी के मुताबिक गिरफ्तार ट्रांसपोर्टर ज्ञानेंद्र सिंह लखीमपुर खीरी के सैधरी का रहने वाला है। उसका दी व्यापारी रोड लाइन्स का कार्यालय गोला रोड स्थित एलआरपी चौराहा पर है। उसे 2006 में भारतीय राज्य फार्म निगम लि. नई दिल्ली के आदेश पर केंद्रीय राज्य फार्म गिरजापुरी से ट्रांसपोर्टर ज्ञानेंद्र सिंह के माध्यम से तीन ट्रक गेहूं बीज (2000 पैकेट) बिहार के सीतामढ़ी स्थित कृषि फार्म शिवहरि और पश्चिम बंगाल के मालदा भेजा जाना था। इसके लिए किराया तय हो गया।

ट्रांसपोर्टर ज्ञानेंद्र सिंह ने ढुलाई का आदेश पत्र मिलने के बाद चालक राम चंद्र और मुनीम अरुण मिश्रा को केंद्रीय राज्य फार्म गिरजापुरी बहराइच भेजा। जहां दोनों ने मिलकर तीन ट्रक में दो हजार पैकेट गेहूं के बीज लोड कराये। तीनों ट्रकों का माल गिरजापुरी से लखीमपुर खीरी अपने ट्रांसपोर्ट पर मंगाकर सीतामढ़ी और मालदा नहीं भेजा।

चरस के साथ एक गिरफ्तार

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना पुलिस ने गांव जमालपुर थाना पटवाई, रामपुर निवासी धर्मेन्द्र को 225 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है।

हादसे में तीन किशोरों की मौत

संवाददाता, बबराला (संभल)

अमृत विचार : मेरठ-बदायूं राजमार्ग पर सोमवार देर रात गुन्नौर कोतवाली से कुछ ही दूरी पर दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। कस्बे में पीलीकोठी के पास बाइक सड़क की पटरी पर खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसा इतना जबरदस्त था कि बाइक सवार तीनों किशोरों की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

हादसे में जान गंवाने वाले तीनों किशोर गुन्नौर कस्बे के नेहरू चौक स्थित दिल्ली दरबार ढाबे पर काम करते थे। सोमवार देर रात करीब डेढ़ बजे काम खत्म करने के बाद वह एक ही बाइक से कमरे पर लौट रहे थे। सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है किपीछे से आ रही बस की साइड लगने से अनियंत्रित बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक चला रहा रेहान (18) पुत्र अल्लानूर निवासी रजपुरा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे अरमान (16) पुत्र कल्लू निवासी नदायल, थाना सहसवान (बदायूं) और हसनैन (16) पुत्र हाशिम निवासी नदायल गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने तीनों को तुरंत गुन्नौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां ड्यूटी पर तैनात डॉ. अजहर अली ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

हापुड़ जनपद के सोलाना निवासी ट्रक चालक अनिल विद्युत पोल लेकर सिकंदराबाद से बरेली जा रहा था। रात को उसने ट्रक को हाईवे किनारे एक चाय की टपरी के पास खड़ा कर दिया और चाय पीने लगा। उसी दौरान बाइक सवार किशोर ट्रक से जा भिड़े। हादसे के बाद पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी गुन्नौर दीपक तिवारी और कोतवाली प्रभारी अखिलेश प्रधान मौके पर पहुंचे। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मंगलवार सुबह अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे की जानकारी ली। तीनों किशोरों की मौत की खबर मिलते ही उनके परिवारों में मातम पसर गया। रजपुरा और नदायल गांव में गमगीन माहौल है।

महिला से गैंगरेप में आरोपी की जमानत नामंजूर

विधि संवाददाता, बरेली : महिला से सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी थाना फरीदपुर क्षेत्र निवासी अर्जुन उर्फ रागिब की जमानत अर्जी स्पेशल जज एफटीसी अशोक कुमार यादव ने खारिज कर दी। सरकारी वकील सुरेश बाबू साहू ने बताया कि गांव के अर्जु, रेहान व साकिब घर में घुसकर महिला को एक मकान में ले गये और सभी ने गैंगरेप किया था।

पिता-पुत्रों को एक वर्ष नेकचलनी की सजा

विधि संवाददाता, बरेली : घर में घुसकर मारपीट करने के आरोपी थाना फतेहगंज पश्चिमी माधोपुर माफी इस्लामनगर निवासी निसार अहमद और उसके दो पुत्रों शकील अहमद व सलमान हुसैन को दोषी पाते हुए अपर सत्र न्यायाधीश गगन कुमार भारती ने एक वर्ष नेकचलनी की सजा सुनाकर रिहा कर दिया।

न्यायालय श्रीमान उप संचालक चकबंदी बरेली

निगरानी संख्या- 202454121300001359 सन् 2024
निगरानी संख्या- 202454121300001360 सन् 2024

इनामउल्ला खां आदि बनाम शाहिद रजा खां आदि

बनाम -1. शाहिद रजा खां 2. साजिद रजा खां 3. अरशद रजा खा 4. राशिद रजा खां 5. जमाल रजा खां पुत्रगण मरहम हामिद रजा खां 6. आसिम अली खां, 7- आरिफ अली खां 8. वासिफ अली खां 9/1. श्रीमती जीनत विधवा साकिब अली खां 9/2. सदिका 9/3. ऐनमा 9/4. फाबेहा 9/5 अनम नावालिग पुत्री गण साकिब अली खां द्वारा संरक्षिका श्रीमती जीनत माता सगी 10. आतिब अली खां पुत्रगण मरहन खुर्शीद अली खां 11. श्रीमती अन्जुम बेगम पत्नी मरहम आफताब अली 12. राकिब अली 13. आदिल अली पुत्रगण मरहम आफताब अली 14. श्रीमती निखत जहाँ पत्नी मरहम आसिफ अली खां 15. मुजाहिद अली 16. मुशाहिद अली 17. मोनिस अली पुत्रमण मरहूम आसिफ अली खां 18. वसीम अली खां 19. सलीम अली खां पुत्रगण मरहूम महमूद अली खां समस्त निवासीगण मोहल्ला ठाकुरद्वारा कस्बा शाही तहसील मीरगंज जिला बरेली। 20. आमिरउल्ला खां पुत्र वसीउल्ला खां निवासी पुराना शहर सैलानी इनायतगंज जिला बरेली। 21/1. श्रीमती ताहेरा विधवा शरीफ उद्दीन 21/2. फाजिल उद्दीन 21/3. फैसल उद्दीन पुत्र गण शरीफउद्दीन 21/4- सबा पुत्री शरीफउद्दीन 22. सलीमउददीन 23-तसलीमउददीन एडवोकेट 24. नदीमउददीन पुत्रगण मरहूम रईसउददीन 25. श्रीमती साजिदा बेगम पत्नी मरहम शाहाबउददीन निवासीगण मोहल्ला गढ़ी चौकी शहर व जिला बरेली 26. श्रीमती जुबैदा बेगम पत्नी मरहूम नौशे खाँ निवासी मोहल्ला फाइक इन्कलेव शहर व जिला बरेली।

मुत्तला हो कि अपील/निगरानी बनाराजी डिग्री व फैसला मुकदमा वाला मैं अपीलांट/निगरानीकर्ता ने पेश की है जिसमें तारीख 12.09.2025 वास्ते समाअत अपील /निगरानी मुकर्रर की है अगर आप तारीख पर हाजिर अदालतन होंगे तो आपकी गैर हाजिरी में समाअत अपील/ निगरानी की जावेगी। आज व तारीख मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया है।

आज्ञा से
न्यायालय श्रीमान उप संचालक चकबंदी बरेली

ता. पेशी 28/08/2025

एफ. सी. जे. फार्म न. 13 भाग 1 धारा 38 (1) हेतु संदर्भित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)

न्यायलय उपजिलाधिकारी स्थान निघासन जिला खीरी

वाद संख्या T202310430504734

वादी सरकार बनाम ओम प्रकाश आदि प्रतिवादी

1. तारा सिंह व भजन सिंह पुत्र इंद्र सिंह निवासी ग्राम कोलवा फार्म म0 धर्मापुर तहसील निघासन 2. चरनजीत सिंह पुत्र तारा सिंह निवासी ग्राम कोलवा फार्म म0 धर्मापुर तहसील निघासन 3. दिलेर सिंह पुत्र विक्रम सिंह निवासी ग्राम कोलवा फार्म म0 धर्मापुर तहसील निघासन 4. परमजीत सिंह पुत्र बक्शी सिंह निवासी ग्राम कोलवा फार्म म0 धर्मापुर तहसील निघासन 5. हरविंदर सिंह पुत्र कश्मीर सिंह निवासी ग्राम कोलवा फार्म म0 धर्मापुर तहसील निघासन 6. सीता कौर पुत्री चुहड़ सिंह निवासी ग्राम कोलवा फार्म म0 धर्मापुर तहसील निघासन 7. इंद्रजीत सिंह पुत्र जनरैल सिंह निवासी ग्राम कोलवा फार्म म0 धर्मापुर तहसील निघासन 8. रेशम कौर पत्नी भजन सिंह निवासी ग्राम कोलवा फार्म म0 धर्मापुर तहसील निघासन 9. कुलवंत सिंह पुत्र प्रीतम सिंह निवासी ग्राम कोलवा फार्म म0 धर्मापुर तहसील निघासन 10. संतोष कौर पत्नी तारा सिंह निवासी ग्राम कोलवा फार्म म0 धर्मापुर तहसील निघासन 11. चरनजीत सिंह पुत्र सोबरन सिंह निवासी ग्राम कोलवा फार्म म0 धर्मापुर तहसील निघासन 12. प्रीतम सिंह पुत्र देवा सिंह निवासी ग्राम कोलवा फार्म म0 धर्मापुर तहसील निघासन

चुकि उपरोक्त नामांकित मैं इस न्यायालय में यह आवेदन किया है अतएव आपको एतद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उसे आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 2025 के 28. 8 दिवस को 10:00 बजे पूर्वाहन मे स्वयं या संपर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपमजात हो और ऐसा करने मे असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से व अवधारित किया जायेगा।मेरे हस्ताक्षर न्यायलय किं मुहर सहित आज निकाली गयी है

न्यायधीश न्यायलय उपजिलाधिकारी'

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते हैं :

क्र.सं. : 1, ई-प्रापण निविदा संख्या : उप मु.इं.-नि.-मुख्या.-09-2025, **कार्य का नाम :** पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल के गोरखपुर कैण्ट-वाल्मिकिनगर दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत आरडीएसओ के ड्राइंग सं. T-671/ T/2572 तथा ग्लूड इन्सूलेटेड रेल ज्वाइंट मैनुअल में निहित दिशा-निर्देशों तथा स्पेशिफिकेशन के अनुसार गोरखपुर कैण्ट-पिपराइच खण्ड के मध्य 52 किग्रा/60 किग्रा रेलों की इन-सीटू जी-3 (एल) प्रकार की ग्लूड इन्सूलेटेड ज्वाइंट का कार्य, **अनुमानित निविदा मूल्य :** रु. 1,82,64,664.00, **बयाना राशि :** रु. 2,41,300.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु. 0.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 06 (छः) माह।

- बिडिंग प्रारम्भ करने की तिथि - **19.09.2025**
- उपरोक्त ई-निविदा सबमिशन की अन्तिम तिथि - **दिनांक 03.10.2025 को 15.00 बजे तक**
- उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि - **दिनांक 03.10.2025 को 15.30 बजे**
- निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।
- निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे।

श्री निशांत कुमार सिंह, सहायक कार्यपालक इंजीनियर/निर्माण/मुख्या. मो. नं. 9594880852

उप मुख्य इंजीनियर/नि./मुख्या.,
मुजाधि/डब्ल्यू-251 पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: या/246/1/15/25-26/ओटी-20

मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये निविदा पत्र में अंकित योग्यता मापदण्डों के अनुसार ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-1, कार्य का संक्षिप्त विवरणः यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर में नॉन एसी कोचों/एलडब्ल्यूएस/जीएस/जीएसएलआर/एसएलआरडी/जीएससीजेड/जीएसआरडी, एलडब्ल्यूएससीएन/जीएससीएन और डीईएमयू टीसी/डीपीसी की सीटों/बर्थों की स्ट्रिपिंग, अनलोडिंग, परिवहन, मरम्मत, लोडिंग, फिटिंग का कार्य 02 वर्ष की अवधि हेतु। अनुमानित मूल्य (रू.में): ₹ 74,22,772.36 (चौहत्तर लाख बाईस हजार सात सौ बहत्तर रूपये और छत्तीस पैसे मात्र), बिड सिक्योरिटी (रू.में): ₹ 1,48,500/-(एक लाख अड़तालीस हजार पांच सौ रूपये मात्र), निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.): शून्य, कार्य अवधिः 02 वर्ष, निविदा खुलने की तिथि व समयः दिनांक 30-09-2025 को 15:30 बजे।

नोटः (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 08-09-2025 को समय 17:00 बजे से वेबसाइट ***www.ireps.gov.in*** पर टेण्डर खुलने की तिथि 30-09-2025 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। **(2)** उपरोक्त निविदा में ई–बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको IT Act 2000 के अंतर्गत CCA द्वारा जारी क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **(3)** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अस्वीकृत कर दिया जायेगा। **(4)** ई-निविदा हेतु बिड सिक्योरिटी का भुगतान निविदा प्रपत्र के अनुसार स्वीकार की जायेगी।

उप मुयाइं/उत्पादन, यांत्रिक कारखाना,
मुजाधि/यॉंत्रिक-**61** **इज्जतनगर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

बीसलपुर किसान सहकारी चीनी मिल्स लि., बीसलपुर (पीलीभीत)

पत्रांक: 1159/लि. **ई-निविदा सूचना** दिनांक: 09.09.2025

मिल समिति द्वारा, आन्तरिक यार्ड सिविल कार्य, ए डी ब्लाक सड़क कार्य, बाउण्ड्री बाल मरम्मत हेतु निविदा समाचार पत्र में एवं ई-टेंडर पोर्टल पर प्रकाशित की गयी थी। पर्याप्त निविदायें प्राप्त नहीं होने के कारण निविदायें दिनांक 18.09.2025 अपरान्ह 06:55 बजे तक प्राप्त की जायेगी। निविदा पोर्टल पर 10.09.2025 को सायं 06:55 से उपलब्ध होगी। निविदा अपलोड करने की तिथि 18.09.2025 अपरान्ह 06:55 तक तथा तकनीकी बिड ओपनिंग दिनांक 19.09.2025 को पूर्वान्ह 11:30 होगी तथा विवरण अन्य शर्तें पूर्ववत् जारी रहेगी।

प्रधान प्रबन्धक

कार्यालय तहसीलदार, बीसलपुर

पत्रांक: 57/र.का.-2025 दिनांक: 09.09.2025

प्रेस-विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि तहसील बीसलपुर क्षेत्रान्तर्गत राजस्व ग्राम पैनिया हिम्मत, तहसील बीसलपुर स्थित गाटा संख्या- 102/0.502 हे. व 200/0.898 हे. रेणी 6-1 तालाब के नाम दर्ज कागजात है। भूमि गाटा संख्या 102/0.502 हे. पर 90 यूकेलिप्टस व गाटा संख्या 200/0.898 हे. पर यूकेलिप्टस कुल 192 वृक्षों का मूल्यांकन कराये जाने हेतु कार्यालय प्रभागीय निदेशक वन एवं वन्य जीव प्रभाग पीलीभीत को पत्र प्रेषित किया गया। कार्यालय प्रभागीय निदेशक वन एवं वन्य जीव प्रभाग पीलीभीत के पत्र संख्या- 4123/37-5 दिनांक 23.06.2025 के द्वारा प्रेषित मूल्यांकन आख्या के अनुसार प्रश्नगत वृक्षों की कुल मूल्यांकन 197420- प्राप्त हुआ है। भूमि प्रबन्धक समिति पैनिया हिम्मत द्वारा उक्त गाटा संख्याओं पर खड़े वृक्षों की नीलामी हेतु दिनांक 18.04.2025 को नीलामी हेतु प्रस्ताव पारित किया गया है। उक्त के क्रम में ग्राम पैनिया हिम्मत, तहसील बीसलपुर स्थित गाटा संख्या- 102/0.502 हे. व 200/0.898 हे. श्रेणी 6-1 तालाब पर खड़े हुए 192 यूकेलिप्टस के वृक्षों की नीलामी हेतु दिनांक 28.08.2025 नियत की गयी थी। परन्तु विज्ञप्ति प्रकाशित न होने के कारण दिनांक 28.08.2025 को नीलामी की कार्यवाही नहीं हो सकी। अतः राजस्व ग्राम पैनिया हिम्मत, तहसील बीसलपुर स्थित गाटा संख्या 102/0.502 हे. पर 90 यूकेलिप्टस व गाटा संख्या 200/0.898 हे. पर 102 यूकेलिप्टस कुल 192 वृक्षों की नीलामी हेतु दिनांक 15.09.2025 नियत की गयी है। इच्छुक व्यक्ति दिनांक 15.09.2025 को पूर्वान्ह 1:00 बजे तक तहसील बीसलपुर के सभागार में उपस्थित होकर 20000/-रू. जमानत राशि जमा कर नीलामी में भाग ले सकते हैं।

उपजिलाधिकारी, बीसलपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत हरपरा वि.खं. निगोही जनपद शाहजहांपुर

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड निगोही, शाहजहांपुर वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत हरपरा में नाली व सी.सी. रोड का निर्माण कार्य को कराए जाने हेतु कार्यस्थल पर निम्न सामग्री सीमेन्ट, महीन रेता, मौरंग, बजरी, ईट की रोड़ी, ईट, अव्वल सरिया आदि की आवश्यकता है। सामग्री की कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु सम्बन्धित ग्राम पंचायत के कार्यालय पर निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर ग्राम पंचायत कार्यालय पर प्राप्त की जा सकती है। मोहरबन्द निविदायें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर रखे टेन्डर बाक्स में इस निविदा के प्रकाशन के बाद तीन दिवस के अन्दर तक डाली जा सकती है। जो उसी दिन 3:00 बजे सम्बन्धित प्रधान/सचिव द्वारा अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं के प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री की अनु. लागत (लाख में)
1.	ग्रा. हरसेली में पंचायत भवन से सन्तोष सिंह के मकान तक सी.सी. रोड व नाली का निर्माण।	3.98 लाख
2.	ग्रा. हरपरा में प्रा.वि. इन्टरलॉकिंग से मेन रोड तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण।	3.93 लाख
3.	ग्रा. हरपरा में सुरेन्द्र के मकान से संजीव के मकान तक सी.सी. रोड व नाली का निर्माण।	3.95 लाख

जाविंत्री देवी- ग्राम प्रधान **अनिल कुमार- सचिव**

मृतक जवान के आश्रितों को एक करोड़ 16 लाख का मुआवजा

विधि संवाददाता, बरेली : सड़क हादसे में मृतक बीएसएफ के जवान माधव सिंह की पत्नी कुसुम लता यादव ने मोटर दुर्घटना प्राधिकरण में क्षतिपूर्ति के लिए दावा प्रस्तुत किया गया था। दुर्घटना करने वाले वाहन की बीमा कंपनी और राज्य सड़क दुर्घटना परिवहन निगम के विरुद्ध एक करोड़ 16 लाख 15880 रुपये की क्षतिपूर्ति मृतक की पत्नी कुसुमलता यादव को अदा करने का आदेश पारित किया गया है।

लापता पूर्व फौजी का शव रामगंगा से बरामद

गुलड़िया, (बरेली) अमृत विचार : मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव खुर्द स्थित ननिहाल से जन्मदिन पार्टी करके लौटते समय लापता हुए रिटायर फौजी का शव 36 घटे बाद मंगलवार को रामगंगा नदी में उतराता हुआ मिला। पूर्व सैनिक की बाइक और चप्पल एक दिन पूर्व पुलिस ने रामगंगा नदी के किनारे से बरामद की थी। पूर्व सैनिक का शव करीब एक किलोमीटर दूर मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

गौरी शंकर गुलड़िया निवासी रिटायर्ड सैनिक प्रेमपाल राजपूत (55) रविवार की रात अपनी ननिहाल खुर्द गांव में गये थे। वहां से जन्मदिन की पार्टी में शामिल होकर देर रात घर के लिए निकले थे, लेकिन घर नहीं पहुंचे थे। प्रेमपाल की बाइक सोमवार को दिन में रामगंगा नदी के किनारे बल्ली में अटकी हुई मिली थी, जबकि चप्पल और मोबाइल फोन वहीं पास में पड़ा हुआ मिला था। स्थानीय गोताखोरों के साथ ही सेना और एनडीआरएफ के जवानों ने प्रेमपाल की तलाश में कई घंटे तक रामगंगा नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया था।

कार्यालय नगर पंचायत खीरी

पत्रांक: 1004/न.प.खीरी/ई-निविदा-सूचना/2025-26 दिनांक: 09.09.2025

ई-निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत खीरी द्वारा ''राज्य वित्त आयोग योजना के अन्तर्गत'' प्राप्त धनराशि से निम्नलिखित निर्माण/विकास कार्य कराने हेतु ई-टेन्डर के माध्यम से दिनांक 11.09.2025 से दिनांक 03.10.2025 समय 12:00 बजे दोपहर तक निविदाएं आमंत्रित की जाती है जिनके निविदा प्रपत्र https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है जो निर्धारित समयान्तर्गत डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते हैं, तदोपरान्त प्राप्त निविदाओं को दिनांक 03.10.2025 को समय-04:00 बजे अपरान्ह टेण्डर कमेटी द्वारा खोला जाएगा, अगर किसी कारणवश कोई अवकाश पड़ जाता है या कार्यालय बन्द होता है तो अगले कार्य दिवस में उसी समय निविदाएं खोली जाएंगी। निविदाओं को वित्तीय बिड, तकनीकी बिड की स्वीकृति/अस्वीकृति के उपरान्त खोली जाएंगी। नोट:- कार्यो का विवरण एवं निविदा से सम्बन्धित आवश्यक नियम व शर्ते वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

अवर अभियंता (सिविल) नगर पंचायत खीरी जनपद खीरी | **अधिशासी अधिकारी** नगर पंचायत खीरी जनपद खीरी | **अध्यक्ष** नगर पंचायत खीरी जनपद खीरी

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-शाहजहाँपुर।
कार्यालय का पता- द्वितीय तल, विकास भवन, शाहजहॉपुर

पत्रांक :- 891/ग्र0अ0वि0/निविदा/2025-26 दिनांक 03.09.25

निविदा सूचना
ई-प्रोक्योरमेन्ट नोटिस (द्वितीय आमंत्रण)

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-शाहजहाँपुर के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए0,बी0,सी0 एवं डी0 श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिये निविदा दे सकता है :-

01- कार्य से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् है :-

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख मे)	धरोहर धनराशि (बिड सिक्योरिटी) (रूपये मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
1	शाहजहाँपुर	मो0 मक्कू बजरिया के टी0पी0सं0 24 (सार्वजनिक स्थल) पर उत्सव भवन/बारातघर का निर्माण	25.00	50,000.00	2354.00	04 माह
		मा0 सदस्य विधान परिषद, नोडल जनपद-शाहजहॉपुर।				
2	शाहजहाँपुर	ग्राम सिमरई वि0ख0 भावलखेडा में श्री करूणाकान्त दीक्षित पुत्र श्री सुन्दर लाल दीक्षित के मकान से मेन रोड तक लगभग 150 मी0 सडक निर्माण	13.34	26700.00	854.00	04 माह
3	शाहजहाँपुर	ग्राम मोहनपुर ममरेजपुर वि0ख0 कांट में नरवीर सिंह के मकान से ऊधमपाल के घर के सामने होते हुए पं0 रामलडैते के मकान तक 230.00 मी0 इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	14.55	29100.00	854.00	04 माह
4	शाहजहाँपुर	ग्राम धन्यौरा वि0ख0 ददरौल में पंचायतघर से स्व0 राजेन्द्र सिंह मास्टर साहब के मकान से होते हुए बलवीर सिंह के घर तक 230.00 मी0 इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	16.62	29300.00	854.00	04 माह
5	शाहजहाँपुर	ग्राम धन्यौरा वि0ख0 ददरौल में पंचायतघर से पप्पू वर्मा के मकान से होते हुए जदुवीर सिंह के घर तक 422.00 मी0 इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	24.999	50000.00	2354.00	04 माह
6	शाहजहाँपुर	मो0 सुभाषनगर, शाहजहॉपुर में स्मार्ट रोड से रेलवे लाइन की तरफ सोलर चक्की के पास तक 180.00 मी0 इण्टरलाकिंग और नाली निर्माण कार्य	20.36	40800.00	2354.00	04 माह
7	शाहजहाँपुर	मो0 सुभाषनगर, शाहजहॉपुर में सोलर चक्की होते हुए श्री अमित शर्मा के मकान तक तथा रमेश के घर तक 262.00 मी0 इण्टरलाकिंग और नाली निर्माण कार्य	24.99	50000.00	2354.00	04 माह
		विधायक निधि क्षेत्र शहजहॉपुर				
8	शाहजहाँपुर	मो0 कैलाशनगर कालोनी में श्रीराम खन्ना के भट्टे के आगे से रामलडैते यादव के घर तक 168.00 मी0 सी0सी0/नाली निर्माण	14.95	29900.00	854.00	04 माह
9	शाहजहाँपुर	ग्राम बिलरिया वि0ख0 भावलखेडा में एक रैन बसेरा का निर्माण कार्य	14.50	29000.00	854.00	04 माह

02-बेव साइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि :- 11.09.2025 को दोपहर 12.00 बजे से।

03-विड डाक्यूमेन्ट डाउनलोडिंग प्रारम्भ करने की तिथि एवं समय 11.09.2025 को प्रातः 12.00 बजे से।

04-ई-निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ तिथि/समय 11.09.2025 को प्रातः 12.00 बजे से।

05-ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिये अन्तिम तिथि/समय 25.09.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक।

06-ई0-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 25.09.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे।

07-टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।

08-निविदा की ऑन लाईन वेब साइट *https://etender.up.nic.in* पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा।

09-निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लाज के अनुसार पृविष्टि/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।अधिक जानकारी के लिये कृपया वेब साइट *https://etender.up.nic.in* पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें, सभी सम्भावित निविदादाता को सलाह है कि वह बिड सब्मिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली भांति पढ लें।

(इं0 सतीश चन्द्र राघवेन्द्रम)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड-शाहजहाँपुर
राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से

UP - 237559 **दिनांक:** 08/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

कार्यालय उपजिलाधिकारी मोहम्मदी-खीरी।

संख्याः-394/मत्स्य पालन पट्टा-तालाब नीलामी विज्ञापन/2025-26/रा0नि0कार्या0, दिनांक-03.09.2025

प्रेस विज्ञप्ति

उ0प्र0 राजस्व संहिता 2006 (यथासंशोधित) की धारा 61 के अनुपालन में तहसील मोहम्मदी में मत्स्य पालन हेतु उपयुक्त तालाबों का आवंटन नीलामी पद्धति से किये जाने हेतु तहसील सभागार में शिविर का आयोजन किया गया है। उ0प्र0 राजस्व संहिता 2006 (यथा संशोधित) में वर्णित नियमों के अनुरूप मछुआ समुदाय, पिछडी जाति,अनुसूचित जाति/जनजाति एवं सामान्य व्यक्तियों के मध्य नीलामी पद्धति से तालाबों का 10 वर्षीय पट्टा किया जायेगा। 2 हे0 से बड़े क्षेत्रफल के तालाबों का आवंटन नीलामी पद्धति से पंजीकृत मत्स्यजीवी समितियों के मध्य किया जायेगा। उक्त नीलामी उ0प्र0राजस्व संहिता,उ0प्र0राजस्व संहिता नियमावली,शासनादेशों,परिषदादेशों के क्रम में की जोयगी। शर्ते इस प्रकार है

1-इच्छुक पात्र व्यक्ति खसरा,खतौनी तथा जाति,आय व निवास प्रमाण पत्र जो विज्ञापन की तिथि से 6 माह पुराना न हो वह प्रार्थना पत्र के साथ नियत तिथि समय व स्थान पर उपस्थित होकर आवंटन की कार्यवाही में भाग ले सकता है। आवेदक द्वारा जाति, आय व निवास प्रमाण पत्र 6 माह से अधिक समय के आवेदन के साथ प्रस्तुत किये जाने पर आवेदन पर विचार नही किया जायेगा अर्थात ऐसे आवेदक को नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने से निषेधित कर दिया जायेगा।

2-राजस्व संहिता नियमावली 2006 के अनुसार 2 हे0 से कम क्षेत्रफल वाले तालाब पट्टा नीलामी की न्यूनतम धनराशि मु0 5,000-प्रति हे0 प्रतिवर्ष की दर से निर्धारित की गयी है। 2 हे0 से अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों के लिये न्यूनतम धनराशि 10,000-प्रति हे0 प्रतिवर्ष की दर से निर्धारित है।

3-मत्स्य पालन के इच्छुक व्यक्तियों/मत्स्य पालन समितियों के अध्यक्ष/सचिव को निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त विज्ञापित/प्रकाशित गाटा संख्याओं के सम्बन्ध में स्थलीय निरीक्षण कर लें अथवा क्षेत्रीय लेखपाल से सम्पर्क स्थापित कर जानकारी प्राप्त कर लें। आवंटन योग्य होने पर ही शिविर में आवेदन करें। आवंटन/नीलामी के उपरान्त किसी व्यक्ति का उक्त सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

4-नीलामी होने की स्थिति में प्रतिभाग करने वाले व्यक्ति को जमानत धनराशि बोली बोलने से पूर्व जमा करनी होगी तथा नीलामी सम्पन्न होने के पश्चात सर्वाधिक बोली दाता को नीलामी के उपरान्त तत्काल 10 बर्षीय लगान की सम्पूर्ण धनराशि का 25 प्रतिशत (1/4) भाग जमा करना होगा तथा शेष 75 प्रतिशत धनराशि (3/4) भाग नीलामी तिथि के 15 दिवस के अन्दर जमा करना होगा। 15 दिवस के अन्दर सम्पूर्ण धनराशि जमा करने के उपरान्त नीलामी स्वीकृति की रजिस्ट्री उ0प्र0रा0संहिता,2006 में विधिक प्राविधानों के तहत की जायेगी। नियत समयावधि में धनराशि जमा नही करने पर 1/4 धनराशि राज्य के पक्ष में सम्प्रहत/जब्त कर ली जायेगी।

5-नीलामी स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार एवं अन्तिम निर्णय उपजिलाधिकारी मोहम्मदी-खीरी में निहित है।

नीलामी स्थलः- तहसील सभाकक्ष, मोहम्मदी, जिला-खीरी।
प्रातः 10 बजे से 12.00 बजे तक आवेदन प्राप्त किये जायेगे। नीलामी का समयः- 1 बजे से शाम 4 बजे तक।
नीलाम अधिकारी -नायब तहसीलदार मोहम्मदी
नीलामी हेतु तालाबों का विवरण

क्र0	ग्राम का नाम	आबटन योग्य तालाबों का विवरण: गाटा संख्या	आबटन योग्य तालाबों का विवरण: क्षेत्रफल (हे0में)	न्यूनतम् वार्षिक लगान (रूपयों में)	10 बर्षीय लगान	नीलामी से पूर्व जमानत के रूप में अग्रिम जमा की जानें वाली धनराशि	नीलामी की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	पकारया	875	0.562	2810	28100	1000	25/09/2025
2	अमरा	351	0.267	1335	13350	1000	25/09/2025
3	बौधीखुर्द	1555	0.571	2855	28550	1000	25/09/2025
4	बौधीखुर्द	942	0.717	3585	35850	1000	25/09/2025
5	बढाबढइ	71	0.870	4350	43500	1000	25/09/2025
6	डोमा	125	0.227	1135	11350	1000	25/09/2025
7	अटसार	165	0.300	1500	15000	1000	25/09/2025
8	अटसार	491	0.433	2165	21650	1000	25/09/2025
9	अटसार	365	0.543	2715	27150	1000	25/09/2025
10	अटसार	273	0.458	2290	22900	1000	25/09/2025
11	भंगेली	114मि0	1.570	7850	78500	1000	25/09/2025
12	भूडापिपरी	297	0.231	1155	11550	1000	25/09/2025
13	भूडापिपरी	458	0.222	1110	11100	1000	25/09/2025
14	भूडापिपरी	300मि0	0.599	2995	29950	1000	25/09/2025
15	बरैंचा	794	0.530	2650	26500	1000	25/09/2025
16	पिपरिया धनी	69	0.761	3805	38050	1000	25/09/2025
17	गुलाला	346	0.267	1335	13350	1000	25/09/2025
18	गुलाला	382	0.247	1235	12350	1000	25/09/2025
19	गुलाला	389	0.385	1925	19250	1000	25/09/2025
20	बुझारा	305	0.295	1475	14750	1000	25/09/2025
21	बुझारा	45	0.486	2430	24300	1000	25/09/2025
22	बुझारा	150	0.429	2145	21450	1000	25/09/2025
23	पाखनापुर	153क	2.376	23760	237600	1000	25/09/2025
24	फरन्दा	569	0.332	1660	16600	1000	25/09/2025
25	फरन्दा	923	0.348	1740	17400	1000	25/09/2025
26	माठाखडा	390	0.477	2385	23850	1000	25/09/2025
27	कारगावा	497	0.344	1720	17200	1000	25/09/2025
28	बढया	372	0.703	3515	35150	1000	25/09/2025
29	पथला आमरता	331	0.571	2855	28550	1000	25/09/2025
30	दूल्हापुर ाकसान	198	0.206	1030	10300	1000	25/09/2025
31	दूल्हापुर ाकसान	414	0.300	1500	15000	1000	25/09/2025
32	शाहपुर राजा	569	0.344	1720	17200	1000	25/09/2025
33	बना राजापुर	23मि0	1.380	6900	69000	1000	25/09/2025
34	कमहरा	1	0.376	1880	18800	1000	25/09/2025
35	माहम्मदपुर कामा	491	0.595	2975	29750	1000	25/09/2025
36	बाआ	199	0.300	1500	15000	1000	25/09/2025
37	बहादुरनगर	199	0.397	1985	19850	1000	25/09/2025
38	अलानगर	520	0.413	2065	20650	1000	25/09/2025
39	अलानगर	542	1.007	5035	50350	1000	25/09/2025
40	पालअभयकचनार	167	0.708	3540	35400	1000	25/09/2025
41	पालअभयकचनार	647	0.656	3280	32800	1000	25/09/2025
42	शकरपुर राजा	399	0.384	1920	19200	1000	25/09/2025
43	शकरपुर राजा	578	0.454	2270	22700	1000	25/09/2025
44	तुकहटाहटहटपुर	503	0.470	2350	23500	1000	25/09/2025
45	तुकहटाहटहटपुर	748	0.243	1215	12150	1000	25/09/2025
46	ाबचपरा	255घ	0.332	1660	16600	1000	25/09/2025
47	ाबचपरा	482	0.251	1255	12550	1000	25/09/2025
48	ाहम्मतपुर	2ख	0.283	1415	14150	1000	25/09/2025
49	ाहम्मतपुर	181	0.295	1475	14750	1000	25/09/2025
50	ाहम्मतपुर	301	0.214	1070	10700	1000	25/09/2025
51	कारतपुर	42 /2	0.300	1500	15000	1000	25/09/2025
52	कुइयामदारपुर	258	2.335	23350	233500	1000	25/09/2025
53	कुइयामदारपुर	415	0.372	1860	18600	1000	25/09/2025
54	खारया जाट लखनापुर	379	0.210	1050	10500	1000	25/09/2025
55	खारया जाट लखनापुर	380	0.214	1070	10700	1000	25/09/2025
56	बचगवा	1210	0.733	3665	36650	1000	25/09/2025
57	हारखापुर	96	0.676	3380	33800	1000	25/09/2025
58	हारखापुर	260ख	0.271	1355	13550	1000	25/09/2025
59	हारखापुर	288	0.283	1415	14150	1000	25/09/2025
60	साल्लया	85	0.328	1640	16400	1000	25/09/2025
61	ासकटारा	86ख	0.307	1535	15350	1000	25/09/2025
62	सानारा	20	1.602	8010	80100	1000	25/09/2025
63	सानारा	231	2.246	22460	224600	1000	25/09/2025
64	सानारा	239	1.019	5095	50950	1000	25/09/2025
65	सानारा	448	0.300	1500	15000	1000	25/09/2025
66	बहादुरपुर	38	0.825	4125	41250	1000	25/09/2025
67	सानावा	561	0.259	1295	12950	1000	25/09/2025
68	सानावा	710	0.324	1620	16200	1000	25/09/2025
69	जसमढा	412	0.866	4330	43300	1000	25/09/2025
70	जसमढा	385	0.223	1115	11150	1000	25/09/2025
71	उचालया	365	0.227	1135	11350	1000	25/09/2025
72	उचालया	575मि0	0.300	1500	15000	1000	25/09/2025
73	उचालया	229	0.833	4165	41650	1000	25/09/2025
74	पतवन	54	0.210	1050	10500	1000	25/09/2025
75	ापपराला मदन	309	0.466	2330	23300	1000	25/09/2025
76	चाबयापुर	472	0.518	2590	25900	1000	25/09/2025
77	अजवापुर	69	0.355	1775	17750	1000	25/09/2025
78	कमतरा	265	0.941	4705	47050	1000	25/09/2025
79	बरखारया जाट	269	0.206	1030	10300	1000	25/09/2025
80	मुल्लापुर	657	0.275	1375	13750	1000	25/09/2025
81	रामपुर रामदास	318	0.280	1400	14000	1000	25/09/2025
82	लाादयापुर	80	0.705	3525	35250	1000	25/09/2025
83	नरदा	400	0.300	1500	15000	1000	25/09/2025
84	नरदा	560	0.696	3480	34800	1000	25/09/2025
85	नरदा	463	0.425	2125	21250	1000	25/09/2025
86	भूडा	264	0.287	1435	14350	1000	25/09/2025
87	धमाला	1013क	0.206	1030	10300	1000	25/09/2025
88	धमाला	476	2.023	20230	202300	1000	25/09/2025
89	धमाला	569	0.725	3625	36250	1000	25/09/2025
90	धमाला	579क	0.571	2855	28550	1000	25/09/2025
91	माहम्मदा जड0ए0	152	0.579	2895	28950	1000	25/09/2025
92	इब्राहमपुर	1602	0.498	2490	24900	1000	25/09/2025
93	शुकुरूददानपुर	300	0.332	1660	16600	1000	25/09/2025
94	शुकुरूददानपुर	410	0.320	1600	16000	1000	25/09/2025
95	शुकुरूददानपुर	527	0.271	1355	13550	1000	25/09/2025
96	गाहानया सुकइ	333	0.348	1740	17400	1000	25/09/2025
97	नरायनपुर मछछा	40	0.287	1435	14350	1000	25/09/2025
98	ाकरयारा	915	0.405	2025	20250	1000	25/09/2025
99	ाकरयारा	115	0.405	2025	20250	1000	25/09/2025
100	ाकरयारा	807	0.409	2045	20450	1000	25/09/2025
101	ाकरयारा	833ख	0.498	2490	24900	1000	25/09/2025
102	बनकागाव	2389	0.769	3845	38450	1000	25/09/2025
103	बनकागाव	723	0.312	1560	15600	1000	25/09/2025
104	बनकागाव	755	0.493	2465	24650	1000	25/09/2025
105	बनकागाव	766	0.271	1355	13550	1000	25/09/2025
	योग	105	56.168				

उपजिलाधिकारी,
मोहम्मदी-खीरी

UP-237555 दिनांक 08.09.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार

बुधवार, 10 सितंबर 2025

सूरज की तरह चमकने के लिए, सूरज की तरह जलना पड़ता है।
–एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति

प्रत्याशित पदत्याग

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली इस्तीफा देकर अज्ञात स्थान पर चले गए। यदि वे ऐसा न करते तो पार्टी टूट जाती और देश और संकटाकीर्ण हो जाता। संभव है कि नेपाल में चल रहा हिंसा का तांडव अब रुक जाए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री और कई मंत्रियों के घर फूंक दिए और जान माल का भारी नुकसान हुआ। यह सब रुकने के बावजूद नेपाल को राजनीतिक अस्थिरता से तत्काल निजात नहीं मिलने वाली। इसके लिए एक राजनीतिक नेतृत्व का मजबूत विकल्प आवश्यक है। देखना होगा कि इसमें काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह की क्या भूमिका रहती है? फिलहाल इस पूरे प्रकरण से यह स्पष्ट है कि जेन-ज़ी या नेपाली युवाओं के आक्रोश और आंदोलन की जड़ में सिर्फ प्रधानमंत्री ओली का हालिया फैसला ही नहीं था। युवाओं के भीतर असंतोष का लावा पहले से ही कई मुद्दों को लेकर खदबदा रहा था। सोशल मीडिया के 26 प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के दबाव ने अचानक इसे ज्वालामुखी की तरह फटने पर मजबूर कर दिया। प्रधानमंत्री ओली पर अधिनायकवाद, विवादास्पद बयानबाजी और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने का आरोप था। इसके साथ ही युवा अवसरों की कमी और नेताओं की विलासिता भरी जीवनशैली के खिलाफ भी नारेबाजी कर रहे थे। साफ है कि यह मामला केवल सोशल मीडिया बैन तक सीमित नहीं था। फिलीपींस और इंडोनेशिया में भी टिक-टॉक पर नेताओं के बच्चों की ऐश्वर्यपूर्ण जिंदगी और आम जनता के संघर्ष को दर्शाने वाले वीडियो वायरल होने के बाद ऐसे ही जेन-ज़ी आंदोलनों ने जोर पकड़ा था। संभव है, यह आंदोलन और प्लेटफॉर्म्स पर बैन की पृष्ठभूमि यही हो। सरकार की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने का औपचारिक कारण नियमों का अनुपालन और राजस्व घाटा बताया गया, लेकिन युवाओं का मानना था कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कुचलने और सरकारी भ्रष्टाचार छुपाने की साजिश है। नेपाल के संविधान की धारा 17(1)(क) नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देती है, धारा 19 संचार का अधिकार और धारा 27 सूचना का अधिकार गारंटी करती है। सरकार का यह रवैया इन मौलिक अधिकारों का हनन माना जा रहा था।

असल में सरकार को पूरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने के बजाय उन्हें नियंत्रित और रेग्युलेट करने की कोशिश करनी चाहिए थी। साथ ही, जनता और विशेष रूप से युवाओं को विश्वास में लेना जरूरी था। सोशल मीडिया नेपाल में मनोरंजन, जानकारी, सामाजिक संपर्क और डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह निर्णय विकासशील देश नेपाल की डिजिटल प्रगति और नवाचार को रोकता था और छोटे व्यवसायियों, कंटेंट क्रिएटर्स और हजारों डिजिटल मार्केटर्स की रोजी-रोटी को संकट में डालने वाला था। नेपाल इससे पहले टिक-टॉक बैन से 22 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं, छोटे व्यवसायों को बड़े नुकसान में धकेल चुका है। सुदूर इलाकों में, पारंपरिक मीडिया के अभाव के चलते सोशल मीडिया सूचना, धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने, डिजिटल शिक्षा, साक्षरता का प्रमुख स्रोत है। जाहिर है ओली का फैसला देश के लिए उचित नहीं था और यही उनके प्रस्थान का कारण बना।

प्रसंगवश

यहां सड़क है स्त्रियों के लिए जीवन व मौत के बीच की दूरी

भारत के गांवों की तस्वीर अक्सर हरे-भरे खेतों, बैलों की गाड़ियों और मिट्टी की खुशबू से सजाई जाती है, लेकिन असली तस्वीर इससे कहीं अलग है। असली संघर्ष उन कच्ची सड़कों से झलकता है, जो गांव वालों की जिंदगी को हर दिन कीचड़ और धूल में उलझाए रखती हैं। सड़क किसी भी गांव की जीवनरेखा होती है, लेकिन कुछ गांवों में यह जीवन रेखा आज भी अधूरी है।

भारत के ग्रामीण इलाकों की सड़कों की हकीकत यह है कि हमारे सड़क नेटवर्क का करीब 71 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद इसकी गुणवत्ता अन्य सड़क नेटवर्क से बेहतर नहीं है। केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 बताती है कि ग्रामीण सड़कों की हिस्सेदारी बहुत बड़ी है, पर सतह की गुणवत्ता (पक्कीकरण) में सुधार की जरूरत है। गांव को

नवदीप कौर
एक्टिविस्ट

जोड़ने में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना निर्णायक रही है, लेकिन मार्च 2024 तक सिर्फ PMGSY-I ने 1,56,617 बस्तियों को जोड़ते हुए 6,24,187 किमी सड़कें बनवाई हैं।

अब राजस्थान पर नजर डालें तो यहां फैलते रेगिस्तान और लंबी दूरियों के बीच सड़क ही जीवन-रेखा है। नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि 2024 तक राजस्थान का कुल सड़क नेटवर्क लगभग 3,17,121 किमी आंका गया, जिससे राज्य के 39,408 गांव सड़कों से जुड़े बताए गए हैं। यानी भौगोलिक विकटताओं के बावजूद बुनियादी संपर्क स्थापित हो चुका है, पर गुणवत्ता/उन्नयन की जरूरत जस की तस है। बात अगर बीकानेर जिला और ख़ासकर लूंकरणसर ब्लॉक की करें, तो यहां की रेतीली भूमि, बिखरी आबादी और धाणियों तक पहुंच एक चुनौती सी लगती है। एक गांव है नकोदेसर। राजस्थान के बीकानेर जिला स्थित लूंकरणसर ब्लॉक से करीब 33 किमी दूर इस गांव की तस्वीर मैप से नजर आ जाती है, लेकिन यहां सड़क ढूंढने पर भी नजर नहीं आती।

इस गांव के बच्चों के लिए स्कूल जाना किसी जंग से कम नहीं है। बारिश होते ही रास्ता दलदल में बदल जाता है। 66 साल की बिरमा देवी कहती हैं, "बरसात के दिनों में अक्सर उनकी सात साल की पोती स्कूल नहीं जा पाती, क्योंकि बारिश से इतना कीचड़ हो जाता है कि बच्चे उसमें फिसल जाते हैं और उनकी स्कूल ड्रेस खराब हो जाती है। इस बार लूणकरणसर में अच्छी बारिश हुई है। ये किसानों के लिए राहत की बात हो सकती है, लेकिन स्कूल जाने वाली मेरी पोती के लिए ये अच्छा नहीं है। वह अगस्त में पांच दिन ही स्कूल जा सकी है। सिर्फ वही नहीं, अधिकतर छोटे बच्चों का स्कूल बारिश में छूट जाता है, क्योंकि रास्ता इतना खराब हो जाता है कि बड़े लोग तक उसमें फिसल जाते हैं, फिर बच्चों को कैसे उस रास्ते से स्कूल भेजें?"

गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाना तो मानो मौत और जिंदगी की बाजी खेलने जैसा है। 65 साल की राजों देवी बताती हैं, "कुछ हफ्ते पहले मेरी बहू को प्रसव पीड़ा हुई, तो हमने एमबुलेंस को फोन किया। वह आई तो लेकिन बारिश की वजह से रास्ते इतने खराब थे कि गांव में घुसते ही गाड़ी कीचड़ में फंस गई और लाख कोशिश के बावजूद वह निकल नहीं पाई। आखिरकार घर के मर्दों ने मिलकर उसे खाट पर उठाया और सड़क तक ले गए। कीचड़ में फंसते-गिरते तीन घंटे लग गए। तब तक उसका काफी खून बह गया था। बड़ी मुश्किल से मां और बच्चे की जान बची। अगर पक्की सड़क होती तो यह कठिनाई नहीं आती।" यहां स्त्रियों के लिए सड़क सिर्फ़ सुविधा नहीं, बल्कि जीवन और मौत के बीच की दूरी है।

श्रीलंका-बांग्लादेश जैसे हालात नेपाल में भी संभव

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

जेन ज़ी कहे जाने वाले युवा नेपाल में आंदोलनरत हैं। यहां कई लोगों की मौत की भी खबर है। आखिर वो कौन सी ताकतें हैं, जो नेपाल को अस्थिर करने के लिए ऐसे षणयंत्र रच रहे हैं?

नेपाल के जेन-ज़ी के आंदोलन की वजह से केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया है। उनके नेतृत्व की मौजूदा सरकार पर संकट पहले से ही था। साल भर के भीतर होने वाले आम चुनाव में भी उनकी स्थिति कमजोर हो गई थी। यहां अहेम सवाल यह है कि आखिर वो कौन सी विदेशी ताकतें हैं, जो नेपाल को अस्थिर करने के लिए ऐसे षणयंत्र रच रहे हैं और उन्हें इसका फायदा क्या मिल सकता है? भारत और चीन के लिए नेपाल का महत्व सामरिक दृष्टि से काफी मायने रखता है। नेपाल में जो भी सरकार होती है, वे अपने तरीके से भारत और चीन को साध ही लेती हैं। भारत और चीन भी अपने-अपने तरीके से नेपाल को अपने पाले में खींचते रहते हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि भारत और चीन, नेपाल को अस्थिर करने का प्रयास केवल इसलिए कर रहे हों कि नेपाल उनकी जी हुजूरी करने को मजबूर हो।

एमसीसी परियोजना के नाम पर अमेरिका ने नेपाल में पांव पसारना शुरू किया है। इस परियोजना का विरोध ओली की पार्टी एमाले कर रही थी, वह भी इसलिए कि उसके बिजली संयंत्र की लाइन भारत से होकर नेपाल पहुंच रही थी। इस तरह ओली का यह विरोध नेपाल से कम भारत से ज्यादा हुआ। अमेरिका की इस परियोजना को लेकर ओली सरकार अब खामोश है। गौर करने वाली बात यह भी है कि नेपाली युवाओं और छात्रों के इस आंदोलन में आंदोलनकारियों के हाथ में ओली के लिए अमेरिकी दलाल लिखी हुई तख्तियां भी थीं।

सवाल उठता है कि आखिर एकाएक लाखों की संख्या में युवा और छात्र ओली सरकार के खिलाफ उग्र कैसे हो उठे? नेपाल जब राजशाही के हवाले था, तब की बातें छोड़ दें, इधर जबसे गणराज्य समर्थकों का शासन आया तब से नेपाल में क्या परिवर्तन हुआ, यह गौर करने की बात है। इस दौरान नेपाली जनता को लोकतांत्रिक प्रणाली से वोट देने की अनुभूति के अलावा कुछ भी हासिल नहीं हुआ। नेपाल में 'हामी नेपाल' नामक सामाजिक संगठन बहुत ही गोपनीय ढंग से सोशल मीडिया पर सक्रिय था, जो युवाओं में काफी लोकप्रिय भी है। इसके कर्ता-धर्ता सुदन गुरूंग, सरकार के भ्रष्टाचार की ओर युवाओं का ध्यान आकर्षित कराते थे। सबसे बड़ी बात यह थी कि वे युवाओं के नेतृत्व की बात करते थे और सदियों से सत्ता पर काबिज बुजुर्ग नेताओं को निष्प्रयोज्य बताते थे।

सोशल मीडिया पर हामी नेपाल की लोकप्रियता इतनी थी कि वह लाखों युवाओं और छात्रों का पसंदीदा प्लेटफॉर्म बन गया। ओली सरकार इससे घबराई हुई थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बैन की यह भी एक वजह हो सकती है। सोशल मीडिया पर बैन से करोड़ों युवाओं के गुस्से को भांपते हुए सुदन गुरूंग ने डिस्कार्ड और वीपीएन डिजिटल टूल्स के माध्यम से युवाओं से विरोध-प्रदर्शन की अपील की।

यह दुनिया का ऐसा आंदोलन साबित हुआ है, जिसने बिना किसी नेतृत्व के सरकार को हिला कर रख दिया। युवाओं के आंदोलन की धार को देखते हुए राजनीतिक विश्लेषक इसे श्रीलंका और बंग्लादेश के बाद नेपाल में भी तख्तापलट की संभावना की दृष्टि से देखते हैं। इस पूरे आंदोलन में 22 साल से 30 साल तक के युवा ही सक्रिय थे, जिनके चेहरों पर बुजुर्ग ओली सरकार से निराशा का भाव साफ झलक रहा था। काफी संभावना है कि युवाओं के इस आंदोलन के समर्थन में विभिन्न पार्टियों के युवा सांसद भी आगे आएं।

नेपाल में मंहगाई चरम पर है। शिक्षा गरीब लोगों से दूर होती जा रही है और बेरोजगार युवा दर-दर भटकने को मजबूर हैं। वे दूसरे देशों में पलायन को मजबूर हैं, जहां उन्हें हिकारत की दृष्टि से देखा जाता है। पढ़े-लिखे नेपाली युवकों को भी लेबर के काम में लगा दिया जाता है। नेपाल में रोजगार है नहीं। युवाओं में केवल ओली की सरकार के प्रति नहीं, इसके पहले की सरकारों के प्रति भी भारी गुस्सा है, क्योंकि वे भी केवल वादा और लोकलुभावन घोषणाएं कर सत्ता हासिल करती रही हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के यूजर युवा ही हैं। नेपाल में इनकी संख्या एक करोड़ के आसपास है। रजिस्ट्रेशन के नाम पर ओली सरकार ने संक्षिप्त नोटिस के बाद कुछ दिन पहले करीब 28 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बैन कर दिए। इस बैन पर सरकार के अपने फायदे हो सकते हैं, लेकिन उन लाखों युवाओं को क्या फायदा है, जिनकी दिनचर्या सोशल मीडिया पर ही गुजरती हो। ओली सरकार यह समझने में चूक गई, लिहाजा उसे ऐसे विरोध का सामना करना पड़ा, जो शायद नेपाल के इतिहास में पहले कभी न देखा गया हो। राजशाही के खिलाफ जन युद्ध को छोड़कर।

काठमांडू से शुरू युवाओं का यह आंदोलन कुछ ही घंटे में नेपाल के मैदानी इलाकों तक पहुंच गया। ओली सरकार के पास इस पर नियंत्रण के लिए पुलिस और सेना के इस्तेमाल के अलावा कोई और चारा नहीं था। काठमांडू में संसद परिसर में उग्र आंदोलनकारियों का प्रवेश कर जाना बड़ी घटना है। इसे रोकने के लिए पुलिस और सेना के जवानों को गोली चलाने को मजबूर होना पड़ा। यहां की गोली-बारी की घटना ने आग में घी का काम किया, जो पूरे नेपाल में फैल गया। पुलिस और सेना की गोली-बारी में सरकारी आंकड़ों में 19 लोगों की मौत और तीन सौ आंदोलनकारियों का घायल होना बताया गया है, लेकिन हकीकत में यह संख्या कुछ और है। इसके पहले किसी आंदोलन में इतनी बड़ी संख्या में न तो लोग मारे गए थे और न ही घायल हुए थे। दमनकारी रवैया अपना कर ओली सरकार ने संकट को टालने की कोशिश की, लेकिन अंततः उन्हें पद से इस्तीफा देना पड़ा। इस बीच संसद भवन पर आंदोलनकारियों का कब्जा है।

आमने

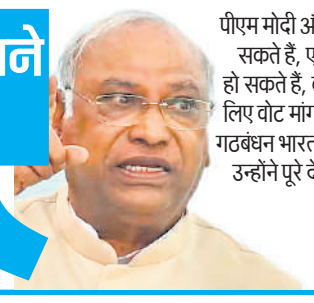

पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप दोस्त हो सकते हैं, एक-दूसरे के लिए अच्छे हो सकते हैं, क्योंकि वे एक-दूसरे के लिए वोट मांगते हैं। मोदी और ट्रंप का गठबंधन भारत की कीमत पर हुआ है। उन्होंने पूरे देश के माहौल को खराब करके रख दिया है।
–मल्लिकार्जुन खड़गे
कांग्रेस अध्यक्ष

सामने

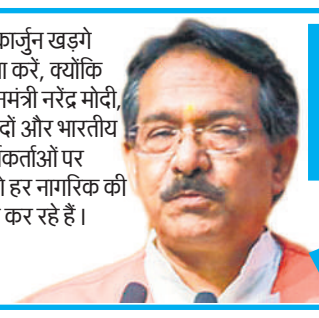

कांग्रेस और मल्लिकार्जुन खड़गे अपनी पार्टी की चिंता करें, क्योंकि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनके मंत्रियों, सांसदों और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर भरोसा करती है, जो हर नागरिक की भलाई के लिए काम कर रहे हैं।
–हर्ष मल्होत्रा
केंद्रीय मंत्री

बिहार चुनाव में पीके कर सकते हैं 'बड़ा खेला'

राधा रमण
वरिष्ठ पत्रकार

बिहार की सियासत का तीसरा केंद्र बने प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज पर सबकी निगाहें टिकी हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रशांत इस चुनाव में बड़ा खेल करेंगे।

बिहार में सियासी सरगर्मी चरम पर है। राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा अगले माह होने की संभावना है। ऐसा इसलिए कि चुनाव आयोग ने अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन इस माह 30 सितंबर को करने की घोषणा की है। वैसे भी बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। उसके पहले चुनावी गतिविधियां हर हाल में समाप्त करनी होंगी और नई सरकार का गठन करना संवैधानिक मजबूरी है। इस बार भाजपा बिहार में फिर सरकार बनाने पर आमादा दिखती है। उसके लिए 'अभी नहीं तो कभी नहीं' की स्थिति है। फिलहाल प्रदेश में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। उसके 80 विधायक हैं। भाजपा के लिए यह संख्या सर्वाधिक है। 243 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए कम से कम 122 विधायक चाहिए। सवाल यह कि बाकी के विधायक कहां से आएंगे? पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रवक्ता डॉ. विनोद शर्मा कहते हैं कि बिहार में इस बार एनडीए की लहर है।

इसमें दो राय नहीं कि नीतीश का जादू बिहार की महिलाओं के सिर चढ़कर बोलता रहा है। यह वोट इस बार नीतीश के पक्ष में कितना जाएगा, यह चुनाव परिणाम के बाद पता चलेगा, क्योंकि बिहार के अधिकांश जिले बाढ़ की चपेट में हैं और करीब 17 लाख आबादी सड़कों और राहत केंद्रों में शरण लिए हुए है। इनमें सर्वाधिक संख्या महिलाओं और बच्चों की है। दूसरी तरफ, राज्य में अपराधी पुलिस के रसूख को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। विपक्ष इसे एनडीए का जंगलराज बता रहा है। महिलाएं इस अराजकता से भी पीड़ित हैं। ऐसे में महिला वोटरों में बिखराव हो जाए, तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। राज्य में नीतीश की बिरादरी कुर्मी जाति का वोट करीब 6 प्रतिशत है, यह वोट भी अभी तक नीतीश के पक्ष में पड़ता रहा है। यही वजह है कि नीतीश पिछले लगभग 20 वर्षों से बिहार की सत्ता पर काबिज हैं।

बिहार में महागठबंधन भी इस बार पूरा जोर लगाए हुए है। राज्य में महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा को अपेक्षाकृत अधिक सफलता मिली। वोटर अधिकार यात्रा 17 अगस्त को शेरशाह सूरी की धरती सासाराम से शुरू होकर एक सितंबर को पटना के गांधी मैदान से निकल कर डाकबंगला चौराहे पर समाप्त हो गई। पुलिस प्रशासन ने इसे आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी। इसमें महागठबंधन के सभी घटक दलों के नेता शामिल रहे। विपक्ष राज्य से पलायन, बेरोजगारी और कानून व्यवस्था का मुद्दा जोर-शोर से उठा रहा है। लोगों को नौकरी और डोमिसाइल नीति बनाने की बात कह रहा है। एसआईआर के खतरे के प्रति आगाह कर रहा है। सरकार बनने पर महिलाओं को ढाई हजार रुपये प्रतिमाह देने और सुशासन का ख्वाब दिखा रहा है।

इस बीच बिहार के माउंटेन मैन दशरथ मांझी के परिजनों के लिए गयाजी के गहलोर गांव में पक्का घर बनवाकर राहुल गांधी ने अपनी जय-जयकार करा ली है। दशरथ के बेटे भागीरथ मांझी इसके लिए नीतीश कुमार से लेकर जीतनराम मांझी और भाजपा के कई बड़े नेताओं का चक्कर लगाकर थक चुके थे। इससे आसपास के गांवों में भी राहुल के लिए हमदर्दी जगी है। देखने वाली बात होगी कि यह सहानुभूति वोट में कितनी तब्दील हो पाती है।

बिहार की सियासत का तीसरा केंद्र बने प्रशांत किशोर (पीके) की पार्टी जनसुराज पर सबकी निगाहें टिकी हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रशांत इस चुनाव में बड़ा खेल करेंगे। वह अपने दम पर सरकार बनाने से लेकर दोनों बड़े गठबंधनों (एनडीए और महागठबंधन) का खेल बिगाड़ने तक का हो सकता है। एनडीए और महागठबंधन से समान दूरी बनाने वाले लोग आजकल पीके की तरफ खिंचे चले आ रहे हैं। कहना न होगा कि ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है। इनमें रिटायर्ड आईएएस, आईपीएस और उद्योगपतियों की संख्या काफी है। इसके लिए प्रशांत किशोर बिहार के बाहर रहने वाले प्रवासियों के संपर्क में हैं।

उधर, राज्य में जनसुराज की गतिविधियां लगातार जारी हैं। विधानसभा स्तर तक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। पीके ने पलायन के मुद्दे को ठीक से पकड़ा है। वह कहते हैं कि बिहार की बदहाली में यहां के नेताओं की बड़ी भूमिका है। जब तक झारखंड राज्य नहीं बना था, बिहार की बदहाली कम दिखती थी। अब सरेआम हो चुकी है। वह मतदाताओं से कहते हैं कि इस बार का मतदान अपने बच्चों का भविष्य बनाने के लिए कीजिए। बिहार में रोजी-रोजगार की व्यवस्था के लिए वोट कीजिए।

प्रशांत अपनी सभाओं में नीतीश और लालू दोनों को बिहार की बदहाली के लिए बराबर का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। प्रशांत किशोर जाने-माने चुनावी रणनीतिकार रहे हैं। भाजपा को सत्ता में लाने का श्रेय उन्हें दिया जाता है। 2015 के विधानसभा चुनाव में वह जनता दल (यू) की तरफ से महागठबंधन के रणनीतिकार रहे थे। तब नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने में उनकी अहम् भूमिका थी। इससे उनकी लोकप्रियता और कमाई दोनों बढ़ी है। इस बार वह जनता दल (यूनाइटेड) और राष्ट्रीय जनता दल दोनों पर बराबर हमलावर हो रहे हैं। आश्चर्य यह कि प्रशांत पर जवाबी हमला जदयू और राजद कम बल्कि भाजपा ज्यादा कर रही है।

सोशल फोरम

देश की वो बहादुर बेटी

ट्रेवल प्वाइंट
फेसबुक

पांच सितंबर 1986 की सुबह कराची एयरपोर्ट पर Pan Am Flight 73 खड़ा था। 379 यात्रियों के साथ यह विमान अमेरिका जाने को तैयार था। यात्रियों को क्या पता था कि अगले कुछ घंटे उनकी जिंदगी और मौत के बीच की जंग बनने वाले हैं। नीरजा भनोट, सिर्फ 23 साल की हेड पर्सर, उस फ्लाइट पर ड्यूटी पर थीं। चेहरे पर मुस्कान और भीतर हिम्मत का दरिया। जैसे ही विमान ने उड़ान से पहले दरवाजे खोले, अचानक चार हथियारबंद आतंकी अंदर घुसे। गोलियों की गूंज और चीखों से पूरा जहाज कांप उठा। उस क्षण नीरजा ने वही किया जो शायद किसी और ने सोचा भी न होता। उन्होंने बिना पल गंवाए कॉकपिट अलार्म दबा दिया। इससे पायलट और बाकी क्रू को भागने का मौका मिल गया और विमान को उड़ान से रोक दिया गया। विमान उड़ जाता तो सभी की मौत तय थी।

17 घंटे तक आतंकियों ने यात्रियों को बंदूक की नोक पर बंधक बनाए रखा। वे अमेरिकी यात्रियों को ढूंढ रहे थे। नीरजा ने समझ लिया कि अगर उनके हाथ अमेरिकी यात्री लग गए तो कत्लेआम होगा। वह चुपचाप अमेरिकियों के पासपोर्ट छुपाने लगीं। अपनी जान पर खेलकर उन्होंने अनजान लोगों की जिंदगी बचा ली।

समय बीतता गया, हालात और बिगड़ते गए। आतंकियों ने गोलियां चलानी शुरू कीं। लोग भागने लगे। उसी अराजकता में नीरजा ने तीन छोटे बच्चों को उठाकर इमरजेंसी एग्जिट की तरफ धकेला। पर उसी वक्त आतंकियों की गोली उनके सीने में लगी। वह गिर पड़ीं लेकिन आखिरी सांस तक कोशिश करती रहीं कि कोई और बच्चा बच जाए। नीरजा भनोट का शरीर वहीं गिर गया, लेकिन उनकी बहादुरी ने 359 से ज्यादा यात्रियों की जान बचा ली।

नीरजा ने हमें दिखा दिया कि हीरोइन वही नहीं जो परदे पर चमके, असली हीरोइन वो है जो मौत को गले लगाकर भी दूसरों की ज़िंदगी बचा ले।

सामयिकी

एडीआर रिपोर्ट: अपराधी छवि के नेता चुनने की मजबूरी!

एडीआर यानी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा 27 राज्य विधानसभाओं, तीन केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के वर्तमान मंत्रियों का कई पहलुओं पर विश्लेषण किया गया। इस रिपोर्ट में देश के कुल 652 में से 643 मंत्रियों का विश्लेषण किया गया। रिपोर्ट द्वारा यह खुलासा किया गया है कि 643 में से 302 मंत्रियों ने खुद पर आपराधिक मामले बताए हैं। आंकड़ों में सामने आया कि 47 प्रतिशत मंत्री ऐसे हैं, जिन्होंने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसी क्रम में 174 मंत्री ऐसे हैं, जिन्होंने अपने ऊपर गंभीर मामलों को बताया है। यानी 27 प्रतिशत ऐसे मंत्री, जिन्होंने हत्या, अपहरण, अत्याचार जैसे गंभीर अपराध घोषित किए हैं। यह एक चिंता का विषय जरूर है।

शिवालिक अवस्थी
लेखक

हर नेता चुनाव लड़ने से पहले अपना शपथपत्र दायर करता है, जिसमें उसे चुनाव संबंधी हर जानकारी जनता के समक्ष साझा करनी होती है। अहेम सवाल यह है कि इतनी बड़ी संख्या में दागी नेताओं को पार्टियां टिकट क्यों देती हैं? और उससे बड़ा सवाल यह है कि जनता के सामने उन्हें चुनने की मजबूरी क्यों है? एडीआर की रिपोर्ट चिंताजनक है, किंतु यदि जनता समझदारी के साथ मतों का प्रयोग करे, तो यह छोटी सी कोशिश तस्वीर बदल सकती है।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 72 में से 29 मंत्रियों ने खुद पर आपराधिक मामले बताए हैं। यानी 40 प्रतिशत मंत्रियों पर आपराधिक मामले हैं। हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, नागालैंड और उत्तराखंड ऐसे 4 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश हैं, जहां किसी भी मंत्री पर आपराधिक मामले नहीं बताए गए हैं। यह काबिले तारीफ है। ऐसे कई राज्य हैं, जहां एडीआर की रिपोर्ट में मंत्रियों द्वारा घोषित आपराधिक मामलों की औसतन संख्या 70 प्रतिशत से ऊपर बताई गई है। ध्यान रहे, हम यहां सिर्फ मंत्रियों द्वारा घोषित आपराधिक मामलों के आंकड़े एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार पेश कर रहे हैं। हम यहां विशेषरूप से किसी भी राज्य अथवा केंद्रीय शासित प्रदेश की बात नहीं कर रहे।

आगे इसी रिपोर्ट में वित्तीय पृष्ठभूमि भी दर्शाई गई है, जिसमें बताया गया है कि राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्री और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के प्रत्येक मंत्री की औसतन संपत्ति 37.21 करोड़ रुपये है, जबकि 643 में से 36 यानी 6 प्रतिशत मंत्री अरबपति हैं और 643 मंत्रियों की कुल संपत्ति 23,929 करोड़ रुपये है। देश में कर्नाटक में सबसे ज्यादा आठ मंत्री अरबपति हैं, जबकि केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 72 मंत्रियों में छह मंत्री यानी 8 प्रतिशत मंत्री अरबपति हैं। रिपोर्ट में लिंग के आधार पर भी विश्लेषण किया गया है, जिसमें दर्शाया गया है कि कुल 643 मंत्रियों में 63 यानी 10 प्रतिशत महिला मंत्री हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में सर्वाधिक आठ महिला मंत्री हैं, जबकि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में 72 में से सात यानी 10 प्रतिशत महिला मंत्री हैं।

रिपोर्ट पर थोड़ा और प्रकाश डाला जाए तो मालूम होगा कि इस रिपोर्ट में शिक्षा एवं आयु के आधार पर भी मंत्रियों का विश्लेषण किया गया है। इसमें पाया गया है कि 454 मंत्री यानी लगभग 71 प्रतिशत मंत्रियों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता स्नातक या उससे अधिक दर्शाई है। इसी तरह आयु पर आधारित विश्लेषण की बात करें, तो इसमें 51 से 60 वर्ष की आयु समूह के मंत्रियों की संख्या सर्वाधिक 241 पाई गई है। यानी लगभग 38% मंत्री 51 से 60 वर्ष की आयु समूह के पाए गए हैं। एडीआर एक एनजीओ है, जिसने 2020 से 2025 के बीच मंत्रियों द्वारा दायर हलफनामों के आधार पर यह विश्लेषण तैयार किया है। केंद्र सरकार के 130वें संविधान संशोधन विधेयक से बेहतरीन देश निर्माण की उम्मीद तो जगी है, लेकिन यह कितना कारगर सिद्ध होगा यह भविष्य के गर्भ में छिपा है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

अहिच्छत्र: महाभारत काल की वैभव गाथा

अहिच्छत्र, भारतीय संस्कृति और कलात्मकता का अद्भुत उदाहरण है, जो अपने धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। यह शहर पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ ही भारत की प्राचीन संस्कृति, शिक्षा, शासन और कलात्मकता का भी ध्वज वाहक है। अहिच्छत्र का नाम 'अहि' (सर्प) और 'छत्र' (छाया) से मिलकर बना है। किवदंती है कि इस स्थान पर तप कर रहे एक ऋषि को एक सांप ने आकर छाया दी थी। इससे अहिच्छत्र नाम मिला। पुराणों और प्राचीन ग्रंथों में वर्णित अहिच्छत्र, कभी उत्तरी पांचाल की राजधानी था। यह वही पांचाल है, जिसकी राजकुमारी द्रौपदी का विवाह पांडवों से हुआ था। यहां खुदाई में विभिन्न कालों की सभ्यताओं के अवशेष मिले हैं, जिनमें मौर्य, शुंग, कुषाण, गुप्त और मुगल काल प्रमुख हैं। यहां मिले बर्तन, सिक्के, मूर्तियां, हथियार और दीवारों के अवशेष इस बात के प्रमाण हैं कि यह क्षेत्र कभी अत्यंत समृद्ध और उन्नत था।

प्रस्तुति: शिवांग पांडेय

पांचाल संग्रहालय में संरक्षित अहिच्छत्र की धरोहरें

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में एक छोटे से हाल में 1985 में पांचाल संग्रहालय की नींव रखी गई थी। इस संग्रहालय में अहिच्छत्र की तमाम धरोहरें संरक्षित हैं। प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग के तहत संचालित डिजिटल पांचाल संग्रहालय का लोकार्पण 15 मई 2023 को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। इस संग्रहालय में तीन हजार साल पुरानी ऐतिहासिक मूर्तियां, पांडुलिपि, मिट्टी व धातु के बर्तन, कपड़े, शस्त्र, मुद्रा प्रयोगशाला आदि दुर्लभ सामग्री सुरक्षित हैं। खुदाई के दौरान मिला तीन हजार साल पुराना नर कंकाल खास है। इसके अलावा वस्त्र वीथिका, अभयपुर का प्राचीन स्थल, मृण्मूर्ति वीथिका, टेराकोटा गैलरी, फोटो गैलरी तथा साउंड एंड डिजिटल ऑडिटोरियम मौजूद है।

बौद्ध शिक्षा का था महत्वपूर्ण केंद्र

बुद्धकाल में अहिच्छत्र बौद्ध शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र था। यहां प्राप्त बौद्ध मूर्तियां और विहारों के अवशेष संकेत देते हैं कि यह क्षेत्र बुद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए प्रमुख स्थल रहा होगा। पुरातात्विक महत्व के कारण ही यह क्षेत्र पर्यटकों और शोधकर्ताओं के लिए आकर्षण का केंद्र है। बरेली की पहचान भले ही सुरमा, बांस और झुमकों के लिए होती हो, लेकिन यहां की समृद्ध संस्कृति अहिच्छत्र के ही इतिहास का एक पन्ना है।

जैन अनुयायियों का तीर्थ

जैन अनुश्रुतियों के अनुसार मान्यता है कि 23 वें जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ को अहिच्छत्र में कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई। यहां जैन अनुयायियों का भी बड़ा तीर्थ है।

यहीं हुआ था द्रौपदी का जन्म

महाभारतकाल में द्रुपद उत्तर पांचाल (अहिच्छत्र) एवं दक्षिण पांचाल (काम्पिल्य) दोनों के राजा थे। उनकी पुत्री द्रौपदी जो पांचाली कहलाईं, का जन्म अहिच्छत्र में हुआ था और विवाह काम्पिल्य में हुआ। महाभारत के अनुसार गुरु द्रोणाचार्य ने राजा द्रुपद को परास्त किया और आधे अहिच्छत्र के शासक बने। हालांकि उनका राज्य कौरव ही चलाते थे। द्रोणाचार्य तो हस्तिनापुर में ही रहे। कौरव-पांडवों का यहां अधिकार होने के कारण अहिच्छत्र का किला पांडवकालीन किला कहलाया।

उत्तरी व संयुक्त पांचाल की राजधानी

उत्तराखंड के नैनीताल जिले का दक्षिणी भाग, उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, बरेली, बदायूं तथा शाहजहांपुर का पूर्वी भाग तथा गंगा पार के इटावा, मैनपुरी, फर्रुखाबाद एवं एटा का दक्षिण भाग प्राचीन काल में एक राज्य था, जो पांचाल नाम से विख्यात था। इसी की राजधानी अहिच्छत्र थी। प्राचीन ब्राह्मण ग्रंथों, जैन एवं बौद्ध जातकों में अहिच्छत्र एवं पांचाल के तमाम प्रसंगों का उल्लेख है।

वर्षों पुरानी सभ्यता

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर विजय बहादुर यादव बताते हैं कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा की गई खुदाई में अहिच्छत्र में लगभग 5 हजार वर्ष पुरानी सभ्यता के प्रमाण मिले हैं। यहां मिली ईंटों की संरचना, दीवारें और मूर्तियां बताती हैं कि कभी यहां सुनियोजित नगर व्यवस्था थी। मिट्टी के बर्तन, तांबे के औजार और शिलालेख सिद्ध करते हैं कि अहिच्छत्र शिक्षा, व्यापार, कला और संस्कृति का बड़ा केंद्र था।

ख्याल, ठुमरी हो या गजल कुलय हैं गायकी में कुशल

कुलय पांडे डीपीएस, आजाद नगर, कानपुर में कक्षा 9 के छात्र हैं, लेकिन अभी से गायकी के उस्ताद हैं। अंतर विद्यालय संगीत प्रतियोगिता में लगातार दो साल प्रथम रहकर उन्होंने इसे साबित किया है। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा वर्ष 2022-23 में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में ठुमरी गायन में प्रथम स्थान तथा संगीत नाटक अकादमी की संभागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता में ख्याल और ठुमरी दोनों के गायन में पहला स्थान मिला था।

-संत मिश्रा, लेखक

कुलय की माता रंजना पांडे गृहिणी और पिता संजीव पांडे सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। कुलय के दो भाई हैं, जुड़वा भाई कुशमित भारद्वाज और बड़ा भाई बड़ा द्विज भारद्वाज पांडे है। कुलय की संगीत की प्रारंभिक शिक्षा पहले बाल भवन फिर डॉ. मोनिका सिंह द्वारा हुई। वर्तमान में वह नाथवर्धन इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट में डॉ. सुषमा बाजपेई और रामबाबू भट्ट से नियमित संगीत की शिक्षा ले रहे हैं। कुलय की गान यात्रा आठ वर्ष पूर्व तब शुरू हुई थी, जब उन्हें केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित अलंकरण समारोह में बाल अतिथि कलाकार के रूप में सम्मानित किया गया था। प्रयाग संगीत समिति, प्रयागराज की प्रतियोगिता में भजन व गजल में प्रथम तथा ख्याल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। भारतखंडे संगीत विद्यापीठ, लखनऊ से विशारद पूर्ण कर चुके कुलय को लक्ष्मी देवी ललित कला अकादमी द्वारा अयोजित कानपुर के उभरते सितारे प्रतियोगिता में गजल, शास्त्रीय गायन व सिंथेसाइजर में प्रथम स्थान हासिल हुआ था। कथक केंद्र कानपुर की प्रतियोगिताओं में ध्रुपद गायन, ठुमरी, भजन एवं गजल में प्रथम स्थान पाया था। स्वर सर्जना, संगीतांजलि, आरोही की प्रतियोगिताओं में भी कुलय अपने हुनर से शीर्ष पर रहे थे।

शैलनट ने हल्द्वानी में जीवंत किया रंगमंच

रंगमंच से निकले निर्मल पांडे और हेमंत पांडे ने भले ही अपने दम पर पहाड़ को एक अलग पहचान दिलाई हो, लेकिन सुविधाओं व प्रोत्साहन के अभाव में हल्द्वानी का रंगमंच लगभग समाप्ति की ओर था। प्रतिभाएं और हुनर दम तोड़ रही थीं। ऐसे में प्रमुख नाट्य संस्था शैलनट ने उम्मीदों की अलख जगाई है। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के सहयोग से हल्द्वानी में आयोजित एक माह की कार्यशाला में प्रतिभाओं को निखारने की कोशिश से उम्मीद है कि रंगमंच का आकर्षण फिर लौटेगा। हल्द्वानी में रंगमंच को कई थियेटर ग्रुपों ने ताकत दी, लोगों ने पसंद भी किया, लेकिन सुविधाओं के अभाव में सब दम तोड़ गए।

हरीश उप्रेती करन
लेखक

वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ. डीएन भट्ट के अनुसार, हल्द्वानी में 1979 में भारतेंदु नाट्य अकादमी से पास आउट हरीश पांडे ने थियेटर ग्रुप की स्थापना की। 90 के दशक में रंगकर्मी अरविंद अग्रवाल ने अंबर कला विकास समिति का गठन किया। इसके बाद अस्तित्व, अनिल सनवाल का निहारिका और पर्वतीय कला केंद्र जैसे ग्रुप भी सामने आए। वर्ष 2001 में हल्द्वानी में वरिष्ठ रंगकर्मी व फिल्म कलाकार श्रीश डोभाल व डीएन भट्ट के प्रयासों से शैलनट की स्थापना हुई। इसकी प्रदेश भर में एक दर्जन से अधिक शाखाएं हैं। इस ग्रुप ने वर्ष 2002 में आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय भारत रंग महोत्सव में जगह बनाकर अपना झंडा बुलंद किया। इप्शन थियेटर फेस्टिवल काठमांडू में भी नाटकों का मंचन किया, लेकिन इसके बाद सन्नाटा सा खिंच गया। अब करीब 20 वर्ष बाद शैलनट के प्रयास से रंगमंचीय गतिविधियां फिर शुरू हुई हैं, लेकिन सुविधाओं का अभाव राह का रोड़ा है। शहर में एक अदद ऑडिटोरियम की कमी से एक स्कूल में कार्यशाला करनी पड़ रही है।

युगमंच ने दिए दो दर्जन से अधिक कलाकार

1976 में नैनीताल में स्थापित युगमंच ने दो दर्जन से अधिक ऐसे कलाकार दिए हैं, जिनका एनएसडी व एफटीआई पुणे में न केवल चयन हुआ, बल्कि उन्होंने बॉलीवुड में अपनी प्रतिभा का लोहा भी मनवाया। इनमें निर्मल पांडे, ललित तिवारी, गोपल दत्त व सुनीता रजवार आदि प्रमुख हैं।

ऑडिटोरियम बनने से प्रतिभाओं को होगा लाभ

शहर में ऑडिटोरियम बनने से एक स्थान पर सभी कलाकार उपस्थित होंगे। रंगमंच को अलग पहचान मिलेगी। कालाकार आवाज लगा रहे हैं कि कला को मरने न दें, क्योंकि रंगमंच सिर्फ अभिनय नहीं, समाज का आईना है।

पितृपक्ष में अजन्मी बेटियों का महातर्पण

गंगा तट पर कुरीतियों के खिलाफ शुरू हुए अनुष्ठान ने बदला रिवाज

गर्भ में जिनको मार दिया, उनके लिए लड़ेगा कौन,
गूंज रही अब तक कानों में गूंगी चीखें सुनेगा कौन।
हृदय मिला है मानव का तो जागो फिर यह उत्तर दो,
गर्भपात में मृत बच्चों का आखिर तर्पण करेगा कौन।

यही वह पंक्तियां हैं, जिन्होंने हर किसी को झकझोर कर धार्मिक और सामाजिक रूढ़वादिता के खिलाफ आवाज बुलंद करने की ऐसी ताकत दी कि आज महिलाएं घरों से निकल कर अपनी न सिर्फ अपनी अजन्मी बेटियों, बल्कि दिवंगत देहदानियों और बलिदानियों को भी पितृपक्ष पर जल देकर शांति प्रदान कर रही हैं।

युग दधीचि देहदान अभियान प्रमुख मनोज सेंगर और माधवी सेंगर लंबे समय से अजन्मी बेटियों के लिए महिलाओं द्वारा महातर्पण का अनूठा अभियान चला रहे हैं। वर्ष 2011 से महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार संचालित इस अद्भुत कार्यक्रम में कानपुर की प्रतिष्ठित महिलाएं पितृ पक्ष में एक निर्धारित दिन गंगा किनारे स्थित सरसैया घाट पर एकत्र होकर विधिवत उन बेटियों के लिए तर्पण और पिंडदान करती हैं, जिन्हें पुत्र मोह के कारण समाज ने धरती पर आने ही नहीं दिया। इस अभियान के बारे में मनोज सेंगर बताते हैं कि वर्ष 2010 के नवंबर माह में जेके कॉलोनी, जाजमऊ में आयोजित विराट गायत्री महायज्ञ में एक हजार लोगों को सामूहिक कन्या भ्रूण हत्या रोकने की शपथ दिलाई गई, इसी दौरान एक महिला रोते हुए आई और बड़े संकोच से बताया कि उसने दो बार गर्भपात कराया है और गर्भ में ही मार दी गई बेटियों के लिए वह कोई पूजा पाठ भी नहीं करा सकी है। क्या शास्त्रों में ऐसा कोई विधान है कि उसकी अजन्मी बच्चियों को मोक्ष मिल सके। इस प्रश्न ने वहां उपस्थित लोगों को बुरी तरह झकझोर दिया। सभी उस महिला को तुरंत कोई जवाब नहीं दे सके। रात भर महिला का सवाल यक्ष प्रश्न बनकर परेशान करता रहा। इसी के बाद आचार्य श्रीराम शर्मा द्वारा लिखित कर्मकांड भास्कर पुस्तक का अध्ययन किया तो गर्भपात में मृत बच्चों के पिंडदान से संबंधित मंत्र मिला। उस समय तक समाज में मान्यता थी कि महिलाएं तर्पण नहीं करती हैं, लेकिन शास्त्रों में प्रमाण मिला कि माता सीता ने अपने ससुर राजा दशरथ का पिंडदान गया में फल्गु नदी के तट पर किया था। इसी के बाद हम लोगों ने तय किया कि महिलाएं ही अपनी अजन्मी बेटियों के लिए तर्पण करेंगी। रूढ़वादिता तोड़ने का यह फैसला आसान नहीं था, लेकिन निर्भीक होकर सार्वजनिक रूप से शहर की प्रमुख महिलाओं से इस कार्य में भाग लेने का आह्वान किया। नियत दिन पर तर्पण की तैयारी की। जब बड़ी संख्या में महिलाएं और बेटियां इस अनूठे आयोजन में भाग लेने पहुंची, तो आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा।

-मनोज त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार

अमर शहीदों को भी जल देने पहुंचते हैं लोग

वर्ष 2011 से हर साल पितृ पक्ष में यह आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष कार्यक्रम 14 सितंबर, रविवार को प्रातः 10 बजे सरसैया घाट पर होगा। धीरे-धीरे तर्पण का दायरा और बढ़ चुका है। अब अजन्मी बेटियों के साथ दिवंगत देहदानियों और अमर बलिदानियों के लिए भी तर्पण किया जाता है। इस आयोजन के साक्षी सांसद, विधायक, व्यापारी, चिकित्सक, अधिवक्ता और समाजसेवी आदि भी बनते हैं।

शास्त्रों में वर्णित हैं महिलाओं को कर्मकांड के अधिकार

यह केवल एक भ्रांति है कि महिलाएं तर्पण और पिंडदान नहीं कर सकती हैं। शास्त्रों में महिलाओं को संपूर्ण कर्मकांड के अधिकार दिए गए हैं। गायत्री परिवार की कर्मकांड भास्कर पुस्तक में गर्भपात में मृत बच्चों को जलदान का मंत्र दिया गया है। कर्मकांड मंजूषा में भी इस बारे में विस्तार से लिखा गया है। गार्गी, घोषा, अपाला, सुलभा, कात्यायनी, मैत्रेई आदि ऋषिकाओं ने समस्त वैदिक कर्मकांड अधिकार पूर्वक किए और कराए हैं।

माता सीता ने किया था राजा दशरथ का तर्पण और पिंडदान

महातर्पण का आयोजन करने वाले मनोज सेंगर और माधवी सेंगर का कहना है कि शास्त्रों में कहीं भी नहीं लिखा कि महिलाएं तर्पण नहीं कर सकती हैं। माता सीता द्वारा अपने ससुर महाराज दशरथ का पिंडदान और तर्पण गया में फल्गु नदी के तट पर किया गया था, जिसे विद्वानों ने उचित ठहराया था। उस समय भारत में महिलाओं की बड़ी प्रतिष्ठा और मान्यता थी, लेकिन बीच में आए अंधकार पूर्ण युग में महिलाओं के तमाम सामाजिक और धार्मिक अधिकार विस्मृत कर दिए गए। गतिविधियां सीमित कर दी गईं, इससे उनका आत्मविश्वास कमजोर हो गया। महिलाओं में आत्मविश्वास जगाकर अधिकारों के प्रति जागृत करके उन्हें सशक्त बनाने से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण होगा।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,101.32	24,868 .60
बढ़त	314 .02	95 .45
प्रतिशत में	0 .39	0 .39

सोना- 1,12,750 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,28,800 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार ,10 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2600, राज श्री 1830, फॉर्चून कि . 2220, रविन्द्रा 2550, फॉर्चुन 13किग्रा 1950, जय जवान 1960, सचिन 2040, सूरज 1960, अवसर 1885, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1880, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2150, चक्र टिन 2345, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2475, स्वास्तिक 2540

किराना (प्रतिकु .) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि .) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छोटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 6950, दाल चना 7500, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7000, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9200, मोटा हीरा 11200, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4420, पीलीभीत 4340, सितारगंज 4300, धामपुर 4420

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5000, मसूरी- 4200, बासमती- 9200, परमल- 3000

दाल दलहन : काला चना- 7100, साबुत चना दाल- 7000, मूंग साबुत- 9300, राजमा- 12000-14100, दाल उड़द- 9100, साबुत मसूर दाल- 7000, मसूर दाल- 7000, उड़द साबुत- 8300, काबुली चना- 10000, अरहर दाल- 11200, लोबिया/करमानी- 9200

आईटी शेयरों में लिवाली से बाजार मजबूत

अमेरिका में नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद से सेंसेक्स 314 अंक चढ़ा, निफ्टी भी बढ़त में

- आईटी कंपनी इन्फोसिस के शेयर में 5.03 प्रतिशत की आई तेजी

मुंबई, एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों में लिवाली और अमेरिका में नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद से शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स 314 अंक के लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी में 95 अंक की बढ़त रही।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स लगातार दूसरे दिन बढ़त में रहा और 314.02 अंक चढ़कर 81,101.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 394.07 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों पर आधारित सूचकांक निफ्टी 95.45 अंक बढ़कर 24,868.60 अंक पर पहुंच गया। यह लगातार पांचवा कारोबारी सत्र है जब निफ्टी में बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से देश की दूसरी बड़ी आईटी सेवा कंपनी इन्फोसिस के शेयर में 5.03 प्रतिशत की तेजी रही। कंपनी ने कहा कि उसका निदेशक मंडल 11 सितंबर को इक्विटी शेयर की पुनर्खरीद के प्रस्ताव पर विचार करेगा। इसके अलावा टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और बजाज फिनसर्व के शेयरों में भी तेजी बनी रही। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में ट्रेंट, इटर्नल, अल्ट्राटेक सीमेंट और एनटीपीसी शामिल हैं।

मिड और स्मॉलकैप भी चढ़े

व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0 .22 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप 0 .20 प्रतिशत चढ़ा। क्षेत्रवार सूचकांकों में केंद्रित आईटी खंड सर्वाधिक 2 .89 प्रतिशत चढ़ गया जबकि आईटी खंड में 2 .76 प्रतिशत और प्रौद्योगिकी खंड में 2 .18 प्रतिशत की तेजी रही। वहीं तेल एवं गैस, रियल्टी, ऊर्जा खंड में गिरावट रही।

इन्फोसिस की घोषणा के बाद आईटी शेयरों में आया उछाल

लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के . ने कहा कि शेयर पुनर्खरीद के बारे में इन्फोसिस के विचार करने की घोषणा से आईटी शेयरों में तेजी का रुख रहा और इसके दम पर बाजार चढ़कर बंद हुआ। ऑनलाइन ट्रेडिंग फर्म एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोन्मुडी आर . ने कहा कि आईटी शेयरों में निवेशक धारणा सकारात्मक रहने से यह क्षेत्र सबसे आगे रहा। इन्फोसिस की घोषणा के बाद आईटी शेयरों में आए उछाल को अमेरिका में ब्याज दर की संभावित कटौती से भी समर्थन मिला।

एफआईआई ने 2,170 करोड़ के शेयर बेचे

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 2,170 .35 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,014 .30 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0 .80 प्रतिशत बढ़कर 66 .55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। सेंसेक्स सोमवार को 76 .54 अंक चढ़ा था जबकि निफ्टी में 32 .15 अंक की तेजी रही थी। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में रहे, जबकि जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट में गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में दोपहर के कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि जीएसटी दरों में बदलाव की घोषणा के बाद वाहन कंपनियों के शेयरों में आए उछाल के बाद मुनाफावसूली हावी हो गई। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच बाजार धारणा एक दायरे में ही रहने की संभावना है।

दरों में बदलाव के अनुरूप एमआरपी में संशोधन करें कंपनियां : जोशी

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- घरेलू उत्पादों की मांग बढ़ेगी व अर्थव्यवस्था मजबूत होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने विनिर्माताओं से जीएसटी (माल एवं सेवा कर) दरों में बदलाव के अनुसार बिना बिके भंडार पर अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को बदलने के लिए कहा है। सरकार ने विभिन्न उत्पादों और सेवाओं पर जीएसटी को कम कर दिया है, जो 22 सितंबर से लागू होगा।

केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि नई जीएसटी दरों के अनुसार विनिर्माता, पैकर और आयातक 31 दिसंबर, 2025 तक (भंडार रहने तक) बिना बिके भंडार पर एमआरपी बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि संशोधित कीमतें केवल जीएसटी में हुए बदलाव को ही दिखाएंगी।

मंत्री ने कहा कि नया एमआरपी स्टिकर, स्टाम्प या ऑनलाइन प्रिंट के साथ दिखाना चाहिए। साथ ही पुराना एमआरपी भी दिखाई देना चाहिए। जोशी ने कहा कि कीमत में कोई भी वृद्धि या कमी केवल कर परिवर्तन के अनुरूप ही हो सकती है। उन्होंने कंपनियों को विज्ञापनों और सार्वजनिक नोटिसों के जरिये उपभोक्ताओं को सूचित करने का भी निर्देश दिया है।

नई दरों का लाभ पहुंचाने को व्यापार सहयोग की जरूरत

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के प्रमुख संजय कुमार अग्रवाल ने व्यापार और उद्योग से जीएसटी सुधारों का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए कर अधिकारियों की सक्रिय पहुंच की जरूरत पर जोर दिया है। नई जीएसटी दरों के तहत 375 वस्तुओं पर कर घटाया गया है और ये दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी। अधिक जागरूकता न केवल भ्रम को कम करेगी, बल्कि व्यवसायों, विशेष रूप से छोटे व्यापारियों और एमएसएमई को बिना किसी बाधा के सुधारों से पूरा लाभ उठाने में सक्षम बनाएगी। कर अधिकारियों को लिखे लेटर में अग्रवाल ने कहा कि जरूरत की वस्तुओं पर कम कर से घरेलू खर्च घटेगा, किसानों, कारीगरों और निर्माताओं के लिए किफायती कच्चे माल से उत्पादन, रोजगार और निर्यात बढ़ेगा।

तांबे के अन्वेषण और खनन में निवेश जुटाने के लिए नीतिगत सुधार जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस ने जारी की रिपोर्ट

बढ़ती जरूरतों को देखते हुए भारत को तांबे के अन्वेषण और खनन में निवेश आकर्षित करने के लिए तत्काल नीतिगत सुधार करने चाहिए ताकि निवेश पर अनुकूल प्रतिफल सुनिश्चित हो सके। इसे लेकर सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस (सीएसईपी) ने रिपोर्ट जारी की।

रिपोर्ट अनुसार, तांबा ऊर्जा परिवर्तन की प्रक्रिया के केंद्र में है और यह पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक वाहन, निर्माण एवं उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत की तांबे की बढ़ती जरूरत और वैश्विक मांग को देखते हुए देश को अधिक खोज और खनन करना चाहिए क्योंकि बड़े संसाधन और भंडार अब भी अनछुए हैं। निवेश पर अनुकूल प्रतिफल सुनिश्चित करने को तत्काल नीतिगत सुधार जरूरी हैं। देश अपनी तांबे की जरूरत का 50 प्रतिशत से अधिक आयात से पूरी करता है।

तांबे के नीलामी से लेकर वैधानिक मंजूरी एवं खनन शुरू होने तक की समूची खनिज रियायत प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया जाना चाहिए ताकि देरी और लंबित मामलों से बचा जा सके। सीएसईपी ने कहा कि मौजूदा खनन नीतिगत ढांचे में देश की भूवैज्ञानिक क्षमता का पूरी तरह दोहन नहीं हो पा रहा है।

पीएसयू के लिए डीलिस्टिंग नियम अधिसूचित

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने ऐसे सार्वजनिक उपक्रमों की स्वेच्छिक रूप से सूचीबद्धता समाप्त करने (डीलिस्टिंग) के लिए आसान नियम अधिसूचित किए हैं, जिनमें सरकार की 90% या उससे अधिक हिस्सेदारी है। इसका मकसद बाहर निकलने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है।

शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनी के शेयर वहां से हटाने की प्रक्रिया को 'डीलिस्टिंग' कहते हैं। इन उपायों में डीलिस्टिंग को मंजूरी देने के लिए दो-तिहाई सार्वजनिक शेयरधारकों की सीमा में ढील और न्यूनतम मूल्य की गणना के तरीके में राहत शामिल है। वहीं, ऐसी डीलिस्टिंग निश्चित मूल्य पर हो सकती है, जो न्यूनतम मूल्य से 15% अधिक होनी चाहिए। सेबी ने एक सितंबर की अधिसूचना में कहा कि यह नियम ऐसे उपक्रमों पर लागू है, जहां सरकार की 90% से अधिक हिस्सेदारी है। इनमें बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) और बीमा कंपनियां नहीं हैं।

स्टार्टअप कंपनियों के लिए ईएसओपी नियमों में संशोधन

सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने की इच्छा रखने वाली स्टार्टअप इकाइयों के संस्थापकों को बड़ी राहत देते हुए सेबी ने नियमों में संशोधन किया है। उन्हें आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) दस्तावेज दाखिल करने से एक साल पहले दिए कर्मचारी शेयर विकल्प (ईएसओपी) को बनाए रखने की अनुमति दी गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा, कोई कर्मचारी, जो प्रवर्तक या सदस्य के रूप में पहचाना जाता है और जिसे मसौदा दस्तावेज दाखिल करने से एक साल पहले किसी भी योजना के तहत विकल्प, एसएआर (स्टॉक एप्रिसिएशन राइट्स) या कोई अन्य लाभ दिया गया था, वह ऐसे विकल्प, एसएआर या किसी अन्य लाभ को बनाए रखने और उसका प्रयोग करने का पात्र होगा।

सेबी ने इनविट नियमों में संशोधन किया, न्यूनतम निवेश सीमा घटाई

सेबी ने निजी तौर पर नियोजित बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) के लिए प्राथमिक बाजार में न्यूनतम आवंटन लॉट को घटाकर 25 लाख करने के नियमों को अधिसूचित किया है। इसके साथ यह द्वितीयक बाजार में कारोबार लॉट के आकार के अनुरूप हो गया है। इससे पहले, निजी तौर पर नियोजित इनविट के लिए प्राथमिक बाजार में न्यूनतम आवंटन लॉट परिसंपत्ति मिश्रण के आधार पर एक करोड़ या 25 करोड़ रुपये था। मिश्रित परिसंपत्तियों पर गौर किए बिना द्वितीयक बाजार में कारोबार लॉट का आकार पहले ही घटाकर 25 लाख रुपये कर दिया गया था। यह संशोधन सभी निजी तौर पर नियोजित इनविट के लिए प्राथमिक बाजार में 25 लाख रुपये का एक समान न्यूनतम आवंटन आकार रखता है।

राष्ट्रीय

राष्ट्रपति- राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे

कर्नाटक ने उच्चतम न्यायालय से कहा- वे केंद्र तथा राज्य की सहायता और सलाह पर कार्य करने के लिए बाध्य

नई दिल्ली, एजेंसी

एलोपैथी पर रामदेव की टिप्पणी का मामला: छत्तीसगढ़ पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट की दाखिल

उच्चतम न्यायालय को मंगलवार को सूचित किया गया कि कोविड के दौरान योग गुरु रामदेव की एलोपैथिक दवाओं के इस्तेमाल के खिलाफ कथित टिप्पणी से संबंधित मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ को यह जानकारी दी। मेहता ने कहा कि रामदेव के खिलाफ शिकायतें कुछ स्वार्थी समूहों से प्रायोजित थीं। रामदेव के अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने कहा कि पिछले निर्देशों के अनुसार, छत्तीसगढ़ ने अपना जवाब दाखिल कर दिया है, लेकिन बिहार ने अभी तक जवाब दाखिल नहीं किया है। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की पटना और रायपुर शाखाओं ने 2021 में शिकायत दर्ज कराई थी कि रामदेव की टिप्पणियों से कोविड नियंत्रण तंत्र के प्रति पूर्वाग्रह पैदा हो सकता है और लोग उचित उपचार से कतरा सकते हैं। रामदेव ने केंद्र, बिहार, छत्तीसगढ़ और आईएमए को पक्षकार बनाया था।

कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत राष्ट्रपति और राज्यपाल केवल नाममात्र के प्रमुख हैं और वे केंद्र तथा राज्य दोनों में मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर कार्य करने के लिए बाध्य हैं।

कर्नाटक सरकार के अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यन ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष कहा कि संविधान का अनुच्छेद 361 राष्ट्रपति और राज्यपाल को किसी भी आपराधिक कार्यवाही से छूट प्रदान करता है क्योंकि उनके पास कार्यपालिका की जिम्मेदारी नहीं है। उच्चतम न्यायालय के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए सुब्रमण्यन ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पीएस नरसिम्हा और एएस चंदुरकर की पीठ को बताया कि विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए राज्यपाल की संतुष्टि, मंत्रिपरिषद की संतुष्टि ही है।

राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई के आठवें दिन अपनी दलीलों में सुब्रमण्यन ने कहा कि संविधान राज्य में निर्वाचित सरकार के साथ समानांतर प्रशासन की व्यवस्था नहीं करता है। गवई ने सुब्रमण्यम से पूछा कि क्या सीआरपीसी की धारा 197 के तहत, जो लोकसेवकों पर मुकदमा चलाने के लिए पूर्व मंजूरी से संबंधित है, सरकार को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर कार्य करना पड़ता है। इस पर वरिष्ठ वकील ने कहा कि न्यायालय के कई निर्णय हैं, जिनमें यह माना गया है कि राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से स्वतंत्र होकर कार्य करते हैं और धारा 197 के संबंध में अपने विवेक का इस्तेमाल करते हैं।

इससे पहले तीन सिबंतर को बंगाल सरकार ने उच्चतम न्यायालय से कहा था कि विधेयक के रूप में जनता की आकांक्षाओं को राज्यपालों और राष्ट्रपति की इच्छाओं के अधीन नहीं किया जा सकता, क्योंकि कार्यपालिका को विधायी प्रक्रिया में हस्तक्षेप से रोका गया है। राज्यपाल संप्रभु की इच्छा पर सवाल नहीं उठा सकते हैं और विधानसभा द्वारा पारित विधेयक की विधायी क्षमता की जांच करने को आगे नहीं बढ़ सकते हैं, जो न्यायपालिका के अधिकार में है। न्यायालय राष्ट्रपति द्वारा भेजे 14 प्रश्नों की जांच कर रहा है, जिनमें यह भी है कि क्या संवैधानिक प्राधिकारी विधेयकों पर अनिश्चितकाल तक स्वीकृति रोक सकते हैं और क्या न्यायालय अनिवार्य समय-सीमा लागू कर सकते हैं।

स्वयंसेवक से उपराष्ट्रपति तक सीपी राधाकृष्णन का रहा बेमिसाल सफर

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में एनडीए संसदीय दल की बैठक के दौरान सीपी राधाकृष्णन को सम्मानित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

किशोरावस्था में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक, जनसंघ से राजनीतिक पारी की शुरुआत, 1990 के दशक में भाजपा के सांसद, समर्थकों के बीच तमिलनाडु के मोदी के नाम से लोकप्रिय और आज देश के दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद के लिए निर्वाचित हुए चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन का सफर निस्संदेह बेमिसाल है।

उपराष्ट्रपति के तौर पर उनका सफर अब अलग तरह का होगा, जिसमें उनके सामने कई चुनौतियां होंगी। सबसे बड़ी चुनौती राज्यसभा के सभापति के रूप में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संतुलन बनाने की होगी, क्योंकि कुछ वर्षों में विपक्ष ने आसन की निष्पक्षता को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं। राधाकृष्णन (77 वर्ष) देश के 15वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। वे अब तक महाराष्ट्र के राज्यपाल की भूमिका रहे राधाकृष्णन किशोरावस्था में ही आरएसएस और जनसंघ से जुड़ थे। राधाकृष्णन ने 1998 और 1999 में कोयंबटूर लोकसभा सीट से दो बार चुनाव जीता, हालांकि इसके बाद उन्हें इस सीट से तीन बार हार का सामना करना पड़ा। तमिलनाडु में सभी दलों में उन्हें काफी सम्मान हासिल है और यही वजह है कि भाजपा ने उन्हें कई राज्यों का राज्यपाल बनाया।

उन्होंने 31 जुलाई, 2024 को महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। इससे पहले, उन्होंने डेढ़ साल तक झारखंड के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। झारखंड के राज्यपाल के रूप में, उन्हें तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया था। कई राज्यों में राज्यपाल होने के बाद भी, वह तमिलनाडु का दौरा करते रहे हैं। अपने हालिया तमिलनाडु दौरे के दौरान उन्होंने कई कार्यक्रमों में भाग लिया और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से भी मुलाकात की थी।

ऐश्वर्या ने कोर्ट से किया तस्वीर के अवैध प्रयोग पर रोक का अनुरोध

नई दिल्ली, एजेंसी

- अभिनेत्री ने की हाईकोर्ट से व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की मांग

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट से आग्रह किया कि उनके व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की जाए और ऑनलाइन मंचों को उनके नाम, तस्वीरों और एआई-जनित अश्लील सामग्री का अवैध रूप से उपयोग करने से रोका जाए।

न्यायमूर्ति तेजस करिया ने मौखिक रूप से संकेत दिया कि वह प्रतिवादियों को चेतावनी देते हुए एक अंतरिम आदेश पारित करेंगे। यह मुकदमा उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं, जिनमें उनका नाम, तस्वीर, व्यक्तित्व और आवाज शामिल है, के दुरुपयोग से संबंधित है और प्रतिवादी उनकी राय की सहमति के बिना उनका उपयोग अपने व्यावसायिक लाभ के लिए कर रहे हैं।

याचिका में कहा गया है, कई अज्ञात पक्ष सहित प्रतिवादीगण वादी के चेहरे की छवि को कृत्रिम मेधा और डीपफेक तकनीक का उपयोग कर किसी अन्य व्यक्ति में लगा रहे हैं और वादी के अरुचिकर वीडियो और चित्र बनाए जा रहे हैं...। राय के वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने कहा कि अभिनेत्री अपने प्रचार और व्यक्तिगत अधिकारों का इस्तेमाल करना चाहती हैं। उन्होंने तर्क दिया कि कुछ पूरी तरह से अवास्तविक अंतरंग तस्वीरें इंटरनेट पर प्रसारित की जा रही हैं।

दिल्ली में एसी का कंप्रेसर फटने से पांच लोग घायल

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के यमुना विहार में स्थित पिज्जा आउटलेट में एयर कंडीशनर कंप्रेसर फटने से तीन कर्मचारियों समेत पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि घटना सोमवार को पिज्जा हट आउटलेट में हुई जहां कंप्रेसर में विस्फोट के बाद आग लग गई। आउटलेट के तीन कर्मचारियों समेत पांच लोग घायल हुए हैं।

पिज्जा हट की प्रवक्ता रिधि ने कहा कि पिज्जा हट यमुना विहार रेस्टोरेंट में आब नहीं लगी थी। यह बाहर मुख्य भवन परिसर में लगी थी और अधिकारी मूल कारण पता लगा रहे हैं। हमारे किसी भी ग्राहक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हमारी स्टोर टीम के सदस्य घायल हुए हैं, जिन्होंने बहादुरी से आग पर काबू पाने में मदद की।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भारी भूस्खलन

- भूमि धंसाव से 50 इमारतें हुईं क्षतिग्रस्त, जिनमें अधिकांश रिहायशी मकान

मेंढर/जम्मू, एजेंसी

जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में पहाड़ी की ढलान पर स्थित एक गांव में भूमि धंसाव से 50 आवासीय ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए जिनमें अधिकांश रिहायशी मकान थे। जम्मू कश्मीर के मंत्री जावेद अहमद राणा ने अपने मेंढर निर्वाचन क्षेत्र के प्रभावित कलाबन गांव का दौरा किया तथा प्रभावित लोगों को पर्याप्त राहत और पुनर्वास का आश्वासन दिया।

अधिकारियों ने बताया कि भूमि धंसने से तीन स्कूल भवन, एक मस्जिद, एक कब्रिस्तान और गांव को जाने वाली सड़क क्षतिग्रस्त हो गई। यहां अब भी भूमि धंस रही है, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई है। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों का प्रभार संभाल रहे राणा ने गांव में दौरा करने के बाद कहा कि यह मेरा पैतृक गांव है जो पिछले कुछ दिनों से भूमि धंसने की समस्या का सामना कर रहा है...हाल ही में पुंछ, राजौरी और कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से भूमि धंसने की खबरें आई थीं, जो जाहिर तौर पर भारी बारिश के कारण हुई।

उन्होंने कहा कि 25 से अधिक आवासीय मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 20 अन्य मकानों में दरारें आ गई हैं, जिससे वे असुरक्षित हो गए हैं। गांव की आधी आबादी, यानी 700 लोग भूमि धंसने से प्रभावित हैं। मैंने प्रशासन को अस्थायी पुनर्वास और राहत प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

हिमाचल के कुल्लू में भूस्खलन में एक महिला की मौत, चार के मलबे में दबे होने की आशंका

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के निरमंड इलाके में भूस्खलन में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसके परिवार के चार अन्य सदस्यों के मलबे में दबे होने की आशंका है। जिले की घाटू पंचायत के शरमानी गांव में सोमवार रात डेढ़ बजे भारी बारिश से भूस्खलन हुआ, जिसमें दो घर क्षतिग्रस्त हो गए। ग्राम पंचायत प्रधान भोगा राम ने मंगलवार को बताया कि एक शव बरामद कर लिया और चार लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। मृतक की पहचान शिव राम की पत्नी बरसीती देवी के रूप में हुई है, जबकि चुन्नी लाल, अंजू, जागृति और पुपेश लापता हैं। गांव में तलाश अभियान जारी है। धर्म दास, उनकी पत्नी कला देवी और शिव राम घायल हो गए। ग्रामीणों ने उन्हें निरमंड के अस्पताल में भर्ती कराया।

प्रज्ञा ठाकुर, छह अन्य को बरी करने पर पीड़ित पहुंचे हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

मालेगांव विस्फोट

- बंबई हाईकोर्ट से विशेष अदालत के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया

2008 के मालेगांव बम विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों ने मामले के सात आरोपियों को बरी करने के विशेष अदालत के फैसले को बंबई हाईकोर्ट में चुनौती दी है। बरी किए गए आरोपियों में भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित भी हैं।

अपील में दावा किया गया कि दोषपूर्ण जांच या जांच में कुछ खामियां आरोपियों को बरी करने का आधार नहीं हो सकतीं। यह भी तर्क दिया गया कि साजिश गुप्त रूप से रची जाती है, इसलिए इसका कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं हो सकता। विशेष एनआईए (राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण) अदालत की ओर से 31 जुलाई को सुनाया गया सात आरोपियों को बरी करने संबंधी आदेश गलत है। निसार अहमद सैयद बिलाल और पांच अन्य ने वकील मतीन शेख के माध्यम से सोमवार को अपील दायर कर हाईकोर्ट से विशेष अदालत के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया। यह अपील 15 सितंबर को न्यायमूर्ति एएस गडकरी की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आने की संभावना है। नासिक जिले के मालेगांव में 29 सितम्बर 2008 को एक मस्जिद के पास बाइक पर बंधे विस्फोटक में विस्फोट हुआ था, जिसमें छह की मौत और 101 लोग घायल हुए थे।

नेपाल में जनाक्रोश

काठमांडू में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को एक पुलिस थाना और तमाम वाहनों को फूंक दिया।

युवा प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे तो पुलिस के बैरिकेड भी उन्हें नहीं रोक पाए।

सड़कों पर नारेबाजी और आगजनी के साथ युवाओं ने जमकर अपने गुस्से का इजहार किया।

बेकाबू गुस्सा... ओली के इस्तीफे से भी नहीं संभले हालात

राष्ट्रपति, सेना के वरिष्ठ अधिकारियों और काठमांडू के मेयर ने की बातचीत की अपील

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में ओली सरकार के गिरने के बाद भी उपद्रव थमने के नाम नहीं ले रहे हैं। देश में कई जगहों पर हो रही हिंसा की वारदातों को देखते हुए राष्ट्रपति के अलावा कई वरिष्ठ अधिकारियों, सेना के बड़े अफसरों और काठमांडू मेयर बालेंद्र शाह ने लोगों से हिंसा का रास्ता छोड़ने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

प्रशासन और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने मृतकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और घायलों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए एक संयुक्त अपील जारी करके कहा है, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है, इसलिए हम सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने और जानमाल को और नुकसान से बचाने का आग्रह करते हैं। कहा गया है कि हम सभी पक्षों से राजनीतिक बातचीत के माध्यम से शीघ्र और शांतिपूर्ण समाधान निकालने का भी आह्वान करते हैं। कांतिपुर समाचार पत्र ने बताया है कि इस पर अपील पर सेना और शासन के बड़े अधिकारियों के दस्तखत हैं। इनमें नेपाल सरकार के मुख्य सचिव एकनारायण आर्यल, सेनाध्यक्ष, नेपाली सेना अशोक राज सिगदेल, गृह सचिव गोकर्णमणि दुवादी और अन्य वरिष्ठ लोग शामिल हैं।

इन अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि स्थिति को स्थिर करने और आगे किसी भी प्रकार की हताहत या संपत्ति के नुकसान को रोकने के लिए नागरिकों का सहयोग और सभी पक्षों का संयम अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रदर्शनकारियों ने नेपाल की संघीय संसद परिसर में भी आग लगा दी, इस इमारत से पूरे दिन धुएं के गुबार उठते रहे।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करें नेपाल के अधिकारी

काठमांडू। ऑस्ट्रेलिया, फिनलैंड, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और अमेरिका ने नेपाल में जेन जेड के विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा और जानमाल के नुकसान पर दुख जताया है। एक संयुक्त बयान में इन देशों ने कहा, हम काठमांडू और नेपाल के अन्य हिस्सों में हुई हिंसा से बेहद दुखी हैं जिसमें प्रदर्शनों के दौरान हुई जानमाल की दुखद हानि और घायलों की संख्या भी शामिल है। हम पीड़ितों के परिवारों और सभी प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं। एक बयान में संयुक्त राष्ट्र महासचिव प्रवक्ता ने कहा कि सुरक्षा बलों को बल प्रयोग के मूल सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र स्पष्ट रूप से इस स्थिति पर गहरी चिंता के साथ नजर रख रहा है। यह जरूरी है कि अधिकारी, सरकार, शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकारों की रक्षा और सम्मान करें।

भारत से काठमांडू की सभी उड़ानें रद्द, सिलिगुड़ी से बस सेवा भी बंद

नई दिल्ली। भारतीय विमान सेवा कंपनियों ने काठमांडू के लिए सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि एयरलाइंस ने दिल्ली और काठमांडू के बीच मंगलवार की सभी चार उड़ानें रद्द कर दी हैं। स्थिति पर नजर रखा जा रही है और आगे अपडेट साझा किए जाएंगे। इंडिगो ने एक्स पर बताया कि उसने काठमांडू में हवाई अड्डे को बंद किए जाने के मद्देनजर सभी आने-जाने उड़ानें निलंबित कर दी हैं। काठमांडू और पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के बीच बस सेवा भी स्थगित कर दी गई है। उत्तर बंगाल राज्य परिवहन निगम ने पुष्टि की है कि काठमांडू-काकरविट्टा-सिलीगुड़ी बस सेवा, जो सप्ताह में दो बार मंगलवार और गुरुवार को चलती है उसे तकनीकी कारणों से स्थगित कर दिया गया है।

भारतीय दूतावास ने आपातकालीन फोन नंबर जारी किए

काठमांडू। भारत ने नेपाल में अपने नागरिकों के लिए आपातकालीन फोन नंबर जारी कर आपातस्थिति में उन पर संपर्क करने को कहा है। नेपाल में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर अपने +977 – 980 860 2881 और +977 – 981 032 6134 नंबर साझा किए हैं। साथ ही सलाह दी है कि नेपाल में मौजूद भारतीय नागरिक अपने निवास पर ही रहें, सड़कों पर निकलने से बचें।

सड़कों पर उतरे नेपाली युवाओं ने पुलिस के सामने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

सोशल मीडिया पर पाबंदी... क्योंकि असहमति की आवाजों पर नकेल कसना चाहती हैं सरकारें

काठमांडू। नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाया जाना दुनिया भर में और यहां तक कि लोकतांत्रिक देशों में भी इसपर अंकुश लगाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। नेपाल सरकार ने पिछले हफ्ते यह कहकर 'फेसबुक', 'एक्स' और 'यूट्यूब' समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगा दिया था कि ये कंपनियां पंजीकरण कराने की अनिवार्यता का पालन करने में विफल रही हैं।

कॉर्नेल विश्वविद्यालय में सूचना विज्ञान के सहायक प्रोफेसर आदित्य वशिष्ठ ने कहा कि नेपाल में जो कुछ हो रहा है, वह जनता के विमर्श को नियंत्रित करने और जमीनी स्तर पर उभर रहे विचारों को नियंत्रित करने के इस व्यापक पैटर्न को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश में ऐसा कई बार हो चुका है। वशिष्ठ ने कहा, यह कोई नई बात नहीं है, असल में यह सोशल मीडिया पर चल रहे विमर्श को नियंत्रित करने की एक बखूबी स्थापित रणनीति के तहत किया गया है।

वाशिंगटन स्थित गैर-लाभकारी संस्था 'फ्रीडम हाउस' में प्रौद्योगिकी और लोकतंत्र के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट कियान वेस्टिंसन ने कहा, नेपाल में लागू किए गए इन उपायों ने करोड़ों लोगों को उन प्लेटफॉर्म से दूर कर दिया है जिनका इस्तेमाल वे अपनी अभिव्यक्ति के लिए, रोजमर्रा के कामकाज के लिए, अपने परिवारों से बात करने के लिए, स्कूल जाने के लिए और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए करते हैं।

चीन इंटरनेट स्वतंत्रता के लिए सबसे बड़ा दुश्मन

फ्रीडम हाउस के मुताबिक चीन इंटरनेट स्वतंत्रता के लिए दुनिया के सबसे खराब माहौल की सूची में सबसे ऊपर है, पिछले साल म्यांमार इस मामले में शीर्ष स्थान पर था। जनवरी में पाकिस्तान की संसद के निचले सदन ने एक विधेयक पारित किया जो सरकार को सोशल मीडिया पर व्यापक नियंत्रण प्रदान करता है, जिसमें गलत सूचना फैलाने पर यूजर को जेल भेजना भी शामिल है। इंटरनेट के जरिए अभिव्यक्ति की आजादी को आधुनिक लोकतंत्र का आधार बताते हुए, फ्रीडम हाउस ने कहा कि 21वीं सदी का लोकतंत्र एक भरोसेमंद ऑनलाइन वातावरण के बिना काम नहीं कर सकता, जहां लोग जानकारी प्राप्त कर सकें और अपनी बात खुलकर कह सकें। हालांकि, सरकारें तेजी से बाधाएं खड़ी कर रही हैं।

तीन दशकों से आंदोलन

नेपाल में तीन दशकों में अनेक आंदोलन हुए हैं। 1990 में राजशाही के खिलाफ जनआंदोलन में सैकड़ों मौतें हुई। 1996 से 2006 तक माओवादी विद्रोह में कम्युनिस्ट विद्रोहियों और सरकार के बीच गृहयुद्ध की स्थिति बनी जिसमें 17 हजार लोग मारे गए। 2006 में दूसरा जनआंदोलन हुआ जिसने राजशाही को कमजोर कर गणतंत्र का मार्ग साफ किया। 2007 से 2008 के बीच मधेसी आंदोलन में तराई में जातीय नेपाली अधिकारों की मांग के चलते हुई हिंसा में अनेक लोग मारे गए। 2015 में मधेसी-टारू प्रदर्शन, वर्ष 2019 से 2020 तक नागरिकता कानून और भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शन में काठमांडू और तराई में हिंसा तथा पुलिस कार्रवाई में कई लोग घायल हुए।

राजशाही के अंत के बाद नहीं संभल पाया नेपाल, 10 से ज्यादा बार बदल चुकी हैं सरकारें

नई दिल्ली। भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिमालयी देश नेपाल में राजशाही समाप्त होने के बाद से पिछले सत्रह वर्षों में राजनीतिक अस्थिरता और अशांति का दौर रहा है और इस अल्पावधि में देश में दस से भी अधिक बार सरकारें बदली हैं।

दो बड़े देशों चीन और भारत से घिरे नेपाल की राजनीति और विदेश नीति इन दोनों देशों के साथ उसके संबंधों से प्रभावित रही है और अलग-अलग सरकारों को दोनों देशों के बीच संतुलन

- **पिछले 17 वर्षों से पड़ोसी देश में राजनीतिक अस्थिरता और अनिश्चतता का दौर**

साधने की चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। नेपाल में बाहरी ताकतों की दखलंदाजी के कारण भी अस्थिरता का माहौल बनता रहा है। करीब तीन करोड़ की आबादी वाले नेपाल में एक दशक तक चले गृह युद्ध के बाद 239 वर्ष पुरानी राजशाही का अंत होने के साथ वर्ष 2008 में गणतंत्र की स्थापना हुई थी। पिछले सत्रह वर्षों में देश ने कई विरोध प्रदर्शनों के कारण बार-बार अस्थिरता और अनिश्चितता का सामना किया और औसतन हर एक-दो साल में सरकार बदलती रही। इस दौरान देश में 13 बार प्रधानमंत्री के स्तर पर सत्ता परिवर्तन हुआ। निवर्तमान प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली चार बार, पुष्प कमल दहल प्रचंड तीन बार और शेर बहादुर देउबा दो बार प्रधानमंत्री रहे। देश में राजनीतिक अस्थिरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि किसी भी प्रधानमंत्री ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया।

मौजूदा घटनाक्रम इसी कड़ी का हिस्सा है। देश में लंबे समय से व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर सरकार के खिलाफ लोगों का गुस्सा पहले से ही सुलग रहा था और सरकार के सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के आदेश के बाद विशेष रूप से युवाओं जिन्हें 'जेनरेशन जेड' कहा जा रहा है का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। युवा आबादी के सड़कों पर उग्र विरोध ने विद्रोह का रूप ले लिया। दो दिन के उग्र प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री ओली को इस्तीफा देना पड़ा। इससे पहले उनके कुछ मंत्रियों ने भी इस्तीफा दे दिया था।

ब्रिक्स देशों को एक-दूसरे से नफरत, व्यापार में अमेरिका से करते हैं पिशाचों जैसा बर्ताव

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि 'ब्रिक्स' गठबंधन लंबे समय तक नहीं टिकेगा, क्योंकि इसके सदस्य देश एक-दूसरे से नफरत करते हैं। उन्होंने इन देशों के व्यापार करने के तौर-तरीकों की तुलना अमेरिका का शोषण करने वाले पिशाचों से की है।

ब्रिक्स में मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे, लेकिन इसका 2024 में विस्तार करके इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात को शामिल किया गया तथा 2025 में इंडोनेशिया भी इसमें शामिल हो गया। नवारो ने सोमवार को 'रियल अमेरिकाज वॉयस' कार्यक्रम को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मुझे समझ नहीं आता कि ब्रिक्स

- **ट्रंप के व्यापार सलाहकार नवारो की फिर छलकी बौखलाहट**

गठबंधन कैसे एकजुट रह सकता है, क्योंकि ऐतिहासिक रूप से ये सभी एक-दूसरे से नफरत करते रहे हैं और एक-दूसरे को मारते रहे हैं। ब्रिक्स देशों पर तीखा निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, असल बात यह है कि इस समूह का कोई भी देश तब तक जीवित नहीं रह सकता जब तक वे अमेरिका को अपना माल नहीं बेचते। और जब वे अमेरिका को निर्यात करते हैं, तो वे अपनी अनुचित व्यापार नीतियों से पिशाचों (वैम्पायर) की तरह हमारी नसों का खून चूसते हैं।

रूस से तेल आयात और ऊंचे शुल्कों को लेकर भारत के खिलाफ आए दिन राग अलापने वाले नवारो ने कहा कि भारत दशकों से चीन के साथ युद्ध लड़ रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, और मुझे अभी याद आया, पाकिस्तान को परमाणु बम चीन ने ही दिया था। अब आपके पास हिंद महासागर में चीनी झंडे लिए हवाई जहाज़ घूम रहे हैं। मोदी, देखिए आप इसे कैसे संभालते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि रूस का चीन के साथ पूरी तरह गठजोड़ है। नवारो ने दावा किया कि बीजिंग की नजर रूसी बंदरगाह व्लादिवोस्तोक पर है और वह पहले से ही बड़े पैमाने पर अवैध आव्रजन के ज़रिए साइबेरिया जो रूसी अर्ध-साम्राज्य का सबसे बड़ा भूभाग है, उस पर उपनिवेश स्थापित कर रहा है।

रूस का यूक्रेन के गांव पर ग्लाइड बम से हमला, पेंशन की लाइन में लगे 21 बुजुर्गों की मौत

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को पूर्वी यूक्रेन के एक गांव में पेंशन प्राप्त करने के लिए लाइनों में लगे बुजुर्गों पर रूसी ग्लाइड बम से किए गए हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और दो दर्जन लोग घायल हो गए।

जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनेत्स्क क्षेत्र के यारोवा गांव में बम गिरा। उन्होंने हमले के बारे में कहा, निःसंदेह यह क्रूरता है। जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वह रूस पर अतिरिक्त आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उसे आक्रमण के लिए दंडित करें। उन्होंने पोस्ट में कहा, दुनिया को चुप नहीं रहना चाहिए। दुनिया को निष्क्रिय नहीं रहना चाहिए। अमेरिका को जवाब देना चाहिए। यूरोप को जवाब देना चाहिए। जी-20 को प्रतिक्रिया देनी चाहिए। रूस को मौत का तांडव मचाने से रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की जरूरत है। दोनेत्स्क के गवर्नर वादिम फिलाश्किन ने बताया कि पेंशन पाने के लिए इंतजार कर रहे बुजुर्गों की कतार पर हुए इस हमले में 21 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य लोग घायल हो गए।

इजराइल ने बड़े पैमाने पर हमले से पहले गाजा शहर खाली करने के लिए कहा

यरूशलम। इजराइली सेना ने मंगलवार को गाजा शहर में एक बड़े हमले से पहले शहर खाली करने का आदेश दिया और भी दी कि जो लोग बचे हैं उन्हें गंभीर खतरा है।

इजराइली सेना के प्रवक्ता अविचाय अद्राई ने एक्स पर लिखा, सेना इस क्षेत्र में पूरी ताकत से कार्रवाई करेगी। लगभग 10 लाख लोगों से दक्षिण में अल-मवासी की ओर जाने का आग्रह किया गया है जिसे मानवीय क्षेत्र घोषित किया गया है। अद्राई ने कहा, शहर में रहना बेहद खतरनाक है। इजराइल ने यह आदेश हमास द्वारा ट्रंप की ओर से पेश नए युद्धविराम प्रस्ताव के बाद बातचीत शुरू करने को तैयार होने की घोषणा के एक दिन बाद दिया है।

दोहा में धमाका, कतर ने बताया इजराइल की कायराना हरकत

यरुशलम। इजराइल ने मंगलवार को कतर में हमास नेतृत्व को निशाना बनाकर हमला किया। इसके साथ हमास के खिलाफ इजराइल का अभियान और व्यापक हो गया। धमाके के बाद कतर की राजधानी दोहा के क्षितिज पर काला धुआं छा गया। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि हमले में कोई हताहत हुआ है या नहीं। सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमास के हमले के बाद से यह दूसरी बार है जब कतर पर सीधा हमला हुआ है। कतर ने इसे इजराइल की कायराना हरकत बताया है।

मानहानि: ट्रंप ने वाल स्ट्रीट जर्नल पर किया 20 अरब डॉलर का केस

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉल स्ट्रीट जर्नल के खिलाफ 20 अरब डॉलर का मानहानि का मुकदमा दायर किया है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि अखबार ने यह झूठा दावा किया कि उन्होंने 2003 में जेफ्री एपस्टीन के 50वें जन्मदिन के लिए एक अश्लील नोट लिखा था।

मियामी की संघीय अदालत में सोमवार को यह मुकदमा दायर किया गया जो मीडिया के खिलाफ ट्रंप के सबसे आक्रामक

- **एपस्टीन के बर्थ डे के लिए अश्लील नोट लिखने का लगा था आरोप**

कानूनी हमलों में से एक है। इस मुकदमे में उनके वकीलों ने जर्नल और उसकी मूल कंपनी डाउ जोन्स पर पत्रकारिता की नैतिकता में घोर विफलता का आरोप लगाया और कहा कि कोई भी प्रामाणिक पत्र मौजूद नहीं है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इस विवाद के केंद्र में गिस्लेन मैक्सवेल द्वारा एपस्टीन के लिए संकलित एक जन्मदिन पुस्तक है, जिसे हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेट्स ने पिछले सप्ताह जारी किया था। एक प्रविष्टि में एक नग्न महिला की रूपरेखा से बना एक नोट था जिस पर कमर के नीचे डोनाल्ड के हस्ताक्षर थे। जर्नल ने इस नोट को ट्रंप का बताया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 10 सितंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 15.37 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

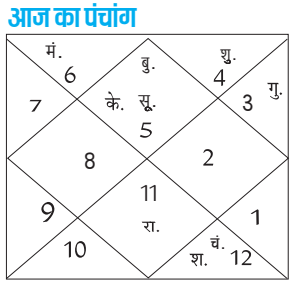

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- रेवती 16.03 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज दिन की शुरुआत थोड़ी कमजोर हो सकती है। काम की उलझनों में आप फंस सकते हैं। अपरिचित लोगों से अधिक मेलजोल न रखें। अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। परिजनों के व्यवहार से मन प्रसन्न रहेगा।

वृष — आज काम की उलझनों के कारण आप फंस सकते हैं। शरीर में थकावट और कमजोरी हो सकती है। शाम से पहले आवश्यक कार्यों को पूर्ण कर लेना हितकर होगा। आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। सरकारी कार्यों में रुकावट आ सकती है।

मिथुन — आज समय की अनुकूलता का लाभ उठाएं। उच्च अधिकारी आपका प्रोत्साहन बढ़ाएंगे। पिता के प्रति आदर का भाव बढ़ेगा। दिखावे के लिए धन खर्च कर सकते हैं। जरूरतमंद लोगों की सहायता करेंगे। अव्यावहारिक लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।

कर्क — आज कारोबार में इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। नई नौकरी आरंभ करने के लिए समय उत्तम है। प्रतियोगी परीक्षाओं में आपका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहने वाला है। लोगों के बीच आपके संपर्क का दायरा बढ़ेगा।

सिंह — आज मन में नए-नए विचार उत्पन्न होंगे। अपनी सोच का दायरा विस्तृत रखें। आपके सद्गुणों की प्रशंसा होगी। बड़े-बुजुर्गों के लिए उपहार खरीद सकते हैं। जल्दबाजी एवं क्रोध के कारण काम खराब हो सकते हैं।

कन्या — आज अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने से बचें। जीवनसाथी को पर्याप्त समय देंगे। आप कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं। अनावश्यक खर्चों की चिंता मन में रहेगी। नकारात्मक बातों को अधिक तूल न दें।

तुला — आज आपको शुभ समाचार मिल सकते हैं। परिजनों की अपेक्षाओं पर आप खरे उतरेंगे। आप राजनीतिक संपर्कों का लाभ उठाएंगे। कार्यक्षेत्र का वातावरण अनुशासित रहने वाला है। आपको ओवरटाइम करना पड़ सकता है।

वृश्चिक — आज अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जिम्मेदारियों के बोझ तले दब सकते हैं। मांगलिक कार्य की योजना बनाएंगे। आपकी मन :स्थिति विचलित हो सकती है। स्वार्थी व्यवहार के कारण प्रेमीजन आपसे खिन्न हो सकते हैं।

धनु — आज जॉब में आपके अधिकार बढ़ेंगे। शत्रुओं के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। महिलाओं का स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। लोग आपके प्रति सहानुभूति रखेंगे। अपनी रुचि के अनुसार काम करने का प्रयास करें। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर — आज आपको लोन और कर्ज लेने से बचना चाहिए। प्रेमीजन के साथ संबंध मधुर रहेंगे। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। जोड़ों में दर्द की शिकायत हो सकती है। अनैतिक कार्यों से आपको दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

कुंभ — आज विदेश यात्रा में आ रही रुकावट दूर होगी। मानसिक रूप से अशांति का अनुभव कर सकते हैं। दूसरों से अधिक अपेक्षा न रखें। अपनी दिनचर्या में परिवर्तन कर सकते हैं। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों की आय बढ़ सकती है।

मीन — आज मेहनत में कमी हो सकती है। घर के कार्यों में मन नहीं लगेगा। वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा। पुराने मामलों का निपटारा हो सकता है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आय के साधनों में वृद्धि होगी।

सुडोकू-95

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8				2			6
		7				4		1
	6				5		9	
6			4					5
9								7
	3			7	9			
8			6				7	
		3				2		
4			9				8	

सुडोकू - 94 का हल

1	6	5	9	4	2	7	3	8
4	3	7	8	6	5	1	2	9
9	2	8	1	3	7	5	4	6
6	5	2	4	8	9	3	7	1
8	7	1	5	2	3	9	6	4
3	9	4	6	7	1	8	5	2
5	8	6	7	1	4	2	9	3
7	4	3	2	9	8	6	1	5
2	1	9	3	5	6	4	8	7

खुद पर भरोसा रखें और उस दिशा में काम करते रहें जिस दिशा में आप जाना चाहते हैं, क्योंकि जो आपको मारता नहीं है, वह आपको अंतत: मजबूत बनाता है। इसलिए सकारात्मक रहना जरूरी है, खुद को प्रेरित करना बहुत कारगर होता है।
-ऋषभ पंत

स्टेडियम

बरेली, बुधवार ,10 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

टोनाली के गोल से इटली की जीत

डेब्रेसेन (हंगरी) : सैंड्रो टोनाली के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से इटली ने यूरोपीय फुटबॉल विश्व कप क्वालीफाइंग में सोमवार को इजराइल के खिलाफ नौ गोल वाले रोमांचक मुकाबले में 5-4 से जीत हासिल की। इस तरह से इटली ने अगले साल उत्तरी अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। जून में नॉर्वे से 3-0 की हार के बाद इटली का क्वालीफिकेशन अभियान मुश्किल में पड़ गया था। उसकी मुश्किल तब और बढ़ गई थी जब तटस्थ स्थल हंगरी में खेले गए मैच में इजराइल ने दो गोल की बढ़त हासिल कर ली थी।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की तिकड़ी में अभी है दम

सिडनी : ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है कि आगामी एशेज शृंखला में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की खतरनाक तेज गेंदबाजी तिकड़ी आखरी बार एक साथ खेलते हुए दिखेगी। उन्होंने कहा कि तीनों तेज गेंदबाजों में अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेल सकते हैं। इन तीनों तेज गेंदबाजों की उम्र 35 वर्ष के आसपास है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी आगे बढ़ी

हांगकांग : सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी ने मंगलवार को यहां हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया जबकि किरण जॉर्ज ने क्वालीफाइंग मुकाबला जीतकर पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। पेरिस विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में अपना दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी पहले दौर के अपने मुकाबले में चीनी ताइपे के चियू शियांग चिए और वांग ची-लिन को 21-13, 18-21, 21-10 से हराया।

श्रीलंका ने लियानागे को शामिल किया

कोलंबो : श्रीलंका ने एशिया कप के लिए मंगलवार को जेनिथ लियानागे को अपनी टीम में शामिल किया जिससे यह मध्यक्रम का बल्लेबाज तीन साल बाद टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेगा। श्रीलंका के पास अब चरित असलंका के नेतृत्व में 17 सदस्यीय टीम है और वे 13 सितंबर को अबु धाबी में बांग्लादेश के खिलाफ इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अभियान की शुरुआत करेंगे।

पाकिस्तान के गेंदबाज उस्मान ने संन्यास लिया

कराची : पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उस्मान शिनवारी ने महज 31 साल की उम्र में मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। शिनवारी ने 2013 से 2019 के बीच पाकिस्तान के लिए सभी प्रारूपों में कुल 34 मैच खेले। उन्होंने एक टेस्ट, 17 वनडे और 16 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में हिस्सा लिया। पाकिस्तान के लिए अपना पिछला मैच छह साल पहले खेलने वाले शिनवारी हालांकि 'लीग क्रिकेट' खेलना जारी रखेंगे।

दुबई में एशिया कप ट्रॉफी के अनावरण के दौरान ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह, हांगकांग के कप्तान यासिम मुर्तजा, पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा, अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव, श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका, बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास और यूएई के कप्तान मुहम्मद वसीम। एजेंसी

मैदान पर आक्रामकता नहीं छोड़ेंगे सूर्यकुमार और सलमान

दुबई, एजेंसी

भारत-पाक मुकाबला

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले एशिया कप के मुकाबले में आक्रामकता पर अंकुश नहीं लगाएगी, क्योंकि यह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का अहम पहलू है।

वहीं, पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली ने कहा कि वह किसी को निर्देश नहीं देंगे, लेकिन इससे पीछे भी नहीं हटेंगे। पाकिस्तान से पहले भारत को बुधवार को यूएई से खेलना है। सूर्यकुमार ने टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर कप्तानों की प्रेसवार्ता में कहा मैदान पर आक्रामकता हमेशा रहती है।

आक्रामकता के बिना हम यह खेल नहीं खेल सकते। मैं आक्रामकता के साथ मैदान पर उतरने को लेकर उत्साहित हूं। उनसे पूछा गया था कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में क्या खिलाड़ी आक्रामकता कम करेंगे। इस साल की शुरुआत में पहलगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद भारत और पाकिस्तान में सीमा पर तनाव और भारतीय सेना के आपरेशन सिंदूर के बाद दोनों टीमों के बीच यह पहला मुकाबला है। पाकिस्तानी कप्तान सलमान ने कहा अगर कोई आक्रामक होना चाहता है तो वह ऐसा कर सकता है। किसी खिलाड़ी को कुछ कहने की जरूरत नहीं है क्योंकि सभी अलग हैं। उन्होंने कहा तेज गेंदबाज हमेशा आक्रामक होते हैं। प्रस्तोता ने मीडिया से सिर्फ गैर राजनीतिक सवाल पूछने का अनुरोध किया। सूर्यकुमार और सलमान साथ में भी नहीं बैठे थे। उन दोनों के बीच में अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान बैठे थे।

भारतीय ऑलराउंडर निभाएंगे बड़ी भूमिका

एशिया कप टी-20 क्रिकेट में मेजबान संयुक्त अरब अमीरात से आज भिड़ेगी टीम

दुबई, एजेंसी

खिताब का प्रबल दावेदार भारत एशिया कप टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को यहां जब मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा तो ऑलराउंडर के जरिए टीम में पर्याप्त संतुलन स्थापित करने की कोशिश करेगा। भारत हालांकि अभी तक यह तय नहीं कर पाया है कि इस मुकाबले में तीसरे स्पिनर या विशेषज्ञ तेज गेंदबाज के साथ उतरना है या नहीं।

मुख्य कोच गौतम गंभीर के कार्यभार संभालने के बाद से भारत ने सभी प्रारूपों में ऑलराउंडर को प्राथमिकता दी है। ऐसा विशेष कर बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए किया गया है ताकि आठवें नंबर तक उसके पास अच्छे बल्लेबाज रहें। अमीरात के खिलाफ मैच 14 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले अभ्यास मैच की तरह होगा। कमजोर मानी जाने वाली यह टीम भारतीय टीम प्रबंधन को इस बात का अंदाजा देगी कि टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए किस संयोजन के साथ मैदान में उतरना बेहतर होगा। यूएई के खिलाड़ियों के लिए यह सबसे बड़ा मैच होगा। जसप्रीत बुमराह का सामना करना या शुभमन गिल को गेंदबाजी करना किसी एसोसिएट देश के क्रिकेटर के जीवन में आम बात नहीं है और एशिया कप उन्हें खेल के वास्तविक माहौल से अवगत कराएगा। भारतीय टीम में संजू सैमसन बनाम जितेश शर्मा की पहेली फिलहाल सुलझ गई है। जितेश की फिनिशर की भूमिका को सैमसन की विस्फोटक बल्लेबाजी पर प्राथमिकता मिलना तय है।

मीडिया को संबोधित करते पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा, अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका। एजेंसी

दुबई में रहना और सभी मैच अबुधाबी में खेलना आदर्श नहीं: राशिद

- **दुबई :** अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने मंगलवार को स्पष्ट रूप से कहा कि दुबई में रहना और हर मैच के दिन लगभग दो घंटे की यात्रा करके अबुधाबी जाना उनकी टीम के लिए आदर्श कार्यक्रम नहीं है। इससे भी बड़ी विडंबना यह थी कि राशिद उसी दिन सुबह यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में शामिल हुए जिस दिन उनकी टीम को शाम को अबुधाबी में हांगकांग से भिड़ना है। राशिद ने एशिया कप की अनिवार्य प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा मुझे नहीं लगता कि यह आदर्श है - इसी बात पर हम पहले भी (दूसरे कप्तानों के साथ) चर्चा कर रहे थे। टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे अधिक विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कहा अबुधाबी में खेलना और तीनों मैचों के लिए दुबई में रहना... यह अलग बात है। लेकिन पेशेवर क्रिकेटर होने के नाते हमें इन चीजों को स्वीकार करना होगा।
- श्रीलंकाई कप्तान चरित असलंका ने भी कार्यक्रम के बारे में बात की जिससे जिम्बाब्वे के खिलाफ कड़ी शृंखला के बाद उनकी टीम को आराम करने और उबरने का बहुत कम समय मिला है। असलंका से जब काफी कम समय में इतने सारे मैच खेलने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा अभी मुझे बहुत नींद आ रही है। मुझे लगता है कि मुझे कल इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा नहीं मेरा मतलब है कि छह और सात सितंबर को जिम्बाब्वे में लगातार दो मैच और फिर सीधे यहां (दुबई) आना काफी मुश्किल है। मुझे लगता है कि हमें कुछ दिन की छुट्टी की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि कोच हमें छुट्टी देंगे। असलंका ने कहा अपनी फिटनेस का ध्यान रखना जरूरी है और हम सभी जानते हैं कि यहां बहुत गर्मी है।

समय : रात 8:00 बजे से

यूएई के पास कौशल दिखाने का मौका

- **दुबई :** यूएई के लिए यह टूर्नामेंट अपना कौशल दिखाने का एक शानदार अवसर है। मुहम्मद वसीम, राहुल चोपड़ा और सिमरनजीत सिंह जैसे खिलाड़ी अनुभवी कोच लालचंद राजपूत के मार्गदर्शन में अपनी छाप छोड़ने के लिए उत्सुक हैं।

टीम

- **भारत :** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह।
- **संयुक्त अरब अमीरात :** मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान।

बांग्लादेश के ओपनर सेदिकुल्लाह अटल शॉट लगाते हुए। एजेंसी

अफगानिस्तान ने हांगकांग को दिया 189 रनों का लक्ष्य

- **सेदिकुल्लाह और उमरजई ने खेली अर्धशतकीय पारी**

अबु धाबी, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल और अजमतुल्लाह उमरजई के अर्धशतक और दोनों के बीच अर्धशतकीय साझेदारी से अफगानिस्तान ने एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप बी मैच में मंगलवार को हांगकांग के खिलाफ छह विकेट पर 188 रन बनाए।

अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान सेदिकुल्लाह ने 52 गेंद में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 73 रन की पारी खेली। अजमतुल्लाह ने अंतिम ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की ओर से सबसे तेज 20 गेंद में अर्धशतक जड़ा और 21 गेंद में पांच छक्कों और दो चौकों से 53 रन बनाए। सेदिकुल्लाह ने मोहम्मद नबी (33) के साथ भी तीसरे विकेट के लिए 51 रन जोड़े। हांगकांग की ओर से किंचित शाह सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 24 रन देकर दो विकेट चटकाए। आयुष शुक्ला ने भी 54 रन देकर दो विकेट हासिल किए। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद सेदिकुल्लाह चार रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब आयुष शुक्ला की गेंद पर हांगकांग के कप्तान यासिम मुर्तजा ने स्लिप में उनका कैच टपका दिया।

बैजबॉल को लेकर गलतफहमी

- **इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा ये नहीं है कोई खेल शैली**

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि क्रिकेट का बैजबॉल ब्रांड कोई कड़ी खेल शैली नहीं है, बल्कि यह खिलाड़ियों को स्वछंद होकर खेलने की छूट देने से जुड़ा है तथा इसको लेकर गलत धारणाएं खिलाड़ियों के लिए अपमानजनक है।

मैकुलम ने 2022 में इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कमान संभा ली और आक्रामक अंदाज में क्रिकेट खेलने को प्राथमिकता दी। क्रिकेट जगत ने इस शैली को बैजबॉल नाम दिया लेकिन मैकुलम को यह शब्द पसंद नहीं है। बीबीसी स्पोर्ट की रिपोर्ट के अनुसार मैकुलम ने फॉर द लव ऑफ क्रिकेट पॉडकास्ट में कहा हमारे अंदर कभी भी अपने बारे में ऐसी मानसिकता नहीं रही है। चीजों को लेकर हमारा रवैया सख्त नहीं है। हम जिस तरह की क्रिकेट खेलते हैं उसको लेकर कुछ गलत धारणा है। यह सभी खिलाड़ियों और टीम के अन्य सदस्यों के लिए अपमानजनक है। हम कड़ी मेहनत करते हैं और सफल होना चाहते हैं पर हमें इस तरह से वर्गीकृत करना सही नहीं है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि उनका जोर हमेशा खिलाड़ियों की मानसिकता पर रहा है, न कि किसी विशेष तरीके से खेलने पर। मैकुलम ने कहा हमारे लिए यह एक ऐसा माहौल तैयार करने से जुड़ा है हम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के दबाव को झेलने और अपनी भूमिका को अच्छी तरह से समझने पर जोर देते हैं।

जैसमीन विश्व मुक्केबाजी के क्वार्टर फाइनल में

लिवरपूल (इंग्लैंड) : राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैसमीन लंबोरिया ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पहले पदक की ओर कदम बढ़ाते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि भारत के दो अन्य मुक्केबाज हारकर बाहर हो गए।

जैसमीन ने महिलाओं के 57 किलो वर्ग के अंतिम 16 में ब्राजील की दो बार की ओलंपियन जूसीलेन सेरकीरा रोमेउ को 5.0 से हराया। दोनों में जुलाई में अस्ताना टूर्नामेंट में भी स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला हुआ था जिसमे जैसमीन जीती थीं।

टी-20 विश्व कप सात फरवरी से!

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले टी-20 विश्व कप 2026 को सात फरवरी से आठ मार्च के बीच खेला जा सकता है। इस विश्व कप का आयोजन भारत के कम से कम पांच और श्रीलंका के दो शहरों में होने की संभावना है।

इस विश्व कप का फाइनल अहमदाबाद या कोलंबो में होगा। यह पाकिस्तान के फाइनल में पहुंचने पर निर्भर करेगा। आईसीसी और बीसीसीआई के साथ हुए समझौते के तहत पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा।

15 टीमों ने जगह पक्की की

- अभी तक कुल 15 टीमों ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है, जिनमें गत चैंपियन भारत, श्रीलंका और इटली के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और नीदरलैंड शामिल हैं।

'ईएसपीएनक्रिकइंफो' की रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी ने टूर्नामेंट के लिए समय निर्धारित कर दिया है और इसकी जानकारी सदस्य बोर्डों को दे दी है। इसका पूरा कार्यक्रम हालांकि अभी तय नहीं हुआ है। इस विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा लेंगी और इसका प्रारूप वैसा ही रहेगा, जैसा कि वेस्टइंडीज और अमेरिका में 2024 में हुए टी20 विश्व कप का था। इसमें टीमों को पांच-पांच के चार ग्रुप में बाँटा जाएगा, जिसके बाद सुपर आठ चरण और सेमीफाइनल होंगे। इटली ने पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है।

- **अगले साल होने वाला टूर्नामेंट चलेगा आठ मार्च तक**
- **भारत में पांच और श्रीलंका में दो शहरों में आयोजन की संभावना**

भारतीय महिला रिकर्व टीम कांस्य पदक प्लेआफ में, पुरुष टीम हारी

ग्वांग्जू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

दीपिका कुमारी, गाथा खडके और अंकिता भकत की भारतीय महिला रिकर्व टीम विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में मंगलवार को कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में पहुंच गई, लेकिन पुरुष टीम पहले दौर से बाहर हो गई। कंपाउंड तीरंदाज भी दो पदकों से आगे नहीं बढ़ सके। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय महिला टीम सेमीफाइनल में जापान से 2-6 से हार गई। अब कांस्य पदक के लिए भारत का सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

भारतीय महिला टीम की नजरें 2015 के बाद विश्व चैंपियनशिप में पहले पदक पर है। भारत ने अभी तक दो पदक जीते हैं और दोनों कंपाउंड वर्ग में मिले है। पुरुष टीम ने पहली बार स्वर्ण पदक जीता और

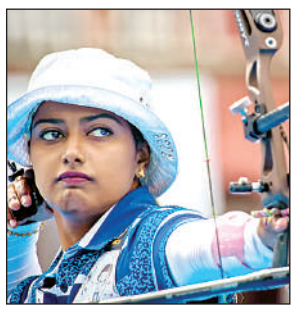

दीपिका कुमारी। एजेंसी

ऋषभ यादव तथा ज्योति सुरेखा वेन्नम ने मिश्रित टीम में रजत पदक हासिल किया। रिकर्व में महिला टीम की अगुवाई कर रही चार बार की ओलंपियन दीपिका क्वालीफिकेशन में 677 अंक के साथ छठे स्थान पर रही। वहीं 14वीं वरीयता प्राप्त गाथा ने 666 और 30वीं वरीयता प्राप्त अंकिता ने 656 अंक बनाए। टीम क्वालीफिकेशन में भारत तीसरे स्थान पर रहकर सीधे दूसरे दौर में पहुंचा। तीनों ने शानदार शुरूआत करते हुए दसवीं वरीयता प्राप्त स्लोवेनिया को 5 . 1 से हराया । क्वार्टर फाइनल में उन्होंने तुर्की को मात दी लेकिन सेमीफाइनल में जापान से हार गई । फाइनल में जापान का सामना चीनी ताइपै से होगा जिसने मेजबान दक्षिण कोरिया को शूटआफ में हराया। पुरुष रिकर्व टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसे पहले दौर में 24वीं वरीयता प्राप्त डेनमार्क ने हराया। नौवीं वरीयता प्राप्त भारतीय टीम में नीरज चौहान (670 अंक, 36वीं वरीयता), ओलंपियन धीरज बोम्मदेवरा (669, 39वीं) और राहुल (657, 62वीं) थे। शूटआफ तक चले मैच में भारतीय टीम 26 . 28 से हार गई।

पंत भारत लौटे, मुंबई में विशेषज्ञ से मिले

मुंबई : ऋषभ पंत भारत वापस आ गए हैं और जल्द ही पुनर्वास के लिए बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) जाएंगे। 23 जुलाई को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान अपने दाहिने पैर में फ्रैक्चर के बाद इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने पिछले कुछ दिनों से विशेषज्ञों से सलाह ली है।

हालांकि आकलन के विवरण का अभी भी इंतजार है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि सभी प्रारूपों के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक, पंत (27), अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की अगली घरेलू सीरीज में वापसी का लक्ष्य बना रहे हैं। अगर ऐसा नहीं होता है, तो अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज एक वास्तविक संभावना लगती है। पता चला है कि पंत पिछले कुछ दिन मुंबई में चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श के लिए बिता रहे थे।

यादें हुई ताजा | 12 वर्ष के शुभमन को गेंदबाजी करने वाले सिमरनजीत सिंह अब उनके खिलाफ खेलेंगे

शुभमन जब बच्चा था तब गेंदबाजी की

दुबई, एजेंसी

मैं शुभमन को तब से जानता हूं, जब वह बच्चा था, लेकिन पता नहीं उसे मैं याद हूं या नहीं, यह कहना है संयुक्त अरब अमीरात के बाएं हाथ के स्पिनर सिमरनजीत सिंह का। अपने क्रिकेट कैरियर के सबसे बड़े पल भारत के खिलाफ एशिया कप मुकाबले से पहले लुधियाना के 35 वर्ष के इस खिलाड़ी को याद है जब बारह वर्ष का प्रतिभाशाली शुभमन मोहाली में पंजाब क्रिकेट संघ मैदान पर अभ्यास के लिए आता था।

उन्होंने कहा यह 2011-12 की बात होगी जब शुभमन 11 या 12 साल का रहा होगा। हम मोहाली में पीसीए अकादमी पर सुबह छह से 11 बजे तक अभ्यास करते थे। शुभमन अपने पिता के साथ सुबह 11 बजे आता था। सिमरनजीत ने

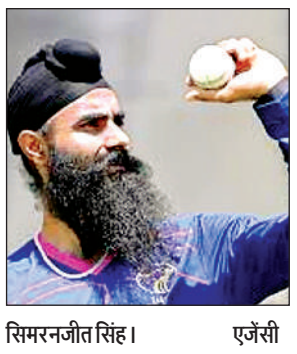

सिमरनजीत सिंह। एजेंसी

कहा मैं अपने नेट सत्र के बाद काफी अतिरिक्त गेंदबाजी करता था। पता नहीं अब वह मुझे पहचानेगा या नहीं, लेकिन उन दिनों मैंने उसे काफी गेंदबाजी की है। यूएई के कोच लालचंद राजपूत के अनुसार सिमरनजीत काफी प्रतिभाशाली गेंदबाज हैं।

उन्होंने कहा टी20 क्रिकेट में बायें हाथ के हर स्पिनर में गेंद को लगातार फ्लाइट देने की हिम्मत नहीं होती। सिमरन को पता है कि फ्लाइट से विकेट कैसे लिये जाते हैं। पंजाब के इस गेंदबाज ने अब तक 12 टी20 मैचों में 15 विकेट लिये हैं । सिमरनजीत ने कहा मैने पंजाब में काफी जिला क्रिकेट खेली है । फिर 2017 में रणजी संभावितों में चुना गया । मैने किंग्स इलेवन पंजाब के नेट्स पर भी काफी गेंदबाजी की है। इसके बावजूद सफलता नहीं मिलने से उन्हें समझ में आ गया कि भारत के लिए खेलने का सपना पूरा नहीं होने वाला। फिर कोरोना ने उनकी जिंदगी बदल दी। उन्होंने कहा मुझे दुबई में अभ्यास का प्रस्ताव मिला और अप्रैल 2021 में 20 दिन के लिए मुझे यहां आना था। फिर कोरोना की दूसरी लहर के बाद भारत में फिर लॉकडाउन लग गया और मैं महीनों यहीं रह गया।

यूएई के स्पिनर हैं सिमरनजीत सिंह

- सिमरनजीत ने कहा 2021 के बाद से मैं दुबई में हूं और जूनियर खिलाड़ियों को कोचिंग देकर अच्छा पैसा मिल रहा है। मैं क्लब क्रिकेट भी खेलता हूं। यूएई टीम में आने के बाद अमीरात क्रिकेट बोर्ड से केंद्रीय करार मिल गया। यह बेहतरीन देश है और मुझे अगर कोई दिक्कत होती तो मैं इसके लिए नहीं खेलता। मेरे मजहब का सम्मान किया जाता है। किसी ने मेरी दाढी के बारे में नहीं पूछा और यह भी नहीं पूछा कि मैं कृपाण क्यों रखता हूं। यह पूछने पर कि उनका परिवार कल भारत के खिलाफ मैच में किसका समर्थन करेगा, उन्होंने कहा यह कठिन फैसला है।